राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 बुमराह को तय करना होगा कि वह क्या खेलना चाहते हैं ...

एमएलसी चुनाव में बीजेपी का डंका, पांच में चार सीटें जीतीं; खाता न खोल ... 12

वर्ष : 10 | अंक : 263 | पटना, शनिवार, 04 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल चतुर्थी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

विकास की दौड़ में पिछड़ गये वंचितों के लिए काम करना सरकार की पहली प्राथमिकता : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था और प्रगति में पर्यटन की भूमिका को अहम बताया और कहा कि विकास की दौड़ में पिछड़ गये वंचितों के लिए काम करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से असम के बारपेटा में कृष्णगुरु सेवाश्रम में विश्व शांति के लिए आयोजित कृष्णगुरु एकनाम अखंड कीर्तन में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि कृष्ण गुरु द्वारा प्रचारित ज्ञान, सेवा और मानवता के संदेश से भारतीय परंपरा और भी मजबूत होती जा रही है।

प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए उठाये गये कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते 8-9 वर्षों में देश ने सबके साथ और सबके विकास के लिए समर्पण भाव से काम किया है। आज विकास की दौड़ में जो जितना पीछे है, देश के लिए वो उतनी ही पहली प्राथमिकता है। यानी जो वंचित है, उसे देश आज वरीयता दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम पूर्वोत्तर और असम के विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पर्यटन इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और प्रगति में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। इस बार आम बजट 2023-24 में पर्यटन से जुड़े अवसरों को बढ़ाने के लिए विशेष

प्रावधान किए गए हैं। देश में 50 पर्यटन स्थलों को विशेष अभियान के तहत विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत की सबसे बड़ी अहमियत, सबसे बड़ा मूल्यवान खजाना हमारे नदी तटों पर ही है, क्योंकि हमारी पूरी संस्कृति की विकास यात्रा नदी तटों से जुड़ी हुई है।

मोदी ने कहा कि आप सभी ने गंगा विलास रिवर क्रूज के बारे में सुना होगा और बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक इस पर यात्रा कर रहे हैं। कुछ समय बाद यह क्रूज असम पहुंचेगा और राज्य के रिवर बेसिन से होकर गुजरेगा। इसके यात्री भारत की संस्कृति का अनुभव कर रहे हैं और उन स्थलों के बारे में जान रहे हैं जहां वे जा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस क्रूज पर यात्रियों के माध्यम से असम की सुंदरता और संस्कृति को दुनिया जानेगी।

मोदी ने कहा कि बीते 8-9 वर्षों में देश में गोमोशा को लेकर आकर्षण बढ़ा है, तो उसकी मांग भी बढ़ी है। उन्होंने कहा, ₹जब असम के शिल्प की बात होती है तो यहां के 'गोमोशा' का भी जिक्र अपने आप हो जाता है। मुझे खुद 'गोमोशा' पहनना बहुत अच्छा लगता है।₹ उन्होंने कहा कि महिलाओं की आय उनके सशक्तिकरण का माध्यम बने इसके लिए 2023-24 के बजट में 'महिला सम्मान बचत योजना' शुरू की गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को बचत पर विशेष रूप से अधिक ब्याज का फायदा मिलेगा।

मौसम

अधिकतम तापमान 25.0°C

न्यूनतम तापमान 12.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,300
सेंसेक्स	54,306
निफ्टी	22,503

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से पूर्वोत्तर भारत के छात्र-छात्राओं के एक दल ने मुलाकात की

पटना। राज्यपाल फागू चौहान से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा चलाये जा रहे प्रकल्प अन्तर राज्य छात्र जीवन दर्शन के तहत पटना आये हुए पूर्वोत्तर भारत के छात्र-छात्राओं के एक दल ने राजभवन आकर मुलाकात किया।

अमूल दूध हुआ महंगा, कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। अमूल दूध के मूल्य में वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि यह सरकार दूध के दाम तक को नियंत्रित नहीं कर पा रही है। सांसद चौधरी ने कहा कि लगातार दूध के दाम बढ़ाए जाने से लोग दुखी हैं। मोदी सरकार को देश के बच्चों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर यह सरकार बच्चों के प्रति संवेदनशील होती तो बढ़ते दूध के दामों को नियंत्रित करने के लिए कोई कदम जरूर उठाती। उल्लेखनीय है कि अमूल ने अमूल ने पाउच दूध (सभी वेरिएंट) की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है।

अडाणी समूह मामला : कांग्रेस के कई राज्यसभा सदस्यों ने कार्यस्थगन के नोटिस दिए

नई दिल्ली। कांग्रेस के कई राज्यसभा सदस्यों ने अडाणी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े मामले पर चर्चा की मांग करते हुए शुक्रवार को कार्यस्थगन के नोटिस दिए। राज्यसभा सदस्यों प्रमोद तिवारी, सैयद नासिर हुसैन, कुमार केतकर, अमी याग्निक और नीरज डांगी ने नियम 267 के तहत प्रश्नकाल और दूसरे विधायी कार्यों को स्थगित करके चर्चा की मांग की है। नोटिस में कहा गया है कि बाजार में पूंजी गंवाती कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के निवेश के मुद्दे पर चर्चा कराई जाए। इस विषय पर चर्चा कराने तथा इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित किए जाने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को संसद के दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया था जिसके कारण कार्यवाही बाधित हुई और एक एक बार के स्थगन के बाद दोनों सदनों की बैठक दोपहर दो बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

समाधान यात्रा : मुख्यमंत्री ने अररिया जिले में विकास योजनाओं का लिया जायजा, समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

खाद की कालाबाजारी एवं बिजली बिल में गड़बड़ी करने वालों पर होगी कार्रवाई : नीतीश कुमार

प्रात : किरण, वरीय संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को समाधान यात्रा के क्रम में अररिया जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत चल रही विकास योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खाद की कालाबाजारी करने वालों एवं बिजली बिल में गड़बड़ी करने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा अधिक बिजली बिल आने की शिकायतें मिली हैं, उसकी जांच कर गड़बड़ करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लें।

मुख्यमंत्री ने भ्रमण के क्रम में जिले के रानीगंज प्रखंड के खरहट पंचायत का भ्रमण कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। हर घर पक्की गली-नाली निर्माण, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर घर तक नल का जल सहित अन्य विकासात्मक कार्यों का जायजा लिया। कृषक हित समूह जलपरी जीविका महिला मत्स्य उत्पादक समूह द्वारा तालाब में किये जा रहे मत्स्य पालन, बत्तख पालन का भी मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। बायोफ्लॉक तकनीक से जीविका दीदियों द्वारा किये जा रहे मत्स्य पालन का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री को लाभार्थी जीविका

दीदी श्रीमती वंदना देवी ने बत्तख पालन एवं मछली पालन से हो रहे लाभ एवं जीविका समूह से जुड़ने के बाद जीवन स्तर में आये बदलाव की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जैविक सह सूक्ष्म सिंचाई आधारित तकनीक के माध्यम से की जा रही बैगन, लहसुन, फूलगोभी, शिमला मिर्च, पालक आदि सब्जियों की खेती का जायजा लिया। बिहार महादलित विकास मिशान अंतर्गत संचालित संजुला किशोरी समूह खरहट की बालिकाओं से मुख्यमंत्री ने संवाद किया। आंगनबाड़ी केंद्र के पास दिव्यांगजनों को मुख्यमंत्री ने बैट्री चालित ट्राई साइकिल की चाबी प्रदान की। मुख्यमंत्री अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना एवं मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को भी चेक प्रदान किया गया।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत निर्मित इज्जत घर (शौचालय) की चाबी भी लाभुकों को प्रदान की गयी। मुख्यमंत्री ने रानीगंज प्रखंड के मोहनी पंचायत का भी भ्रमण किया। मोहनी पंचायत में हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली-नाली निर्माण सहित सरकार द्वारा दी गयी जन सुविधाओं एवं चलाई जा रही विकास योजनाओं का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया।

बिहार कोशी बेसिन विकास परियोजना अंतर्गत पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के तालाबों में की जा रही मखाने की खेती, मत्स्य पालन, बत्तख पालन का मुख्यमंत्री ने मुआयना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मखाना वाशिंग ड्रम, मखाना हार्वेस्टिंग ड्रम, मखाना हलरिंग मशीन आदि के संबंध में लाभार्थी प्रधान बेसरा एवं लक्ष्मण बेसरा से विस्तृत जानकारी ली। भ्रमण के क्रम में मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और सरकार से उनकी अपेक्षाओं के विषय में भी अवगत हुए। जन समस्याओं के यथाशीघ्र समाधान हेतु मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया।

ये रहें मौजूद : इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन सह सूचना एवं जन-संपर्क मंत्री संजय कुमार झा, शिक्षा मंत्री सह अररिया जिले के प्रभारी मंत्री चंद्रशेखर, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो जमा खान, विधायक अचमित ऋषिदेव, विधायक आबिदुर रहमान, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर हो : आलोक मेहता

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गन्ना उद्योग मंत्री आलोक कुमार मेहता की अध्यक्षता में शुक्रवार को विभागीय समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में मंत्री ने कहा कि गन्ना संस्थान एवं चीनी मिलों के माध्यम से उत्तम प्रभेद के गन्ना बीज की आवश्यकता के आधार पर पूर्ति हेतु कार्यक्रम तैयार किया जाय। ईख अनुसंधान संस्थान पूसा को जल प्रतिरोधक प्रभेद के परीक्षण हेतु निदेश दिया। चीनी मिल क्षेत्र में सर्वे कराकर प्रभेद का चयन किया जाय। मंत्री ने मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम अंतर्गत चलायी जा रही योजनाओं की समीक्षा की। सभी संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं चीनी मिल प्रबंधकों को मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम को क्रियान्वित करने का निदेश दिया, ताकि किसानो को शीघ्र अनुदान भुगतान कराया जा सके।

मंत्री ने पेराई सत्र 2022-23 में किसानों के 85 प्रतिशत भुगतान पर प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री ने निदेश दिया कि ईख मूल्य कम प्रतिशत भुगतान करने वाले गोपालगंज और प्रतापपुर चीनी मिल प्रबंधन गन्ना मूल्य का भुगतान एक सप्ताह के अन्दर सुनिश्चित किया जाए। मंत्री द्वारा चीनी मिलों के माध्यम से चलाये जाने वाले क्रय केन्द्रों एवं मिल गेट पर ईख तौल सही कराने एवं घटतौली न हो, यह मिल प्रबंधन को सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। इसके साथ ही विभागीय सट्टा निति के अनुसार चलान जारी करने का निदेश दिया गया है। गन्ना किसानों को अनुदान प्राप्ति हेतु विभागीय ऑनलाईन पोर्टल निर्माण शीघ्र कराने हेतु विभागीय पदाधिकारियों को निदेशित किया गया। किसानों के प्रशिक्षण हेतु राज्य स्तरीय किसान संगोष्ठी एवं गन्ना उद्योग को बढ़ावा देने हेतु निवेशक सम्मेलन का आयोजन शीघ्र कराने का निदेश दिया गया है।

पीएम ने बिहार में रेलवे हेतु रिकॉर्ड 8505 करोड़ का किया आवंटन : अश्विनी वैष्णव

बोलें-बिहार में कुल 74,880 करोड़ के चल रहे हैं 57 प्रोजेक्ट। पूर्व मध्य रेल के लिए 8568 करोड़ राशि आवंटित : अनुपम शर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेलवे हेतु रिकॉर्ड धनराशि आवंटित की है। शुक्रवार को रेलवे बोर्ड से वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बजट 2023-24 के रेल भाग पर आधारित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि आज संसद में रेलवे हेतु डिमांड फॉर ग्रांट्स रखा गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे हेतु रिकॉर्ड धनराशि आवंटित की गयी है। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न राज्यों के लिए रेलवे हेतु आवंटित धनराशि से अवगत कराया। इसी कड़ी में उन्होंने बिहार राज्य के लिए रेलवे हेतु आवंटित धनराशि का जिक्र करते हुए बताया कि बिहार में कुल रु. 74,880 करोड़ के 57 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इस साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार में रेलवे हेतु रिकॉर्ड रु. 8505 करोड़ का एलोकेशन दिया गया है। इस संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय, हाजीपुर सहित पांचों मंडलों में मंडल रेल प्रबंधक तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित थें। रेल मंत्री के संबोधन के बाद पूर्व मध्य

रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने हाजीपुर मुख्यालय में उपस्थित संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बजट 2023-24 में पूर्व मध्य रेल की रेल परियोजनाओं, यात्री सुविधा, संरक्षा, आधारभूत संरचना के उन्नयन कार्य के लिए रिकॉर्ड धनराशि आवंटित की गयी है। इस बजट में पूर्व मध्य रेल के लिए 8568 करोड़ रूपए की राशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि पूर्व मध्य रेल के गया एवं मुजफ्फरपुर स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने हेतु कार्य चल रहा है। इस बजट में गया स्टेशन हेतु 140 करोड़ तथा मुजफ्फरपुर स्टेशन हेतु 176 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। साथ ही बेगुसराय, सिंगरौली, सीतामढ़ी दरभंगा, बापूधाम मोतिहारी, धनबाद, पं.दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं बरौनी स्टेशनों के विकास हेतु 215 करोड़ का आवंटन मिला है। इसके साथ ही अमृत भारत स्टेशन के तहत पूर्व मध्य रेल के 77 स्टेशनों का चयन किया गया है जिनके लिए इस बजट में 82 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इसके साथ ही लिफ्ट हेतु 17 करोड़, एस्केलेटर हेतु 7.5 करोड़, एफओबी एवं प्लेटफॉर्म के उच्चीकरण हेतु 77 करोड़ तथा दिव्यांगजन की सुविधाओं के विकास हेतु 15 करोड़ की धनराशि आवंटित की गयी है। उन्होंने कहा कि पूर्व मध्य रेल को सर्वे हेतु भी पर्याप्त मात्रा में धनराशि आवंटित की गयी है जिनमें प्रमुख है - पं. दीनदयाल उपाध्याय जं.-पटना-किउल के बीच तीसरी लाईन एवं टोरी-चतरा नई लाईन आदि।

बजट 2022-23 में पूर्व मध्य रेल को कुछ प्रमुख मदों हेतु आवंटित राशि -

- दोहरीकरण परियोजना के लिए 2950 करोड़ रूपए।
- नई लाइन परियोजना के लिए 1518 करोड़ रूपए।
- आमान परिवर्तन कार्य के लिए 138 करोड़ रूपए।
- रेल पथनवीकरण के लिए 800 करोड़ रूपए।
- उपभोक्ता सुविधाओं के विकास के लिए 630 करोड रूपए।
- सड़क संरक्षा कार्य (आरओबी/आरयूबी) के लिए 396 करोड रूपए।
- सड़क संरक्षा कार्य (समपार) के लिए 65 करोड रूपए।
- सिगनल एवं दूरसंचार संबंधी कार्य के लिए 207 करोड़ रूपए।
- बिजली संबंधी अन्य कार्य के लिए 103 करोड़ रूपए।
- वर्क्सशाप के लिए 194 करोड़ रूपए।
- यातायात सुविधा के लिए 141 करोड रूपए।
- पुल संबंधित कार्य के लिए 79.5 करोड़ रूपए।

बजट 2023-24 (रेल भाग) में पूर्व मध्य रेल की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए आवंटन : नई लाईन -फतुहा-इसलामपुर (43.5 किमी) साथ में नेउरा से दनियांवा (42 किमी), दनियांवा से बिहारशरीफ (38 किमी), बिहारशरीफ से बरबीघा (26 किमी), बरबीघा से शेखपुरा (17 किमी) तकनईलाईन का विस्तार : 300 करोड़ का आवंटन, कोडरमा-तिलैया (65 किमी) - 275 करोड़,हाजीपुर-सुगौली वाया वैशाली (148 किमी)-250 करोड़, अररिया-सुपौल (92 किमी)-235 करोड़, सकरी-हसनपुर (79 किमी)-75 करोड़, खगड़िया-कुशेश्वरस्थान (44 किमी)-65 करोड़,

गया-डाल्टेनगंज वाया रफीगंज -20 करोड़, राजगीर-हिसुआ-तिलैया (46 किमी) - 20 करोड़ और नटेसर-इसलामपुर (21 किमी), छपरा-मुजफ्फरपुर (78 किमी) -20 करोड़, बिहटा-औरंगाबाद (120 किमी) -20 करोड, मुजफ्फरपुर-दरभंगा (67 किमी)-20 करोड़

आमान परिवर्तन - जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज (268 किमी)- 125 करोड़,सकरी-निर्मली और झंझारपुर-लौकहा बाजार (94 किमी) एवं सहरसा-फॉरबिसगंज (111 किमी) - 105 करोड़।

दोहरीकरण -रामपुरडुमरा-टाल-राजेंद्रपुल-अतिरिक्त पुल व दोहरीकरण (14 किमी) - 500 करोड़, धनबाद-सोननगर तिहरी लाईन (291 किमी) -450 करोड़, मुजफ्फरपुर-सगौली (110 किमी)-400 करोड़, सगौली-बाल्मिकीनगर (101 किमी) -300 करोड़, किऊल-गया (124)- 200 करोड़, समस्तीपुर-दरभंगा (38 किमी)- 75 करोड़, दरभंगा बाईपास (9.5 किमी)-75 करोड़, करौटा पटनेर-मनकट्ठा ट्रायंगल -58 करोड़।

उद्घाटन | **उपमुख्यमंत्री ने तैरता रेस्टोरेंट एमवी गंगा विहार का किया उद्घाटन**

फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के शुरू होने से गंगा पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : तेजस्वी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार का पहला तैरता रेस्टोरेंट एमवी गंगा विहार का उद्घाटन शुक्रवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने किया। अब राजधानीवासी गंगा में तैरते हुए खाने का लुत्फ उठा सकेंगे। इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट को आईआईटी खड़गपुर के इंजीनियरों की मदद से पूरी तरह से रिपेयर किया गया है। इस क्रूज की मरम्मत के लिए सरकार ने संध्या सम्राट डेवलपमेंट एंड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को चुना था। आज उदघाटन के साथ ही क्रूज की रेट लिस्ट भी जारी कर दी गई है। इस पर सफर के लिए प्रति व्यक्ति प्रति घंटा 300 रुपए खर्च करने होंगे। खास मौके या आयोजनों के लिए इसे बुक भी किया जा सकता है। इसके लिए 25 हजार के लेकर 51 हजार रुपए तक खर्च करने होंगे। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा कि तकरीबन 3-4 सालों से यह बंद पड़ा हुआ था। विभाग और

हम सबने मिलकर इसे फिर से शुरू किया है। हमने इसी सोच के साथ इसे शुरू किया है कि लोग यहां आए और एक पर्यटक के तौर पर इसका लुत्फ उठाए। आप देख सकते हैं कि यह 2 फ्लोर का है। आप सभी इसके ऊपर वाले फ्लोर पर फैमिली और फ्रेंड के साथ बैठकर अच्छा समय बीता सकते हैं। इसको पूरा बुक भी कर सकते हैं। यह एक अच्छा मौका मिला है। तेजस्वी ने कहा कि आने वाले समय में रिवर फ्रंट पर हम काम करवा रहे। उसे आर्गनाइज्ड तरीके से डवलप करेंगे। ताकि जो लोग शाम में मरीन ड्राइव जाते है, वह वहां फूड से लेकर कल्चरल तक का आनंद लें। खेल-कूद को लेकर पार्क हो। वॉकिंग ट्रैक हो, साइकिलिंग ट्रैक हो। गंगा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट को साल 2009 में 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। एमवी गंगा विहार में 100 सीटें हैं और यह बिहार का पहला फ्लोटिंग रेस्तरां है। जब यह क्रूज बिहार आया तो उसमें कैबिनेट की बैठक भी हुई, लेकिन वर्ष 2017 में पर्यटन विभाग ने इस सेवा को बंद कर दिया था। तब से इसे पटना के एनआईटी घाट पर खड़ा रखा गया। माना जा रहा है कि इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के दोबारा शुरू होने से गंगा पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। क्रूज 4 किमी की लंबी यात्रा तय करेगा। जिस दौरान दरभंगा हाउस, पटना कॉलेज, टेकरी हाउस, पटना साहिब गुरुद्वारा, गांधी सेतु और कई मंदिरों सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों से गुजरते हुए गांधी घाट और गाय घाट के बीच नेविगेट करेगा। लोग इसमें बैठकर गंगा के किनारे गंगा आरती के दृश्य का भी आनंद ले सकेंगे। यह मरीन ड्राइव, सभ्यता द्वार, बापू सभागार और गांधी संग्रहालय जैसे विभिन्न स्थलों को पार करते हुए दीघा घाट की ओर भी भ्रमण करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने विमेंस कॉलेज में ऑडिटोरियम का किया उद्घाटन

पटना। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पटना विमेंस कॉलेज में अत्याधुनिक सुविधाओं वाला नवनिर्मित ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। पीडब्ल्यूसी ऑडिटोरियम का नाम मदर वेरोनिका के नाम पर वेरोनिका ऑडिटोरियम रखा गया है। इस ऑडिटोरियम में एक साथ कुल 2500 छात्राएं बैठ सकती है। ऑडिटोरियम के निर्माण में अन्य देशों से मंगाए गए सामानों को लगाया गया है। इसके साथ ही ऑडिटोरियम के भीतर थ्री डी स्टेज बनाया गया है। पूरे हॉल में एलईडी बल्ब व आकर्षक झूमर भी लगाया गया है। साथ ही सुरक्षा की दृष्टिकोण से ऑडिटोरियम में जगह-जगह पर अग्निशामक यंत्र भी लगाए गए हैं और प्रवेश निकास के लिए मल्टीपल एंट्री और एग्जिट गेट बनाए गए है। ऑडिटोरियम का बाहर का हिस्सा मिनी पीडब्ल्यूसी की तरह दिखता है। बनाने में 50 करोड़ से भी अधिक की लागत लगी है। ऑडिटोरियम को बनने में 5 साल का वक्त लगा है। इसका निर्माण कार्य वर्ष 2018 में शुरू हुआ था। बता दे कि इस ऑडिटोरियम के तैयार होने से किसी भी कार्यक्रम में अब एक साथ 2500 छात्राएं सरीक हो पाएंगी। किसी भी तरीके का आयोजन इस ऑडिटोरियम में आसानी से किया जा सकेगा। इसके साथ ही कार्यक्रम में अब किसी प्रकार के बैनर या पोस्टर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऑडिटोरियम में लगे प्रोजेक्ट पर ही कार्यक्रम की थीम को दशार्या जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बटाऊ कुआं दरगाह पर उर्स सात से

पटना सिटी (प्राकि)। दरगाहशरीफ बटाऊ कुआं स्थित हजरत दाता सैयद शाह रफीउद्दीन शहीद रहमतुल्ला अलैह की मजार पर सात फरवरी से उर्स शुरू होगा। यह दस फरवरी तक चलेगा। इस दौरान नौ फरवरी को फैजाने औलिया कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है। दरगाह कमेटी के अध्यक्ष जुम्मन कादरी और सचिव मो शमशाद ने बताया कि कांफ्रेंस में आए मौलाना की तकरीर होगी, जबकि उर्स की शुरूआत कुरानखानी, चादरपोशी और कुलशरीफ से होगी।

लावारिस अवस्था में विदेशी शराब बरामद

दानापुर खगौल। शुक्रवार को दानापुर रेलवे स्टेशन जीआरपी पुलिस ने श्रमजीवी एक्सप्रेस डाउन बोगी नंबर २३ के शौचालय के पास से लावारिस अवस्था में मैकडॉवेल का 58 पीस फ्रूटी बरामद किया इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने बताया कि डाउन श्रमजीवी एक्सप्रेस एक्सप्रेस ट्रेन से कोई अज्ञात व्यक्ति यह विदेशी शराब लेकर जा रहा था वही पुलिस के डर से छोड़कर भाग गया है। इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है।

ट्रेन से कटने से एक युवती की मौत

दानापुर खगौलःशुक्रवार के दिन दानापुर स्टेशन पर एक युवती की कटने से मौत। युवती की पहचान अनिल कुमार सिन्हा की 18 वर्षीय पुत्री मिनी सिन्हा के रूप में हुई है। जीआरपी थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने बताया कि ट्रेन चढ़ने के क्रम में प्लेटफार्म संख्या 4 से जनसाधारण ट्रेन से युवती के कटने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि एसजीएम नगर फरीदाबाद की रहने वाली है दानापुर स्टेशन से दिल्ली जाने वाली ट्रेन जलसंधारण से चढ़ने के क्रम में कटने से मौत हो गई है। दानापुर में अपने एक रिश्तेदार के यहां आई थी। घर जाने के क्रम में यह घटना घटी है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। है

5 सूत्री मांगों को तत्काल लागू करें वर्ना आज से अनिश्चितकालीन धरना

सेवादार समाज कल्याण समिति ने एक बार फिर अपना तेवर दिखाने का काम तख्तश्री प्रबंधक कमेटी को किया है। समिति के द्वारा तख्तश्री कमेटी के अध्यक्ष और महासचिव को पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है। इसमें कहा गया है कि तत्काल उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो शनिवार से अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। समिति के अध्यक्ष तेजेंद्र सिंह बंटी, दीपक सिंह, अवधेश सिंह, अजायब सिंह, विकास सिंह, गोविंद सिंह, रीता कौर, प्रीती कौर आदि के हस्ताक्षर से कमेटी के अध्यक्ष और महासचिव को संबोधित मांग पत्र सौंपा गया है। इन सबों की मांगों में निलंबित किए गए पांच स्टाफ को अविलंब सेवा बहाल करने, गुरु पर्व पर मिलने वाले अलाउंस का तत्काल भुगतान करने, सभी स्टाफ को वर्दी और बंडी देने, सर्विस रूल को जल्द लागू करने और जो लोग बाहर अकेले 24 घंटे ड्यूटी कर रहे हैं, उन्हें पूरे घंटे का भुगतान किए जाने की मांग की गई है। समिति के पदाधिकारियों के द्वारा कहा गया कि इन मांगों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। ऐसा नहीं होने पर सेवादार समाज कल्याण समिति और समूह स्टाफ चार फरवरी से अनिश्चितकालीन धरना, प्रदर्शन और आंदोलन करेंगे। इसकी सारी जवाबदेही तख्तश्री कमेटी की होगी। सौंपे गए मांग पत्र की प्रति श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार, तख्तश्री पटना साहिब के कस्टोडियन सह जिला न्यायाधीश, अनुमंडल पदाधिकारी पटना सिटी और तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी को सौंपी गई है।

अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवक को मारी ठोकर, पटना रेफर

आरा। पटना-बक्सर फोरलेन पर भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बीबीगंज के समीप शुक्रवार की दोपहर अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवक को ठोकर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया। उसकी हालत काफी चिंताजनक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार जख्मी पटना के फुलवारीशरीफ थाना अंतर्गत खगौल रोड निवासी मोहम्मद औरंगजेब आलम है। वह पेशे से सिविल इंजीनियर बताया जा रहा है। हालांकि वह पटना से बक्सर की ओर किस कार्य के लिए जा रहा था। इसका पता नहीं चल पाया। उसके जेब से मोबाइल, आधार कार्ड एवं 7 हजार नगद प्राप्त हुआ। शाम में युवक के परिजनों द्वारा मोबाइल पर कॉल किया गया। जहां जख्मी के साथ रहे चौकीदार ने कॉल को रिसीव कर घटना को जानकारी दी। तब उसके परिजन अस्पताल में पहुंचे।

व्यवसायी के घर लूट का हुआ खुलासा, पांच गिरफ्तार

मौसेरे भाई ने रची थी साजिश, बरामद हुआ सोना, चांदी व नगद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

चौक थाना क्षेत्र के हुमाद गली के लल्लू बाबू के कूंचा मुहल्ला निवासी और व्यवसायी मिथिलेश जायसवाल के घर हुई 30 लाख से अधिक की लूट का उद्भेदन चौक पुलिस ने कर दिया है। इस मामले में साजिशकर्ता मौसेरा भाई सहित पांच को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) संदीप सिंह ने बताया कि भतीजी की शादी समारोह में वह सब 26 जनवरी को शामिल होने को गए थे। इसी दौरान घर की रखवाली को रहे तीन कर्मियों को बंधक बना लूट की घटना को अंजाम दिया गया। एसएसपी ने एएसपी अमित रंजन के नेतृत्व में टीम गठित की, जिसमें चौक थाना अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता, एसआईयू के पुनि अमलेश कुमार, एसआई रमेश कुमार, परीक्ष्यमान पुअनि चुन्नू पासवान, सअनि विपुल कुमार सिंह के अलावा एसआईयू के सिपाही अनिल पंडित, इंदु भूषण, सिपाही चंदन कुमार, रंजीत कुमार सिंह (दोनों सीसीटीवी यूनिट), सिपाही मंटू कुमार, अभिजीत कुमार, संतोष कुमार, अभिषेक कुमार, बबलू कुमार, विवेक शर्मा एवं इंद्र कुमार (सभी चौक थाना) शामिल थे। इसके बाद टीम ने सीसीटीवी फुटेज व हुलिया के आधार पर साजिश रचने वाले मौसेरा भाई विनोद कुमार उर्फ बालो (42 साल) को गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की गई। तब मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने बाइपास थाना क्षेत्र के मर्ची निवासी गोविंद कुमार उर्फ गुम्मा और मालसलामी थाना के मंगल अखाड़ा निवासी विजय कुमार उर्फ कादर खां के साथ आभूषण छिपाने वाली खाजेकलां थाना क्षेत्र के मच्छरहट्टा गली निवासी सोनम देवी व बाइपास थाना क्षेत्र के बाहरी बेगमपुर निवासी किरण देवी को गिरफ्तार किया। इस दौरान लूटे गए सामान में लगभग 100 ग्राम सोना के आभूषण, एक किलो चांदी के आभूषण, 30 चांदी का गिन्नी, दो लाख 70 हजार नगद और तीन मोबाइल के बरामद किया गया। एएसपी अमित रंजन ने बताया कि गिरफ्तार गोविंद के खिलाफ नालंदा और मेहंदीगंज थाना में पहले से दो मामला दर्ज है। इसी प्रकार विजय उर्फ कादर खां के खिलाफ मालसलामी थाना में दो मामला दर्ज है।

बगहा एसडीएम ने अनुमंडलीय अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा एसडीएम डॉ.अनुपमा सिंह ने गुरुवार की देर रात अनुमंडलीय अस्पताल में चिकित्सकीय व्यवस्था एवं मरीजों को मिलने वाली सुविधा का जायजा लिया। साथ ही अस्पताल में हो रहे चहारदीवारी निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। चारदीवारी निर्माण पर संतोष जाहिर कर मौके पर संवेदक को गुणवक्ता पूर्ण कार्य कराने का निर्देश भी दिया। अस्पताल निरीक्षण के क्रम में अस्पताल के नए भवन में पहुंच मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, निमार्णाधीन एमएनसीयू का भी जायजा लिया। तथा अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सुविधा, दवा, भोजन आदि के बारे में भी अस्पताल उपाधीक्षक डॉ.केबीएन सिंह से जानकारी लिया। एसडीएम ने बताया की अस्पताल के नए भवन में कुछ काम अधूरे रह गए हैं। जिसे पूर्ण करने के लिए बीएमएससीआईएल को उनके द्वारा बोला जाएगा। एमएनसीयू को 10 दिनों के भीतर रोगियों के लिए चालू कर दिया जाएगा। जिससे बच्चों के इलाज में काफी सहूलियत मिलेगी।

नई शिक्षा नीति समावेशी व समानता के विकास का साधन डॉ सीता

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज में भारत सरकार की नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस दौरान प्राचार्या प्रोडॉ सीता सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि भारत सरकार की नई शिक्षा नीति समावेशी व समानता के विकास का साधन है। संगोष्ठी को कॉलेज के डॉ शिवचन्द्र सिंह, डॉ अंजू जैन, डॉ रजिया नसरीन, डॉ सुषमा, डॉ नीलम कुमारी, डॉ किरण कुमारी, डॉ जयंती रानी, डॉ अमोल कुमार, डॉ मीना, डॉ नीना कुमारी, डॉ दशरथ मंडल आदि शिक्षकों ने विचार रखे। इस दौरान ईना बहन और डॉ सीमा कुमारी ने रिपोर्टियर के रूप में कार्य किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ नागेन्द्र मिश्र ने किया।

तख्त साहिब में सजा दीवान, हुआ शबद कीर्तन

संत समागम को ले अखंड पाठ जारी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में सातवें गुरु हरिराय जी साहिब के प्रकाश पर्व को लेकर शुक्रवार को विशेष दीवान सजा। इसके साथ ही दो दिनों से चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की समाप्ति वरीय ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह की देखरेख हुई। इसके बाद सजे विशेष दीवान में कथावाचक ज्ञानी दलजीत सिंह ने कथा कही। रागी जत्था भाई हरभजन सिंह, भाई कविंद्र सिंह, भाई जगत सिंह, भाई नविंदर सिंह, अरविंद सिंह निर्गुण और भाई ज्ञान सिंह ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। इसके बाद तख्तश्री पटना साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने विश्व शांति व भाईचारे के लिए अरदास किया। आयोजन में प्रबंधक कमेटी के पदधारक व संगत शामिल हुई। इधर संत बाबा भाग सिंह, करतार सिंह व त्रिलोचन सिंह की स्मृति पर आयोजित होने वाले संत समागम को लेकर तख्त साहिब में 28 लड़ियों में श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ शुक्रवार को भी जारी रहा। पंजाब के कपूरथला के संत बाबा अवतार सिंह के नेतृत्व में आए पाठी जत्थों की ओर से अखंड पाठ किया गया। यह आठ फरवरी तक चलेगा। आठ फरवरी को संत समागम पर विशेष दीवान सजेगा और धार्मिक आयोजन होगा।

वेतन न मिलने से नाराज नगर निगम के एजेंसी कर्मियों ने काम किया ठप

सोमवार तक वेतन देने के आश्वासन के बाद लौटे काम पर

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तीन माह से वेतन नहीं मिलने से नाराज पटना नगर निगम के एजेंसी कर्मियों ने शुक्रवार की सुबह नगर निगम के छह अंचल मे काम बंद कर दिया। इसके बाद अंचल कार्यालयों पर प्रदर्शन के साथ नारेबाजी शुरू कर दिया। बाद में कार्यपालक पदाधिकारी के हस्तक्षेप पर एजेंसी के पदाधिकारी ने सोमवार तक भुगतान करने का वादा किया, तब मध्याह्न से काम शुरू हुआ। विदित हो कि ब्लैक लिस्टेड होने के पूर्व एजेंसी ने दो माह का वेतन भुगतान नहीं किया था। वह दो माह का वेतन एजेंसी ही भुगतान करेगा। पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के महासचिव सह नगर निगम कर्मचारी संयुकत समन्वय समिति के संयोजक मंगल पासवान और प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार ने कहा कि सोमवार तक वेतन का भुगतान नहीं होने पर संघर्ष को तेज किया जाएगा और कभी भी काम को अनिश्चितकाल के लिए ठप कर दिया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व पाटलीपुत्र अंचल में शत्रुघ्न कुमार, सन्नी कुमार, नूतन राजधानी अंचल में प्रभात कुमार, राधेश्याम, कंकडबाग अंचल में जितेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, बांकीपुर अंचल में मुकेश कुमार, अनुज कुमार, अजीमाबाद अंचल में नीतीश कुमार, रविकांत गुप्ता, सिटी अंचल में मंटू कुमार और धीरज कुमार ने किया।

बगहा में 2 किसानों से 71000 की छिनतई

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा बगहा में खाद खरीदने आये दो किसानों से दिन दहाड़े बदमाशों ने करीब 71 हजार की छिनतई किया है।दरअसल बगहा दो प्रखण्ड स्थित बिस्कोमान भवन में उर्वरक की खरीदारी करने आये दो किसानों से अज्ञात अपराधियों ने 71 हजार रुपये की ठगी कर ली है। अपराधी तीन की संख्या में थे। जिसमें एक पुलिस की वर्दी पहने हुए था। घटना शुक्रवार की दोपहर करीब ढाई बजे पटखौली थाना क्षेत्र के बिस्कोमान भवन के पास की है। जहां तीन अज्ञात अपराधियों ने संतपूर सोहरिया पंचायत के झरहरवा निवासी रामनारायण महतो एवं राजकुमार महतो से क्रमशः 37 एवं 34 हजार रुपए की छिनतई कर ली है

पीड़ित किसान राम नारायण महतो एवं राजकुमार महतो का कहना है कि शुक्रवार की दोपहर में पीएनबी बैंक की नरईपूर शाखा से क्रमशः से 45 हजार व 35 हजार की निकासी की थी। जिसके बाद वे उर्वरक खरीदने बगहा दो बिस्कोमान भवन पहुंचे थे। बिस्कोमान भवन से उर्वरक खरीदने के बाद में वे शेष पैसे को थैले में रखकर घर वापस जाने को ही थे कि एक एक अपराधी जो पुलिस की वर्दी में था आया एवं उनकी तलाशी लेने की बात कह कर उनके झोले की तलाशी लेने लगा। इसी दौरान उसके दो अन्य साथी भी वहां पहुंचे एवं दोनो के झोले में रखे 37 हजार एवं 34 हजार लेकर चंपत हो गये।पीड़ित किसानों ने इस संबंध में पटखौली ओपी में पुलिस को आवेदन देकर इसकी शिकायत की है। पटखौली ओपी प्रभारी लालबाबू यादव ने बताया कि सूचना पर गश्ती दल की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। साथ ही साथ पुलिस दोनो पीड़ितो से इसके संबंध में जानकारी ले रही है । जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच के बाद कार्रवाई कर रही है।

पटना स्मार्ट सिटी से जुड़े परियोजना के बारे भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने ली जानकारी

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भारत भ्रमण कार्यक्रम (शीतकालीन अध्ययन यात्रा) के तहत पटना आये भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2022 बैच के दस प्रशिक्षु अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत पटना स्मार्ट सिटी में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर एवं अन्य परियोजनाओं से संबंधित जानकारी नगर आयुक्त सह प्रबंध निदेशक पटना स्मार्ट सिटी अनिमेश कुमार पराशर से प्राप्त की। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के अलग-अलग कम्पोनेंट्स जैसे वीएमडी वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले, आटोमेटिक ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, एन्वॉयरमेंटल सेंसर, स्पीड वायलेशन डिटेक्शन कैमरा किस तरह सुरक्षा व्यवस्था और आपातकाल में निपटने की क्षमता को और सघन बनाएगा। साथ ही उन्हें इस बात से भी अवगत कराया गया कि कैसे पटना नगर निगम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट फीड और म्यूनिपिशियल सर्विसेज फीड आईसीसीसी के साथ इंटिग्रेटे किया गया है। इस मौके पर प्रमंडलीय आयुक्त पटना कुमार रवि, जिलाधिकारी पटना चंद्रशेखर सिंह, बिहार स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (बेल्ट्रॉन) के प्रबंध निदेशक संतोष कुमार मल, एडीजी ट्रैफिक पटना सुधांशु कुमार ,ट्रैफिक एसपी पटना अरुण कुमार एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अन्य अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित रहे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने बहुत ही उत्सुकता से इसके अलग-अलग कंपोनेंट्स की जानकारी प्राप्त की और भविष्य में इसकी उद्देश्यों और प्रासंगिकता को भी जाना।

महापौर सीता साहू की गई सम्मानित

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। प्रभु आहार सेवा समिति तथा वार्ड संख्या18 की तरफ से महापौर सीता साहू एवं पार्षद रंजन कुमार उर्फ.पप्पू जी को सम्मानित किया गया। मौके पर प्रभु आहार अध्यक्ष राकेश कुमार ने सम्मान समारोह में महापौर सीता साहू को ऑक्सीजन प्लांट, शॉल ऐवम तक्त हरमंदिर जी पटना साहिब का समृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मौके पर वार्ड 18 के पार्षद रंजन कुमार को बुके , शाल ऐवम समृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया । मौके पर समारोह में उपस्थित समाज सेविका डॉ गीता जैन ने भी महापौर सीता साहू को माला पहनाकर सम्मानित किया। यह समारोह सम्भु बाबा के मंदिर , मछलीगली , जक्कनपुर में संपन्न हुआ। मौके पर सीता साहू ने कहा कि पटना को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने हमारी मुख्य प्राथमिकता है। एम पी जैन ने बताया कि मौके पर डॉ गीता जैन , पल्लवी नारायण साहू , शम्भु प्रसाद , राकेश कुमार, अमित राज अकेला, पवन कुमार, अमरजीत कुमार, सतीश कुमार, निर्मल शर्मा सहित वार्ड 18 के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

नागालैंड विस चुनाव को लेकर राजद की बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। नागालैंड प्रदेश चुनाव अभियान समिति की बैठक दीमापुर में नागालैंड राजद के प्रदेश अध्यक्ष निखेजे सुमी की अध्यक्षता में आहूत की गई। जिसमे नागालैंड के राजद प्रभारी सह बिहार के कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत, राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला प्रसाद यादव, नागालैंड राजद महिला सेल की अध्यक्षा हिटोली रेगना, नागालैंड राजद के प्रदेश महासचिव विलियम वत्सा, नागालैंड राजद के युवा अध्यक्ष किए झे सोहे, पटना राजद के अध्यक्ष महताब आलम, राजद के प्रदेश महासचिव बल्ली यादव, पटना राजद के प्रधान महासचिव नौसाद अख्तर, नागालैंड अल्पसंख्यक सेल के उपाध्यक्ष गुड्डू अली सहित नागालैंड राजद के सभी प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में नागालैंड के कई राजद पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने चुनाव लड़ने की बात की। जिसमे कई उम्मीदवार के नामों पर विचार किया गया और सर्वसम्मति से नागालैंड में पहला टिकट सेम्बल देते हुए सेंकथुंग जैमी को 39, सनीस विधानसभा से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। बैठक में दूरभाष पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने घोषित प्रत्याशी को बधाई दी है और चुनाव को मजबूती से लड़ने की बात कही। जल्द ही नागालैंड में अन्य सीटों पर भी राजद प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी।

शोक साभा पहले कार्यकारिणी, फिर आमसभा की बैठक में लिया गया निर्णय.....

90 साल के अमृतपाल सिंह के निधन के बाद परिजनों ने कराया नेत्रदान

- जदयू व सिख नेता जगजीवन सिंह को पितृ शोक

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

जदयू के नेता, समाजसेवी के साथ सिखों के अग्रणी नेता सरदार जगजीवन सिंह के पिता अमृतपाल सिंह का निधन 90 साल की आयु में हो गया। इसके बाद जगजीवन सिंह ने अपने परिजनों से बातचीत कर अपने पिता की आंखों का दान कराया। उन्होंने कहा कि नहीं रहोगे जिंदा जब आप इस जहां में, आंखें आपकी जीवित रह जाएंगी, किसी के दुखियारी जीवन में फिर खुशियों का प्रवाह भर जाएंगी। मां वैष्णो देवी सेवा समिति के अध्यक्ष और समाजसेवी सरदार जगजीवन सिंह ने आज परिवार की सहमति के साथ अपने पिता अमृतपाल सिंह के निधन के बाद आईजीआईएमएस के डॉ राजीव जी मारुति नंदन और दीपक जी के माध्यम से नेत्रदान के जरिए उनकी आंखों को समाज को अर्पित कर मानवता के लिए बड़ा संदेश देने का काम किया है। दधिचि देहदान समिति ने इस मुहिम की सराहना की है।

श्री अमृतपाल सिंह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्होंने भरे-पूरे परिवार के बीच चितकोहरा स्थित पंजाबी कॉलोनी स्थित आवास में शुक्रवार को पूर्वाह्न 11.30 बअजे अंतिम सांस ली। उन्हें तीन पुत्रों में जगजीवन सिंह, मनवीर सिंह, स्वर्ण सिंह और दो बेटियों के साथ ही भरा-पूरा परिवार है। यहां से शवयात्रा गुलबी घाट पहुंचा। यहां गुरुद्वारा श्री सिंघ सभा, चितकोहरा के ज्ञानी सुरजीत सिंह ने मृतात्मा की शांति और गुरु चरणों में वास के लिए अरदास किया। इस दौरान पूर्व मंत्री सह विधायक नितिन नवीन, विधायक संजीव चौरसिया, तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के महासचिव इंद्रजीत सिंह, सचिव हरबंश सिंह, दीपक लांबा, अमरजीत सिंह शम्मी, अमृतपाल सिंह बब्बू, सतनाम सिंह बग्गा के अलावा बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग और समाजसेवी के साथ ही विभिन्न दलों के नेतागण भी मौजूद रहे। श्री अमृतपाल सिंह के निधन पर तख्त श्री कमेटी के सदस्य चरणजीत सिंह, महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन, मां वैष्णो देवी सेवा समिति से जुड़े मुकेश हिसारिया के साथ ही अन्य लोगों ने दुख जताया है।

पीरौटा से नागपुर सड़क को 3 फीट ऊंचा कर बनाने हेतु जाँच का आदेश

प्रात :किरण संवाददाता

आरा सिन्हा मुख्य मार्ग पीरौटा मोड़ से नागपुर तक करीब ढाई किलोमीटर लम्बे सड़क को 3 फीट ऊंचा तथा चौड़ा कर बनाने की मांग सरपंच संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश बाबा ने की है। तथा इसके लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला पदाधिकारी को एक ज्ञापन दिया गया था जिसमें जिला पदाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि अविलंब सड़क का निर्माण करवाएंगे। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी की तरफ से कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग 1 को निर्देशित किया गया था। जिसको कार्यपालक अभियंता ने सहायक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग अवर प्रमंडल आरा को आदेश दिया है कि पिरौटा से नागोपुर सड़क का विधिवत जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करें।

भाजपा बाबा साहेब के संविधान को ध्वस्त करने की कर रही साजिश: उमेश कुशवाहा

- जदयू कार्यालय में बाबासाहेब की जयंती धूमधाम से मनाने एवं संगठन की मजबूती पर हुयी चर्चा
- बाबा साहेब के विचारों एवं मुख्यमंत्री के कार्यों को प्रत्येक टोलों में पहुंचाने का लिया गया संकल्प

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बाबासाहेब डॉ भीम राव आंबेडकर जी की 14 अप्रैल को जयंती मनाए जाने के कार्यक्रम की तैयारियों एवं संगठन की मजबूती व विस्तार को लेकर जदयू प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में बाबा साहेब के विचारों एवं मुख्यमंत्री के कार्यों को प्रत्येक टोलों में पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज सबसे बड़ा संकट बाबा साहेब के संविधान को बचाने का है, जिसे भाजपा द्वारा ध्वस्त करने की साजिश हो रही है। हमारे नेता नीतीश कुमार ने जब से बिहार की बागडोर संभाली है उन लोगों के आदर्शों और विचारों को सरजमीं पर उतार रहे हैं और बगैर किसी भेदभाव के सभी जाति, वर्ग, धर्म, लिंग और क्षेत्र के विकास में लगे हैं। उन्होंने विकास की ऐसी लकीर बिहार में खींची है जिसकी सराहना आज पुरे देश- दुनिया में हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने सता में आते ही त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगर निकाय के चुनावों में अनुसूचित जाती के लिए 16 प्रतिशत आरक्षण दिया। तमाम योजनाओं में दलित परिवारों, समुदाय एवं टोलों को प्राथमिकता दी। उनकी तमाम उप जातियों के उत्थान की चिंता की। 17 वर्षों के शासन में पुरे बिहार में जातीय हिंसा नहीं होने दी। उन्होंने प्रत्येक दलित टोलों तक बाबा साहेब के विचारों एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किये गए कार्यों को पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि 14 अप्रैल को अनुमंडल स्तर पर बाबा साहेब की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन करने में हम सभी अभी से लग जायें। वहीं 25 फरवरी से हर टोले और गांव में सरकार की योजनाओं एवं बाबा साहेब के सन्देश को पहुंचाने का कार्य करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि दलित विमर्श के तहत वहाँ के जिन बच्चों को नौकरी मिली हो, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिला हो, अच्छे नंबर से पास हों या किसी संस्थान में नामांकन हुआ हो उन्हें या उनके अभिभावक को सम्मानित किया जाए। शराबबंदी के तहत जिस गांव में छापेमारी हो वहां सभी वयस्क लोगों के स्वास्थ्य की जांच करवाकर उसकी जानकारी गांव में दी जाए ताकि उन्हें इसके सेवन से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया जा सके। साथ ही सरकार या पार्टी द्वारा दिए गए मान-सम्मान से उन्हें अवगत कराया जाए। बैठक का संचालन जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने किया। बैठक में महेश्वर हजारी उपाध्यक्ष बिहार विधानसभा, मंत्री अशोक चौधरी व सुनील कुमार, राष्ट्रीय सचिव विधान पार्षद रविन्द्र प्रसाद सिंह, विधान पार्षद संजय गांधी, विधायक अमण भूषण हजारी, पार्टी के प्रवक्ता विधान पार्षद नीरज सिंह, खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री विद्यानंद विकल, पूर्व मंत्री दसई चैधरी, रमेश ऋषिदेव व मुनेश्वर चैधरी, पूर्व विधायक ललन भुईयां, रेणु देवी, श्याम बिहारी राम, अरुण मांझी, अजय पासवान, प्रभुनाथ राम, राजेश राम, पार्टी के वरिष्ठ नेता चंदन कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार, वासुदेव कुशवाहा, हुलेश मांझी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे और अधिकांश ने अपने विचार रखे।

रामचरितमानस भारत की आत्मा, भगवान राम के आदर्श पर देश चलता है : सम्राट चौधरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार विधान परिषद में विपक्ष के नेता सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को राजद और जनता दल यूनाइटेड पर जमकर हमला बोला। उन्होंने रामचरित मानस और भगवान श्री राम पर प्रश्न उठाने वालों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि रामचरित मानस तो देश की आत्मा है। जीते भी है तो भगवान राम की पूजा करते हैं और मरते समय भी हे राम कहते हैं।भाजपा नेता श्री चौधरी ने कहा कि राम तो इस देश के संविधान में हैं और उन्हीं के आदर्श पर देश चलता है। रामचरितमानस देश की आत्मा है और उसपर प्रश्न उठाने वाला पापी है, वह मनुष्य नहीं हो सकता। ऐसे लोग राक्षसरूपी मनुष्य बनकर पृथ्वी पर आया है। पटना प्रदेश कार्यालय में जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में लोगों की समस्या सुनने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि राजद जातिवादी की लड़ाई लड़वाना चाहता है, जातीय उन्माद फैलाना चाहता है, क्योंकि वह जानती है कि ऐसे सत्ता नहीं मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि राजद इसीलिए जाति जाति खेल रही है। श्री चौधरी ने कहा कि राजद पूरी तरह कन्फ्यूज है। वह समझ नहीं पा रही है कि लालू की विचारधारा पर चले कि तेजस्वी यादव की। राजद ऊंची जातियों और समाज को गाली देने का काम पहले भी करती थी, अब भी कर रही। धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा, जातीय गठबंधन बनाने का प्रयास हो रहा। एक प्रश्न के उत्तर में श्री चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद की राजनीति में उत्पति 100 में 90 प्रतिशत शोषित नारे से हुई थी। उन्होंने कहा कि समता पार्टी की स्थापना राजद को हटाने के लिए हुई थी, लेकिन नीतीश फिर से उसे सत्ता तक ले आए, इसलिए भाजपा नीतीश मुक्त बिहार बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। एक आईएएस अधिकारी द्वारा बिहार के अधिकारियों को अपमानित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि नीतीश का इकबाल भले समाप्त हो गया है लेकिन बिहार का इकबाल नहीं समाप्त हुआ है।

केन्द्रीय बजट के विरोध में युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पटना। केन्द्रीय बजट में रोजगार और महंगाई पर केन्द्र सरकार के नाकारात्मक रवैये के खिलाफ शुक्रवार को युवा कांग्रेस ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण का पुतला दहन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पटना महानगर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल पासवान ने किया। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम के बाहर युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने पहले विरोध प्रदर्शन किया फिर वित्त मंत्री का पुतला जलाया। इस अवसर पर उपस्थित युवा कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए पटना महानगर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल पासवान ने कहा कि इस बजट में युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। मोदी सरकार ने शिक्षा और रोजगार के लिए खजाने का दरवाजा बंद कर रखा है। इस अवसर पर बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष खुशबू कुमारी, मनीष, साहिल,चंदन पासवान, धीरज, रोहन राज, आबिद अली, विशाल सिंह के अलावे बड़ी संख्या में युवा कांग्रेसजन उपस्थित थे।

अति पिछड़ों के नेता लालू प्रसाद एवं नीतीश कुमार ही हैं :भाई अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव भाई अरुण कुमार, मनोज यादव एवं जितेंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी एवं उपेंद्र कुशवाहा जो अति पिछड़ा वर्ग के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं उससे अति पिछड़ा वर्ग के लोगों में कोई अंतर आने वाला नहीं है। लालू यादव ने अति पिछड़ों की आवाज दी तथा सत्ता में भागीदारी देने का काम किया। वहीं नीतीश कुमार ने भी अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को सत्ता में हिस्सेदारी दिलाई तथा पंचायत स्तर पर अति पिछड़ों के लिए आरक्षण भी देने का काम किया। जबकि भाजपा ने सिर्फ और सिर्फ जुमलेबाजी के अलावा कुछ नहीं किए। राजद नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अति पिछड़ों के हक और हुकूक को छीनने का काम किया। इतना ही नहीं नौकरियों में अति पिछड़ों को घुमा फिरा कर उनका आरक्षण को लगभग समाप्त कर दिया। राजद नेता ने कहा कि लोकल बॉडी चुनाव में भी अतिपिछड़ा आरक्षण को समाप्त करने की साजिश भाजपा द्वारा रची गई। भारतीय जनता पार्टी बताएं कि उन्होंने अति पिछड़ों के उत्थान के लिए कौन सा काम किया। सिर्फ और सिर्फ कोरी बकवास करने के अलावा भाजपा के लोग एवं उपेंद्र कुशवाहा ने कुछ नहीं किया।

चिराग ने कुशवाहा की मांग का किया समर्थन

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने उपेन्द्र कुशवाहा द्वारा जेडीयू में हिस्से की मांग को जायज ठहराया है। श्री चिराग ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा को बिल्कुल उनका हिस्सा मिलना चाहिए ,क्योंकि मुख्यमंत्री भी अपना हिस्सा तो लेते ही रहे हैं । जो उनका हिस्सा नहीं बनता था उसे मुख्यमंत्री जी ने लेकर अपनी कुर्सी को बचा कर रखा है। श्री चिराग ने जॉर्ज साहब, दिग्विजय सिंह और शरद यादव जी का जिक्र करते हुए कहा कि इन सब के साथ नीतीशजी ने जो बर्ताव किया उसे कोई भूल नहीं सकता। श्री चिराग ने कहा कि जब खुद मुख्यमंत्री जी दूसरों से अपना हिस्सा लेते हैं तो ऐसे जब कोई अपने अधिकार और हिस्से की बात करता है, तो वह जायज ही है। श्री चिराग ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जब मुख्यमंत्री और उनके पार्टी के नेता आपस में हिस्से की रस्साकस्सी में लगे हुए हैं तो ऐसे में बिहार और बिहारियों के हिस्से का क्या। श्री पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी को सत्ताधारी दल होने के नाते बिहार और बिहारियों की चिंता होनी चाहिए थी, लेकिन उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने दी।

शरद यादव का अस्थि कलश आज पहुंचेगा पटना

- 6 फरवरी को मधेपुरा में प्रार्थना सभा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

सामाजिक न्याय के पुरोधा वरिष्ठ समाजवादी नेता मंडल मसिहा स्व . शरद यादव का अस्थि कलश शनिवार यानी आज को सबेरे 9.50 के विमान से पटना हवाई अड्डा पहुंच रहा है जो यात्रा के रूप में 5 फरवरी के शाम को मधेपुरा पहुंचेगा जहां 6 फरवरी को बी पी मंडल स्टेडियम में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि कल 4 फरवरी को सबेरे 9.50 बजे पटना हवाई अड्डा पहुंचेगा। हवाई अड्डे से अस्थि कलश को 10.30 बजे राजद के प्रदेश कार्यालय लाया जाएगा। जहां से उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव एवं पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकताओं की उपस्थिति में अस्थि कलश यात्रा को मधेपुरा के लिए रवाना किया जाएगा। पटना से महात्मा गांधी सेतु , वैशाली एवं मुजफ्फरपुर जिला होते हुए 4 फरवरी की शाम दरभंगा पहुंचेगा। रात्रि विश्राम दरभंगा में करने के बाद 5 फरवरी को 11 बजे पूर्वाह्न गांधी चौक दरभंगा से अस्थि कलश यात्रा शुरू होकर मधुबनी, सुपौल एवं सहरसा जिला होते हुए 6 बजे शाम को मधेपुरा स्थित स्व. शरद यादव जी के आवास पहुंचेगा जहां आम लोगों के दर्शनार्थ रखा जाएगा। 6 फरवरी को 11 बजे दिन में मधेपुरा स्थित बी पी मंडल स्टेडियम में प्रार्थना सभा होगी जिसे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव सम्बोधित करेंगे। राजद प्रवक्ता ने कहा कि यात्रा के दौरान रास्ते में विभिन्न स्थानों पर शरद जी के प्रशंसकों द्वारा अस्थि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी एवं दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी जाएगी। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, अलख निरंजन उर्फ बीनु यादव सहित कई अन्य नेता अस्थि कलश यात्रा के साथ रहेंगे। जबकि पूर्व केन्द्रीय मंत्री देवेन्द्र यादव,बिहार सरकार के मंत्री ललित यादव,डॉ रामानन्द यादव ,प्रो.चन्द्रशेखर , इसराइल मंशूरी, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता भाई बीरेंद्र, विधायक मुकेश कुमार रौशन , निरंजन राय , अमर पासवान, अनिरुद्ध यादव , भारत भूषण मंडल, चन्द्रहास चौपाल सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में यात्रा के दौरान अपने अपने जिलों में शरद जी के अस्थि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

नरेन्द्र मोदी एक मजबूत वैश्विक नेता के रूप में उभरे:पारस

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मॉर्निंग कंसल्ट ग्लोबल एजेंसी के द्वारा जारी सर्वे में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम विश्व में सबसे लोकप्रिय राजनेताओं में शीर्ष पर आने पर राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बधाई दी है। आगे श्री पारस ने कहा कि हम सब भारतवासी गर्व से प्रफुल्लित हैं कि प्रधानमंत्री का नाम विश्व के मानचित्र पर देखने को मिला, आज फकर के साथ कहता हूं कि हमसबों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ काम करने का मौका मिला। नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयास और कठिन मेहनत के कारण जी-20 की अध्यक्षता करने का मौका मिला। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का डंका भारत के साथ-साथ दुनिया में बज रहा है। एक बार फिर पीएम मोदी लोकप्रियता की लिस्ट में आगे हैं। विकासशील देशों के बाइडेन और जॉनसन जैसे बड़े नेताओं को पछाड़ कर प्रधानमंत्री ने दुनिया के लोकप्रिय नेताओं में पहला स्थान हासिल किया है। अपने लोगों के प्रति समर्पण और पड़ोसियों के प्रति सदभाव के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मजबूत वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं उनकी यह छवि दिन-ब-दिन और सशक्त होती जा रही है। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया।

15 फरवरी की रैली व महाधिवेशन की तैयारी को लेकर माले की बैठक

-5 फरवरी से रैली के प्रचार में सड़क पर उतरेंगे पटना के संस्कृतिकर्मी

पटना। भाकपा-माले द्वारा 15 फरवरी को आयोजित लोकतंत्र बचाओ-देश बचाओ रैली तथा 11 वें महाधिवेशन की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। शुक्रवार को छज्जूबाग, आवास संख्या 13 में पार्टी राज्य सचिव कुणाल की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक हुई और तमाम तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में उनके अलावा पोलित ब्यूरो सदस्य कॉ. अमर, शशि यादव, अभ्युदय, रामबलि प्रसाद, रणविजय कुमार, कमलेश शर्मा, प्रकाश कुमार, संतोष झा, समता राय, उमेश सिंह आदि नेतागण उपस्थित थे. रैली व महाधिवेशन की तैयारी में बाहर से भी एक टीम पटना पहुंची है। दिल्ली से राष्ट्रीय सोशल मीडिया टीम के सदस्य अरूण, रणविजय कुमार तथा बंगलोकर से लेखा पटना पहुंच गए हैं और सजावट व सोशल मीडिया द्वारा रैली व महाधिवेशन के प्रचार की कमान संभाल ली है? इस बीच, 5 फरवरी से रैली के प्रचार में पटना की सड़कों पर संस्कृतिकर्मियों का एक जत्था उतरेगा और फासीवाद को मिटाने व लोकतंत्र बचाने के संकल्प के साथ जनता के बीच जाएगा। इस टीम में अनिल अंशुमन, गालिब, पुनीत, राजन सहित अन्य कलाकार शामिल होंगे। माले राज्य सचिव कुणाल ने समीक्षा बैठक के उपरांत कहा कि पटना सहित पूरे बिहार में रैली की तैयारी में हमारे एक-एक पार्टी कार्यकर्ता लग गए हैं। रैली को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। हमारी यह रैली पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी।

विप में सेवानिवृत कर्मियों को दी गई विदाई

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने शुक्रवार को बिहार विधान परिषद स्थित उप भवन के सभागार में प्रभारी उप सचिव कन्हैया प्रसाद, उच्चवर्गीय लिपिक सुधीर कुमार, निम्नवर्गीय लिपिक अनिल कुमार और मोटर चालक रामबेलास राम के सेवा निवृति के पश्चात विदाई दिलाई। सभापति ने कहा कि इनका कार्य परिषद् सचिवालय में काफी संतोषजनक रहा है। साथ हीं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में परिषद् सचिवालय के कार्यकारी सचिव विनोद कुमार, निदेशक कमलेन्दु कुमार सिंह, पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बिहार युवा कांग्रेस ने राहुल गांधी को पीएम बनाने का लिया संकल्प

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार युवा कांग्रेस के प्रथम कार्यकारिणी की बैठक बिहार युवा कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में शुक्रवार को हुई। जिसमें भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष निवास बी वी यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो कार्यक्रम और आगामी 5 जनवरी से बिहार में भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाने की बात कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगे नवनियुक्त प्रदेश के सभी पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी एवं कांग्रेस पार्टी को मजबूती देने और राहुल गांधी को देश के प्रधान मंत्री बनाने को लेकर संकल्प लिया। अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रिय महासचिव तारिक अनवर ने राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा को बिहार में सफल बनाने की बात कहीं एवं युवा कांग्रेस के सभी नव नियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने गुंजन पटेल के कार्यकाल का सराहते हुए नव नियुक्त अध्यक्ष को शुभकमना दिया एवं कहा कि युवाओं को 50 प्रतिशत भागीदारी संगठन से लेकर टिकट तक सुनिश्चित किया जायेगा। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रिय अध्यक्ष निवास बी वी जी, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रिय महासचिव तारिक अनवर,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, युवा कांग्रेस के प्रभारी राजेश कुमार सन्नी,प्रदेश अध्यक्ष गुंजन पटेल, संजीव सिंह, राज कुमार राजन,आशुतोष त्रिपाठी,अमरदीप कुमार सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण शामिल हुए।

व्यवसायिक जनप्रतिनिधि मिलन समारोह कल, डिप्टी सीएम रहेंगे मौजूद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल व्यवसायिक प्रकोष्ठ के तत्वाधान में 05 फरवरी को जन प्रतिनिधि मिलन समारोह का आयोजन राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय प्रांगण में आयोजित किया जायेगा। इस आशय की जानकारी देते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रणविजय साहू ने राज्य भर के विभिन्न जिलों का दौरा कर व्यवसायिक बंधुओं के साथ-साथ जनप्रतिनिधि साथियों को राष्ट्रीय जनता दल और उसकी नीतियों के साथ जोड़ने का अभियान चला रखा है। इसी अभियान के क्रम में पटना में 05 फरवरी को जनप्रतिनिधि मिलन समारोह होगा। जिसमें कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव करेंगे। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, प्रदेश प्रधान महासचिव सह राजस्व एवं भूमि सुधार तथा गन्ना उद्योग मंत्री आलोक कुमार मेहता, उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील सिंह के अलावा अन्य वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पटना महानगर जिला कांग्रेस एवं पटना ग्रामीण जिला अध्यक्ष की हुई बैठक

10 फरवरी के पदयात्रा को लेकर हुई चर्चा

पटना। पटना महानगर जिला कांग्रेस कमिटी के कार्यसमिति की बैठक पटना महानगर जिला कांग्रेस एवं पटना ग्रामीण जिला अध्यक्ष 10 फरवरी के पदयात्रा को लेकर शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता पटना महानगर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष शशि रंजन ने किया। इस बैठक में पटना ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष डा आशुतोष शर्मा एवं सत्येन्द्र बहादुर उपस्थित थे। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि वैशाली से होते हुए हाजीपुर गांधी सेतु पुल से नीचे धुनकी मोड़ के पास ग्रामीण एवं पटना महानगर के अध्यक्ष तथा कुम्हरार विधान सभा कंकड़बाग, पटना साहिब विधान सभा के सभी नेताओं की उपस्थिति अपने कार्यकताओं एवं समर्थकों के साथ उपस्थित रहेंगे। वहां से जिला झंडा का आदान-प्रदान करते हुए अगमकुंआ पुल के नीचे उतरने तुलसीमंडी, गुलजारबाग चैराहा, नवाव बहादुर रोड, नून का चैराहा, कन्या मंदिर, फसाद की मैदान से होते हुए पटना साहिव स्टेशन, मोर्चा रोड, धबलपुरा चैकी के पास स्वागत करते हुए पूरब दरवाजा मारूफगंज तख्त श्री हरमंदिर गुरूद्वारा में दोपहर का विश्राम फिर 3 बजे शाम में शहीद भगत सिंह चैक होते हुए गुरहट्टा, पश्चिम दरवाजा, गायघाट पुल के नीचे आलमगंज, पत्थर की मस्जिद,मुसलहपुर हाट से सीधे गांधी मैदान स्थित गांधी मूर्ति पर समापन किया जायेगा। इस अवसर पर पटना महानगर जिला कांग्रेस प्रभारी मोती लाल शर्मा, अश्विनी कुमार, रामायण प्रसाद यादव, निर्मल वर्मा, पटना नगर के पूर्व अध्यक्ष परवेज अहमद, प्रखंड अध्यक्ष अभय कुमार जायसवाल, शमीम अख्तर, गोपाल कृष्ण, राजेश यादव, दीपक शर्मा, जिला पदाधिकारी राजीव कुमार मेहता, सुदय शर्मा, डा विनोद कुमार अवस्थी, राजेश कुमार सिन्हा, रतनदीप राय, सरदार जगजीत सिंह, सतीश कुमार यादव, फकीरा,सुभाष मेहता, मृणाल अनामय, मनीष गौतम, शरीफ रंगरेज के अलावे बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी में की गई बढ़ोत्तरी : तारकिशोर

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री सह पूर्व वित्त मंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा है कि केंद्रीय बजट पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रतिक्रिया राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित है। उन्होंने कहा कि बजट प्रावधान के अनुसार केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी में की गई बढ़ोत्तरी से बिहार को कुल 1 लाख 7 हजार करोड़ की प्राप्ति होगी जो पिछले साल की तुलना में 25 हजार करोड़ अधिक है। उन्होंने कहा कि ब्याजमुक्त ऋण के तौर पर बिहार को 13 हजार करोड़ का कर्ज मिलेगा जिसे 50 साल में चुकाना होगा। यह राशि पिछले वर्ष की तुलना में 5 हजार करोड़ अधिक है। बजट में देश के आकांक्षी जिलों व प्रखंडों के लिए विशेष प्रावधान किया है, इसका लाभ बिहार के 13 आकांक्षी जिले व 61 आकांक्षी प्रखंडो को मिलेगा। श्री प्रसाद ने कहा कि बजट में पीएम आवास योजना के लिए 79 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे बिहार को 10 हजार करोड़ मिलेंगे। बजट में मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान में से पटना मेट्रो को 4700 करोड़ रुपये मिलेंगे। उसी प्रकार कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि कोर क्षेत्र के बजट में बढ़ोतरी का भरपूर लाभ बिहार को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी शहरी निकायों को (पटना छोड़ कर) 10 हजार करोड़ के अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फण्ड से विशेष सहायता राशि मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन सारे लाभों को राजनीतिक पूर्वाग्रह की वजह से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री नजरअंदाज कर अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे हैं।

श्री श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनन्दन समिति करेगा आयोजन

महाशिरात्रि के अवसर पर राजधानी में 26 स्थानों से निकाली जायेगी शोभा यात्रा

- जी 20 में शामिल देशों में रहने वाले भारतीयों को भी वर्चुअल माध्यम से जोड़ने का होगा प्रयास : संजीव चौरसिया
- 13 फरवरी 251 मंदिरो पर जूम एप्प के माध्यम से वर्चुअल शिव चर्चा का आयोजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर 18 फरवरी को पटना के विभिन्न स्थानों से कुल 26 शोभा यात्राएं निकाली जाएगी। जिसका भव्य अभिनन्दन पटना के खाजपुरा स्थित पौराणिक षिव मंदिर के पास भव्य मंच बनाकर किया जायेगा। इस भव्य महोत्सव महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या एवं गंगा आरती का भी आयोजन होना है। श्री श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनंदन समिति द्वारा निकलने वाली शोभा यात्रा की जानकारी शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान कार्यक्रम के संजयोक सह दीघा विधायक डॉ संजीव चैरसिया ने दी। डॉ चैरसिया ने बताया कि महाशिवरात्रि महोत्सव के पहले 13 फरवरी को एक साथ एक समय पर पटना के विभिन्न 251 मंदिरो पर जूम एप्प के माध्यम से वर्चुअल शिव चर्चा का आयोजन किया जायेगा। इस वर्चुअल शिव चर्चा में सभी मंदिरों के पुजारी के साथ-साथ हजारों की संख्या में शिव भक्त श्रद्धालूगण वर्चुअल शिव चर्चा में जुड़ेगे साथ ही इस बार समिति की ओर से प्रयास किया जा रहा है जी20 में शामिल देशों में रहने वाले भारतीयों को भी वर्चुअल माध्यम से जोड़ा जाय। गौरतबल हो कि इस अभिनंदन समारोह में बिहार के गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहती है और इस वर्ष भी रहेगी। प्रेस वार्ता में समिति द्वारा महाशिवरात्रि का कैलेण्डर एवं हैण्डबील भी रिलीज किया गया जिसका मुख्य थीम बिहार के प्रमुख 10 शिवलिंगों को दशार्ना है। इस प्रेस वार्ता में इस समिति के सचिव, विवेक सिन्हा, कोषाध्यक्ष, प्रभात कुमार सिन्हा, भाजपा मिडिया प्रभारी अशोक भट्ट, संयुक्त सचिव जय प्रकाश, पुनिल के साथ-साथ समिति के अन्य प्रमुख सदस्य भी शामिल हुए।

काशी साहित्य सम्मान से विभूषित किए गए डा अनिल सुलभ,साहित्यकारों ने दी बधाई

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ को काशी हिन्दी सम्मान के सुप्रतिष्ठ अलंकरण से विभूषित किया गया है। यह सम्मान उन्हें शुक्रवार को तीन दिवसीय काशी-वाराणासी साहित्य महोत्सव के उद्घाटन-समारोह में प्रदान किया गया। काशी विशवनाथ मंदिर कोरिडोर स्थित सभागार में आयोजित इस भव्य साहित्य-महोत्सव में, यह सम्मान उन्हें माखनलाल चतुवेर्दी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो के जी सुरेश, इंदिरा गांधी जनजातीय विशविद्यालय, अमरकण्टक के कुलपति प्रो प्रकाशमणि त्रिपाठी,महोत्सव के प्रधान संरक्षक डा रवींद्र किशोर सिन्हा तथा साहित्य सम्मेलन प्रयाग के अध्यक्ष प्रो सूर्यप्रसाद दीक्षित ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। इस अवसर पर अपने उद्गार में डा सुलभ ने साहित्य महोत्सव से इस आशय का एक प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को भेजने का आग्रह किया कि केंद्र सरकार हिन्दी को यथा शीघ्र देश की राष्ट्रभाषा घोषित करे। इस अवसर पर साहित्य महोत्सव के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्य सूत्रधार प्रो राम मोहन पाठक, वरिष्ठ गीतकार पं बुधिनाथ मिश्र, बिहार से पधारे साहित्यकार डा संजय पंकज, प्रो अरुण सज्जन, काशी-विशवनाथ मंदिर के न्यासी पं नागेंद्र पाण्डेय, श्री आर के चौधरी, हीरालाल मिश्र मधुकर, डा जितेंद्र नाथ मिश्र समेत देश भर से आए सैकड़ों मनीषी साहित्यकार उपस्थित थे। इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किए जाने पर बिहार के साहित्यकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए डा सुलभ को बधाई दी ही। बधाई देने वालों में सम्मेलन के प्रधान मंत्री डा शिववंश पाण्डेय, उपाध्यक्ष मृत्युंजय मिश्र करुणेश, डा शंकर प्रसाद, डा अर्चना त्रिपाठी, डा मनोज गोवर्द्धनपुरी, डा आर प्रवेश, चंदा मिश्र, कवि सदानंद प्रसाद, बाँके बिहारी साव, शशि भूषण सिंह, नेहाल कुमार सिंह निर्मल, डा शलिनी पाण्डेय, पूनम आनंद आदि के नाम शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

उपेंद्र कुशवाहा के राजद सुप्रीमो व उनके परिजनों पर दिए बयान की निंदा की गई

गुरुवार को समस्तीपुर प्रखंड के जितवारपुर चौक पर समाजसेवियों की एक बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता प्रमोद कुमार पप्पू तथा संचालन मनोज कुमार राय ने की। विधान पार्षद उपेन्द्र कुशवाहा के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव तथा उनके परिजनों को पिछड़े-दलितों का शोषक कहे जाने पर उनके बयान की निन्दा की गयी। वक्ताओं ने कहा कि लालू प्रसाद यादव गरीबों के मसीहा, सामाजिक न्याय के मजबूत स्तम्भ तथा कौमी एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने वंचित वर्गों को आवाज प्रदान की तथा उनके हक-हकूक के लिए अनवरत संघर्ष किया है। उपेन्द्र कुशवाहा का बयान बेहद आश्चर्यजनक व निंदनीय है। वक्ताओं ने उपेन्द्र कुशवाहा से गठबंधन धर्म का पालन करने तथा विवादित बयान को वापस लेने की मांग की। मौके पर समाजसेवी प्रमोद कुमार पप्पू, ई० राजेश कुमार, ई० रितेश कुमार पंकज, ई० मनोज कुमार, रविन्द्र कुमार रवि, मनोज कुमार राय, जयलाल राय, रवि आनंद, सत्तो राय, केशव कुमार सोनू, रंजीत कुमार रम्भू, मो० आसिफ इकबाल, विजय कुमार राय, डॉ० रामपुकार सिह कुशवाहा, डॉ० अमरजीत कुशवाहा, गगन यादव, मो० अमरोज, गणेश राय तथा संदीप सरकार आदि मौजूद थे।

श्री राधे-कृष्ण मन्दिर से सोने के कान की बाली और नथिया की चोरी, पुलिस कर रही जांच

समस्तीपुर। समस्तीपुर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कन्हैया चौक स्थित श्री राधे-कृष्ण मन्दिर में शुक्रवार की अहले सुबह राधा जी की मूर्ति से सोने की कान की बाली और नथिया की चोरी कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना शुक्रवार के चार बजे सुबह की बतायी जा रही है। सुबह में घटना की जानकारी होने के बाद पुजारी और स्थानीय लोगों के द्वारा पुलिस को दी गयी। सूचना उपरांत पहुंची पुलिस के द्वारा घटना की जांच की जा रही थी। बताया जाता है कि घटना मंदिर के सामने सड़क के उस पार एक खम्भे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। सूत्रों के अनुसार चोर एक महिला बतायी जा रही है।

प्रथम प्रयास में ही सीए फाउंडेशन में सफल होने पर मिल रही शुभकामनाएं

विभूतिपुर, समस्तीपुर। बीते वर्ष 2022 में इंटरमीडिएट परीक्षा में 450 अंक लाकर जिले में नाम रौशन करने वाले छात्र पंडित टोल टभका निवासी उमेश ठाकुर एवं शिक्षिका रंजू कुमारी के पुत्र आदित्य आनंद पहले ही प्रयास में सीए फाउंडेशन में पास हुआ। उनके सफलता पर खुश होकर प्रो अनिल कुमार गुप्ता, सुधीर कुमार चौधरी, शिक्षक उत्सव जयसवाल, मनीष, केशव, मोहम्मद सुलेमान, विवेक दत्त, चंद्रमणि सिंह, गुरुदेव पटेल, तनीषा, नेहा, सिद्दीका, सुरुचि, स्वर्णा, जिगर, अंकित जयसवाल, राजकमल, मिथिलेश आदि ने शुभकामनाए देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

केंद्रीय टीम ने कल्याणपुर प्रखंड पहुंचकर की योजनाओं की जांच

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड के चार पंचायत का ग्रामीण विकास विभाग की केंद्रीय टीम ने विभिन्न योजनाओं का जांच किया। जिसमें केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत को जांच पड़ताल कर देखा। मौके पर बीडीओ व मनरेगा पदाधिकारी भी साथ में उपस्थित रहे। वहीं गोपालपुर पंचायत में बन रहे कचरा भवन का निरीक्षण किया, वहीं सिमरिया भिंडी कल्याणपुर पंचायत सहित दर्जनभर पंचायतों का दौरा कर मनरेगा से चल रही कार्यों का विस्तृत ब्यौरा लिया। इंदिरा आवास निर्माण में चल रहे कार्य की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। वहीं जीविका द्वारा महिला समूह द्वारा ग्रामीण महिलाओं के उत्थान के बारे में जानकारी लेते हुए स्थल का निरीक्षण भी किया। हालांकि पूछे जाने पर केंद्रीय टीम द्वारा इस जांच को पूरी तरह गोपनीय बताते हुए कुछ भी बताने से इनकार किया। वहीं मनरेगा पीओ एव बीडीओ ने बताया, कि केंद्रीय टीम द्वारा जिन चीजों की मांग की गई है। वह प्रखंड द्वारा उसे उपलब्ध करा दिया गया है। जिसके आधार पर जांच प्रतिवेदन के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

बोलेरो की हुई चोरी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के परतापुर गांव से गुरुवार की देर रात दरवाजे पर से अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में गृहस्वामी परतापुर गांव निवासी सत्तो झा का बताना है कि प्रत्येक दिन की भांति वह अपना बोलेरो दरवाजे पर खड़ी कर सोने चले गए। जब अहले सुबह जब नींद खुली तो दरवाजे पर बोलेरो नहीं देख कर होश उड़ गया। जिसके बाद बोलेरो की बहुत खोजबीन की कोई अता-पता नहीं चलने पर संबंधित थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की गुहार लगायी है। वहीं थानाधयक्ष का बताना है, कि पीड़ित द्वारा आवेदन दिए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने किया 1.57 करोड़ की लागत से निर्मित विभिन्न सड़कों का उद्घाटन

कहा- भेदभाव रहित सभी तबके के विकास के लिए संकल्पित हूं, समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र विकास के रास्ते पर है अग्रसर

- इस मौके पर उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र की जनता के लिए उनके सुख-दुख में हमेशा खड़ा रहा हूं।
- समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र को सुन्दर बनाने के और विकास के रास्ते पर अग्रसर है।

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर के स्थानीय विधायक व बिहार विधानसभा के उप मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने शुक्रवार को समस्तीपुर विधानसभा के अंतर्गत लगभग 01.57 करोड़ रुपये की लागत से ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा निर्मित विभिन्न सड़कों का उद्घाटन किया। जिसमें प्रमुख रूप से समस्तीपुर प्रखंड के गरुआरा से सिलौत तक लगभग 57 लाख की लागत से निर्मित 04 किलोमीटर सड़क, रामकृष्णपुर से चकअशरफ तक लगभग 25 लाख की लागत से निर्मित 01 किलोमीटर सड़क, रामकृष्णपुर से विशनपुर तक लगभग 23 लाख की लागत से निर्मित 0.75 किलोमीटर सड़क तथा मुकुंदपुर से बाघी तक लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित 0.7 किलोमीटर सड़क शामिल है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक सह बिहार विधानसभा के उप मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि किसी भी जगह के विकास के लिए सड़कों का होना अति आवश्यक है। सड़कों के बिना आज का जीवन बड़ा कठिन है और यही कारण है कि समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र में नये-नये सड़कों के शिलान्यास व उद्घाटन हो रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपने बारह वर्षों के कार्यकाल का लेखा-जोखा पेश किया। साथ ही अपनी उपलब्धियां भी गिनाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र की जनता के लिए उनके सुख-दुख में हमेशा खड़ा रहा हूं। क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर लोगों को कई योजनाओं की सौगात दिया गया है। पूरे कार्यकाल में ईमानदारी पूर्वक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया हूं। विगत 12 वर्षों में शांति, सद्भाव व भाईचारे के साथ-साथ समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र का विकास तीव्र गति से हुआ है। यदि कुछ अधूरा काम रह गया है वह आने वाले तीन सालों में पूरा हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेरा हर पल समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र को सुन्दर बनाने के लिए है। समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र विकास के रास्ते पर अग्रसर है। शुरू से हमारा राजनीतिक लक्ष्य जनता की सेवा है। भेदभाव रहित सभी तबके का विकास हमारा संकल्प है। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता जिला राजद सचिव राकेश यादव, संचालन जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुरेश राय ने किया। मौके पर जिला राजद उपाध्यक्ष मो० अरमान सदरी, जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला पार्षद धर्मेन्द्र कुमार, मुखिया संजीत पासवान, जिला राजद सचिव राकेश यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुरेश राय, पैक्स अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश उर्फ ज्ञानी झा, पंचायत समिति सदस्य पवन राय, जिला राजद नेता राकेश कुशवाहा, मो० फैयाज अहमद, अरुण कुशवाहा, अशोक साह, बौएलाल महतो, रंजीत कुमार रम्भू, मो० अरमान, मो० आफताब अहमद उर्फ लूडो, सैयद फैसल आलम मन्नू, मो० हीरा, जितेन्द्र कुशवाहा उर्फ जित्तू, पंचायत समिति सदस्य मो० तौकीर, मो० बॉबी, मो० नकीब, शंकर यादव, अंकित वर्धन, हरेकृष्ण सहनी, अजय पासवान, मजनू पासवान, राजेन्द्र पासवान, रमन कुमार, शाहिद परवेज सहित सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद थे।

सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के नोडल ऑफिसर ने किया पोलिटेकनिक कॉलेज का निरीक्षण

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के किशनपुर टभका अवस्थित कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पोलिटेकनिक संस्थान का निरीक्षण भारतीय प्राद्योगिकी संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्राध्यापक सह सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के 3डी प्रिंटिंग विषय के नोडल पदाधिकारी डॉ० पीके तिवारी द्वारा किया गया। विदित हो कि कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पोलिटेकनिक, समस्तीपुर संस्थान को बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी योजना सात निश्चय पार्ट-2 के तहत सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के 3डी प्रिंटिंग विषय के लिए हब बनाया गया है। इस संस्थान से तीन संस्थान राजकीय पोलिटेकनिक बरौनी, राजकीय पोलिटेकनिक वैशाली एवं राजकीय पोलिटेकनिक खगड़िया को स्पॉक के रूप में जोड़ा गया है। राजकीय पोलिटेकनिक समस्तीपुर का हब के रूप में चयन किया जाना गौरव की बात है। इसकी चर्चा आस-पास के गाँवों में खूब हो रही है। ज्ञात हो कि यह संस्थान प्लेसमेंट के क्षेत्र में पूरे बिहार में अव्वल स्थान रखता है। डॉ० तिवारी द्वारा 3डी प्रिंटिंग के प्रयोगशाला संबंधी उचित दिशा-निर्देश दिया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ० असीम कुमार ठाकुर, संस्थान के सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के नोडल ऑफिसर प्रो० आफताब अंजुम, प्रो० न्यूटन कुमार सिंह, प्रो० जयराम कुमार, डॉ० मो० कैंसर हाशमी, डॉ० कृष्ण कुमार एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

ट्रक में वॉल पुट्टी के बोरी के नीचे छिपाकर रखा हुआ था 413 कार्टन विदेशी शराब, दुमका का बताया जा रहा है सरगना

मद्य निषेध पटना और मुफ्फसिल की संयुक्त कार्रवाई में 20 लाख का शराब बरामद, दो गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के केवस निजामत गांव के पास से गुरुवार की रात मद्य निषेध पटना और मुफ्फसिल पुलिस के द्वारा की गई संयुक्त छापेमारी में वॉल पुट्टी से लदे ट्रक से करीब 20 लाख रुपए का 413 कार्टन विदेशी शराब बरामद किया है।

मौके से एक कारोबारी और एक ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि ट्रक झारखंड के दुमका से शराब की डिलीवरी देने के लिए समस्तीपुर पहुंचा था। यह कार्रवाई मद्य निषेध पटना की टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर मुफ्फसिल पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में अंजाम दिया। गिरफ्तार की पहचान झारखंड राज्य के गोड्डा जिले के जाकुण्डर गांव थाना देवदार निवासी आजाद अंसारी के पुत्र सुफियान अंसारी उर्फ शमशेर अहमद और कारोबारी उजियारपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर देसुआ गांव निवासी रामबली राय के पुत्र मुकेश कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मुफ्फसिल पुलिस को सुबह सूचना मिली कि दलसिंहसराय की ओर से वॉल पुट्टी लोडेड ट्रक पर शराब आ रही है, जिसकी डिलीवरी उजियारपुर के एक युवक ने लिया है और उसे केवस निजामत स्थित चौर में अनलोड करने के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस की टीम ने बिशनपुर और हकीमाबाद रोड में ट्रक की तलाशी ली तो ट्रक पर विदेशी शराब मिली। जिसके बाद ट्रक में सवार चालक और कारोबारी को गिरफ्तार कर मुफ्फसिल थाने ले जाया गया। वहीं इस मामले में मद्य निषेध की तीन सदस्यीय टीम ने बारी-बारी से दोनों से पूछताछ की गयी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य सरगना झारखंड राज्य के दुमका निवासी ने ट्रक चालक को ये बोलकर समस्तीपुर भेजा था कि ट्रक पर वालपुट्टी है इसे बिहार के समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र में अनलोड करना है। मुफ्फसिल पुलिस आगे की कार्रवाई करते हुए मेडिकल जांच के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया में जुटी हुई थी।

अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ स्वच्छता अभियान का शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखण्ड के नरघोघी स्थित गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज समस्तीपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना व उड़ान-आर्ट्स एंड कल्चरल क्लब के सोशल अवार्नेस सोसाइटी के द्वारा शुक्रवार को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ राजकिशोर तुगनायत ने इस स्वच्छता अभियान का शुरूआत किया। साथ ही अपने छात्रों को साफ-सफाई को लेकर मोटिवेट किते। उन्होंने बताया कि अगर आपको स्वस्थ रहना हैं तो आपको खुद के अलावा आपको अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखना होगा। तभी आप पूर्ण रूप से स्वस्थ और बिमारीमुक्त रह सकते हैं। अच्छे छात्र तभी बन सकते है, जब आप स्वच्छ रहेंगे। वहीं अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ बना कर रखेंगे। उन्होंने ये भी बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ विचार उत्पन्न होता हैं। इसलिए हमें अच्छे अभियंता बनने के लिए हमारे विचार स्वच्छ रखना होगा। मौके पर सभी छात्र-छात्राएं शामिल थे।

मनरेगा योजना के वेंडरों के साथ सेल टैक्स डिपार्टमेंट की बैठक आयोजित, बकाया कर के भुगतान का निर्देश

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर समाहरणालय स्थित डीआरडीए के सभागार में शुक्रवार को राज्य के संयुक्त आयुक्त समस्तीपुर अंचल समस्तीपुर के अध्यक्षता में मनरेगा योजना के अंतर्गत जिले के सभी ईट भट्ठा संचालकों व अन्य वेंडरों के साथ बैठक की गई। बैठक में बताया गया कि ऐसे वेंडर जिन्होंने योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2021-22 में भुगतान प्राप्त के पश्चात भी कर का भुगतान नहीं किया अथवा कम किया है उन्हें विभागीय नोटिस निर्गत कर जवाब देते हुए तो ससमय अपने टैक्स का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। नोटिस का जवाब नहीं देने और टैक्स का भुगतान नहीं करने की दिशा में विभाग के द्वारा कार्रवाई करने की बात कही गई है। बैठक में राज्य कर सहायक आयुक्त मुनेश्वर प्रसाद, आबिद सुबहानी एवं सिंकेश कुमार ने जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत विधिक कार्रवाई से संबंधित अपनी बातों को विस्तार पूर्वक मनरेगा के वेंडरों के समक्ष रखा।

पंचायत स्तरीय विशेष शिविर में 122 मामले का हुआ निपटारा

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के गंगापुर पंचायत सरकार भवन पर शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय सभी जनसमस्याओं का समाधान के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी नीतू प्रियदर्शनी गुप्ता के नेतृत्व में लगे शिविर में प्रखंड स्तरीय सभी विभागों से जुड़े 122 मामले का निपटारा किया गया। इनमें राशन कार्ड से संबंधित 22 मामले, आयुष्मान कार्ड से 66, विद्युत विभाग से 03, मनरेगा से 02 शौचालय से 01, राजस्व से 06, पीएचइडी से 01, प्रधानमंत्री आवास योजना से 19, सामाजिक सुरक्षा पेंशन से 01, बालविकास से 01 समस्या का निराकरण किया गया। मौके पर मुखिया विजय कुमार राय, सरपंच राजेश प्रसाद सिंह, बीडीओ नीतू प्रियदर्शनी गुप्ता, सीडीपीओ रश्मि शिखा, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सबिता कुमारी, जिला कार्यक्रम समन्वयक आयुष्मान भारत कंचन माला, प्रदीप कुमार राय, भरत पासवान समेत सभी विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

एम्स पटना में गर्भाशय ग्रीवा की रोकथाम व जागरुकता पर गोष्ठी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एम्स पटना के सभागार में शुक्रवार को को पैथोलॉजी विभाग द्वारा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रसूति विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेजीडेंट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गोष्ठी की औपचारिक शुरूआत एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो डॉ गोपाल कृष्णा पाल के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इसमें कार्यकारी उप निदेशक डॉ अरुण प्रसाद, अधिष्ठाता डॉ उमेश कुमार भदानी, कार्यकारी अधीक्षक डॉ संजीव कुमार, पैथोलॉजी विभाग्याध्यक्ष डॉ पूनम प्रसाद भदानी, प्रसूतिरोग विभाग्याध्यक्ष डॉ हिमाली हैदी सिन्हा और डॉ रुचि सिन्हा शामिल रहे। गोष्ठी में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिये गये। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के भारत में फैलाव पर डॉ पूनम भदानी, सर्वाइकल कैंसर के अद्यतन जांच पर डॉ श्रीकांत भारती, इसके रोकथाम व इलाज से जुड़ी जानकारी पर डॉ इंदिरा प्रसाद और कोशिकाओं में होने वाले बदलावों के बारे में डॉ तरुण कुमार ने व्याख्यान दिया। इस गोष्ठी में सर्विक्स के खास जांच पैप स्मीयर और साथ ही ह्यूमन पेपीलोमा वायरस की जाँच ज्यादा से ज्यादा करने पर जोर दिया गया। इन जांचों को 25 साल से लेकर 65 साल तक की महिला में कराना आवश्यक बताया गया जिस से की सर्वाइकल कैंसर को शुरूआत में ही पकड़ा जा सके। कार्यक्रम का समापन डॉ सुरभि के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में द सिटी दैट स्पोक टू मी फिल्म का प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में साउथ एशिया वुमेन फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन का उद्घाटन चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति पूर्व न्यायधीश मृदुला मिश्रा द्वारा किया गया स्वागत संबोधन एसोसिएट प्रो प्रियदर्शनी ने किया। कुलपति पूर्व न्यायधीश मृदुला मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि कला एवं साहित्य मानव सभ्यता के विकास का एक प्रमाणिक दस्तावेज है और यह आम जन जीवन को ही प्रतिबिंबित करता है। विश्वविद्यालय में इस प्रकार का आयोजन से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा इसमें कोई संदेह नहीं है चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रारमनोरंजन प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की यह पहल काफी सराहनीय है और ऐसे प्रयास निरंतर होने चाहिए। उद्घाटन सत्र में प्रख्यात कलाकार प्रेमलता मिश्र एवं साउथ ईस्ट एशिया फिल्म सोसाइटी के आलोक अधिकारी ने भी अपने विचार रखे धन्यवाद ज्ञापन कला संस्कृति युवा विभाग के निदेशक विरेन्द्र कुमार ने किया। फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में लगभग 200 छात्र-छात्राओं के बीच दिव्यांगो पर केन्द्रित निर्देशक निहारिका पोपली की फिल्म द सिटी दैट स्पोक टू मी का प्रदर्शन किया गया। इस संवेदनशील विषय पर निर्मित फिल्म को सबने काफी ध्यान से देखा तथा ऐसे लोगो पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता को भी महसूस कियो फिल्म समापन के उपरांत इस फिल्म एवं इसके सन्देश पर छात्र झछात्राओं के साथ प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। कल इसी परिसर में फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन कुल 2 फिल्मो का प्रदर्शन किया जायेगा।

कल्याणपुर में रालोजपा के सदस्यता अभियान कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

- बड़ी संख्या में लोगों ने ग्रहण की सदस्यता

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर प्रखंड में सोरमार पंचायत में डरोरी बुनियादी विद्यालय के प्रांगण में शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के सदस्यता अभियान का शुभारंभ राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बिरजेश्वर सिंह, सदस्यता अभियान के संयोजक रंजीत पासवान, अति पिछड़ा के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत कुमार, प्रदेश सचिव पूर्व प्रमुख रविता तिवारी, जिलाध्यक्ष विनय चौधरी एवं जिला प्रधान महासचिव नीरज भारद्वाज के द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मनोज ठाकुर एवं संचालन जिला सचिव चन्दन कुमार ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदस्यता अभियान समिति के अध्यक्ष बिरजेश्वर सिंह ने कहा कि रालोजपा संगठन के आज बड़ी संख्या में लोगों ने सदस्यता ग्रहण किया है।

इसका मुख्य कारण रालोजपा की विचारधारा, पार्टी के स्थापनकर्ता राष्ट्र के नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान के द्वारा दलित, शोषितों, पीड़ितों व मजदूरों के अधिकार के लिए सदैव सदन से लेकर सड़क तक संघर्ष करते हुए समाज उनलोगों को विकास के मुख्यधारा में जोड़ने कार्य किया।

रालोजपा जिलाध्यक्ष विनय चौधरी ने कहा कि पार्टी के स्थापनकर्ता स्वर्गीय रामविलास पासवान के पदचिन्हों पर चलकर रालोजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद प्रिंस राज दलित, शोषितों, किसानों, मजदूरों, छात्रों, गरीबों और महिलाओं की आवाज बनकर उनके अधिकारों के लिए सदैव जनहित में सड़क से लेकर सदन आवाज उठा रहे हैं। उसी का प्रतिफल है कि आज कल्याणपुर प्रखंड में बड़ी संख्या में लोग रालोजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। मौके पर सदस्यता अभियान कार्यक्रम में समस्तीपुर नगर निगम वार्ड सदस्य रालोजपा के प्रदेश आईटी से उपाध्यक्ष अभिषेक साह, महिला नेत्री रिता देवी, युवा जिलाध्यक्ष शेखर पांडे, छात्र राष्ट्रीय महासचिव ऋषि सिंह, प्रदेश पंचायतीराज के उपाध्यक्ष राजेश झा, जिला उपाध्यक्ष जीवक्ष पासवान, सुशांत झा, राजेश्वर कुशवाहा, सुरेश महतो, सतीश सिंह, संतोष राय, सिकन्दर राय, बैजनाथ पासवान, कौशल किशोर पांडे, सुनीता देवी, अमरजीत ठाकुर सहित कई रालोजपा पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं रंजीत चौधरी, सरोज महतो, अरुण राम, मनोज दास, बिक्रम ठाकुर, श्रवण राम, अवधेश चौधरी, मो० समशुल, सुनील ठाकुर, सतीश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में लोगों ने रालोजपा का सदस्यता ग्रहण किया।

संक्षिप्त खबरें

सड़क के दोनो किनारे अवैध कब्जा को जेसीबी के माध्यम से खाली कराया गया

मधुबनी/मधवापुर। मधवापुर साहरघाट थाना क्षेत्र के खटखटी चौक से मधवापुर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क जिला टोल स्थित सड़क के दोनो किनारे अवैध कब्जा को जेसीबी के माध्यम से खाली कराया गया। खाली कराने के दौरान दंडाधिकारी सह अंचलाधिकारी रामकुमार पासवान के निर्देश पर सभी अतिक्रमण को खाली कराया गया। जानकारी देते हुए सीओ पासवान ने कहा कि जिलाधिकारी के आदेशानुसार आज अस्थाई सभी अतिक्रमण को खाली कराया गया है। सड़क किनारे जो लोग पुआल का ढेर और बांस बल्ला को हराया गया है। ताकि राहगीर और वाहनों को आवागमन करने में सहूलियत हो। मौके पर पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता अरुण कुमार, सहायक अभियंता एसके मिश्रा, कनीय अभियंता विश्वपाल, मधवापुर थानाध्यक्ष राजकुमार मंडल, साहरघाट थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, सीआई बसंत झा समेत अधिकारी और पुलिस बल मौजूद थे।

मृतक के परिजन से मिलकर दिया संत्वना व सहायता राशि:मुखिया

करपी। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र स्थिति शहर तेलपा ओ.पी अंतर्गत ग्राम बम्भई गांव निवासी राजाराम साव के पत्नी शांति देवी की आकस्मिक निधन , इस दौरान बम्भई पंचायत के मुखिया मंटू कुमार के जानकारी मिलते ही शोकाकुल परिवार से मिलकर ढाढस बंधाया और सहायता राशि दिया, मुखिया ने पीड़ित परिवार को भरपूर सहयोग हर संभव मदद करने का आश्वासन भरोसा दिया, उन्होंने दुख जताया और शोक संवेदना प्रकट की, आगे कहा कि पीड़ित परिवार के साथ हमारी संवेदना है ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

अरवल में रग्बी फुटबॉल खिलाड़ियों के सामान में निकाला गया शोभयात्रा

अरवल। जिला मुख्यालय स्थित गांधी मैदान से लेकर जिला अधिकारी के आवास तक खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों के साथ जश्न खुशी एवं उत्सव मनाते हुए डीजे के साथ दिखाई दिए,इस मौके पर उपस्थित रहे अरवल जिला कोच रमता वर्मा जिला सचिव कृष्ण कुमार जिला कोषाध्यक्ष संतोष सिंह ने खिलाड़ियों के उत्साह बढ़ाते हुए बधाई दिया, वहीं जिन खिलाड़ियों के सम्मान में शोभायात्रा निकाला गया उनका नाम है कुछ इस प्रकार से है (1) कृष्णा कुमार जिनका गोल्ड मेडल पेनचक सिलाट के गोल्ड मेडलिस्ट है जिन का मैच उड़ीसा में किया गया (2) कोमल कुमारी जिनका मैच भुवनेश्वर में हुआ है (3) दिव्यांशु भारती जिनका मैच हैदराबाद में हुआ है (4) खुशी कुमारी जो महाराष्ट्र में सिलवर मेडल प्राप्त की है(5) अंजली कुमारी जिनका मैच गुजरात में हुआ है, इस मौके पर उपस्थित सारे खिलाड़ियों को हर्ष उल्लास डांस करते हुए खुशी मनाते हुए देखा गया।

शराब को लेकर होटलों में की गई छापेमारी

असरगंज। थाना क्षेत्र में संचालित विभिन्न होटलों एवं ढाबा पर असरगंज थाना पुलिस के द्वारा महुआ शराब को लेकर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस छापेमारी अभियान के क्रम में किसी भी होटल से शराब बरामद नहीं हो पाया। असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि महुआ शराब को लेकर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जिससे शराब पीने व बेचने वालों में हड़कंप मच गया है।

केन्द्र का आम बजट बेरोजगार पैदा करने वाला

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) राजद नगर अध्यक्ष पंकज कुमार यादव ने आम बजट को बेरोजगारी पैदा करने वाला बताया है। उन्होंने ने कहा-केंद्र का बिहार विरोध पूरी तरह खुले में आ गया। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज मिलने की उम्मीद थी। मगर मायूसी हाथ लगी। पूर्व प्रखंड अध्यक्ष योगेश्वर गोस्वामी ने कहा कि बजट, सपनों का सौदागर है। इसमें बेरोजगारी व महंगाई पर चर्चा तक नहीं है। बजट के जरिए जनता को सिर्फ सब्जबाग दिखाया गया है। वरिष्ठ राजद नेता सदानंद यादव और मो० रऊफ ने बजट को गरीब विरोधी व खासकर बिहार के लिए पूर्णतया निराशाजनक बताया। उनके अनुसार, बिहार को विशेष पैकेज मिलने की पूरी संभावना थी। लेकिन निराशा ही हाथ लगी। केंद्र सरकार का दावा है कि प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई, लेकिन किसकी आय दोगुनी हुई।

दिसंबर एवं जनवरी माह में अभियान चलाकर 862.78 एकड़ में फैले अफीम की खेती को किया गया नष्ट

वन विभाग तथा उत्पाद विभाग के संयुक्त टीम द्वारा की जा रही छापेमारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया जिले में अफीम, गांजा एव अन्य मादक पदार्थों का अवैध उत्पादन पर रोकथाम एवं विनष्टीकरण से संबंधित समीक्षा जिला पदाधिकारी के स्तर से लगातार की जा रही है, जिसके परिणाम यह है कि *दिसंबर एवं जनवरी माह में कुल 862.78 एकड़ से अधिक* भूमि पर अफीम के फसल को विनष्ट करने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि वन विभाग तथा उत्पाद विभाग के संयुक्त टीम द्वारा छापेमारी की जाती है तथा अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा इसकी निरंतर मॉनिटरिंग की जाती है।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि शेरघाटी अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत बाराचट्टी एवं डुमरिया के विभिन्न क्षेत्रों में यह कार्रवाई की गई है। अफीम की खेती को विनष्ट हेतु भीषण जंगल में जाकर के यह अभियान चलाया जाता है। इसमें एसएसबी के जवान भी रहते हैं। संबंधित थाना प्रभारी भी रहते हैं। इस बार एक्साइज विभाग के सहायक आयुक्त उत्पाद श्री प्रेम प्रकाश को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। उत्पाद विभाग एवं वन विभाग के संयुक्त नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। और आगे यह कार्रवाई फरवरी माह के अंतिम तिथि तक प्रभावी रूप से चलाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिले में अफीम की खेती पर रोकथाम लगाने एवं आवाजाही पर रोकथाम के लोगों को जागरूक किया जा रहा है, साथ साथ संबंधित माफिया नेटवर्क को समाप्त करने हेतु प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि गया जिले के बाराचट्टी, बांकेबाजार, डुमरिया एवं अन्य स्थानों पर अफीम की खेती को बंद करने एवं इसके स्थान पर लेमनग्रास की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। लेमनग्रास की खेती करने हेतु किसानों/लोगों को जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बाराचट्टी, बांकेबाजार में लेमनग्रास की अच्छी खेती की जा रही है। डोभी एवं बाकेबाजार प्रखंड में भी कई एकड़ो में लेमनग्रास की खेती की जा रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों एवं अन्य लोगों को अफीम की खेती छोड़ने एवं लेमनग्रास की खेती करने हेतु प्रेरित एवं जागरूक किया जा रहा है। साथ ही वन उत्पादित पदार्थों से रोजगार प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं।

जनवरी माह में कुल 542.5 एकड़ भूमि में अफीम के फसल को नष्ट किया गया है, जिनमें विराज गांव में 48.8 एकड़, जरी आहार गांव में 20 एकड़, बारह गांव में 57.3 एकड़,महुलनिया गांव में 83.2 एकड़, फलगुनिया गांव में 11.1 एकड़, छोटकी चापी गांव में 57.8 एकड़, बड़की चापि में 48.1 एकड़, नविगढ़ गांव में 34.5 एकड़, नकटिया गांव में 28.4 एकड़, बंगवतरी गांव में 34.3 एकड़, नावाडीह 20.2 एकड़, मलोटरी 22.1 एकड़, पोखरिया 25.1 एकड़, कईया 20.1 एकड़ एवं बेला गांव में 31.5 एकड़ क्षेत्र में अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। इसी प्रकार *दिसंबर माह में कुल 320.28 एकड़ भूमि में फैले अफीम के फसल को नष्ट किया गया है।

माघ शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ जी की निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। माघ शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर शुक्रवार को शहर के रमना स्थित दिगंबर जैन मंदिर से पूरे गाजे-बाजे एवं ढोल-नगाड़े के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में जैन समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।ज्ञातव्य हो कि प्रति वर्ष श्री 1008 भगवान पार्श्वनाथ जी की 5 दिनों तक पूजा-अर्चना के बाद अंतिम दिन शोभायात्रा निकल जाती है। इस 5 दिनों में जैन समाज के लोग शक्तिनुसार व्रत,उपवास, पूजन-भक्ति आदि कर भगवान पार्श्वनाथ जी की पूजा अभ्यर्थना में लीन रहते हैं। समाज के बने दो इंद्रो ने पांडूशिला पर भगवान श्री 1008 पार्श्वनाथ जी को विराजमान करा कर शोभा यात्रा रमना रोड, बजाजा रोड, ला रोड, शहीद रोड, टावर चौक, केपी रोड,जीबी रोड,हेड पोस्ट ऑफिस, कोइरी वारी,नादरगंज नवागढ़ी होते हुए बहूआर चौरा स्थित जैन मंदिर पहुंची। रथ को खींचने वाले भक्तों में काफी उत्साह नजर आया। बहूआर चौरा जैन मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा पवित्र जल से पार्श्वनाथ भगवान की विशेष पूजा अर्चना कर मंत्रोच्चारण पूर्वक महा मस्ताभिषेक किया गया। श्रीजी विधान के मंत्र गूंज उठे।शोभा यात्रा में पारंपरिक परिधानों से युक्त होकर जैन समाज की महिलाएं जयकारे लगा रहे थे। पशु हत्या बंद करो, जियो और जीने दो सहित कई तरह के संदेश की तख्तियां लिए पूरे उत्साह के साथ चल रहे थे। पूरा इलाका भगवान पार्श्वनाथ के जयघोष से गूंजता रहा। शहर का माहौल धर्ममय हो गया।मौके पर समाज के मीडिया प्रभारी मुन्ना सरकार ने बताया कि रमना जैन मंदिर में बीते 5 दिनों तक भगवान पार्श्वनाथ जी का महा मस्ताभिषेक, शांतिधारा का पाठ और कई तरह के धार्मिक कृत्य संपन्न हुए। इसके साथ ही जैन समाज की वार्षिकी पूजा का समापन हो गया। शोभा यात्रा में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अजीत छाबड़ा, सह मंत्री अर्पित पाटनी, मोनिका अजमेरा,मंजू सेठी, नीलम बड़जात्या सहित समाज के कई लोग उपस्थित थे।

लोगों के विश्वास पर खड़ा उतरना हर संभव मेरा प्रयास : विधायक

मधुबनी खजौली। खजौली प्रखंड क्षेत्र के दतुआर पंचायत के वार्ड 9में राम जानकी मंदिर परिसर स्थित बिहार सरकार योजना एवं विकास विभाग मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधायक कोस से दश लाख छियानवे हजार सात सौ चौष्ठ रुपया से नव निर्मित लक्ष्मीनियां सरकारी पोखर में स्नान घाट को स्थानीय विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने विधिवत रूप से उदघाटन किया । इस दौरान स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि ग्रामीण सामाजिक कार्यकताओं ने विधायक को पाग दुपट्टा से स्मानित कर हर्ष व्यक्त किया।इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक अरुण प्रसाद ने कहा कि वह जनता के द्वारा चुना हुआ जनसेवक है । लोगों की विश्वास पर खरा उतरने की हर संभव हमेशा प्रयासरत रहना ही उनका मूल उदेश है। दतुआर गांव के इस राम जानकी मंदिर परिसर स्थित इस पोखर में स्नान घाट की निर्माण होने से यहां के लोगों को खासे सुविधा होगी।वही इस दौरान दतुआर के पंचायत समिति सदस्य श्रीनाथ नागमनी के अगुआई में दर्जनों ग्रामीण ने दतुआर के महामाया स्थान के परिसर स्थित एक विद्युत शव दाह गृह मुक्तिदाम की आग्रह के साथ मांग किया।इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मोहन चौधरी भाजपा नेता संभू नाथ ठाकुर हरिश्चंद्र शर्मा कुंदन सिंह सुमित कुमार सिंह पूर्व पंसस अनिल सेन राम विनय सिंह मुकेश सिंह मुखिया बबलू महतो सरपंच गणेश ठाकुर वार्ड सदस्य सोनू कुमार सिंह विवेक सिंह गुटलू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रबंध समिति बैठक में मरम्मती का कार्य जल्द करने का निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। मधुबनी ज़िला खजौली शुक्रवार को स्थानीय बिलट सिंह बालिका +2 उच्च विद्यालय स्थित प्रभारी प्रधानाध्यापक कार्यालय प्रकोष्ठ के सभागार में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने किया।

इस दौरान गत बैठक की संपुष्टि के बाद बैठक के दौरान विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक अबरार अहमद के अनुरोध पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों के द्वारा विद्यालय की जर्जर भवन की निरीक्षण के बाद निर्णाय लिया गया की विद्यालय के कुछ भवन में सामान्य रूप से मरम्मत वाले भवन को दैनिक मजदूर को बुलाकर मामूली रूप से मरम्मत के साथ रंग रोगन के साथ वही वर्ग दशम की वर्ग कक्ष पूर्ण रूप से जर्जर हो जाने के कारण किसी सक्षम संवेदक को बुलाकर कार्य जल्द से जल्द आरंभ करवाने को लेकर निर्णया लिया गया।जिसको लेकर शिक्षक सुधीर कुमार के अगुआई में एक कार्य निगरानी समिति का गठन किया गया। जिसमें शिक्षक सुधीर कुमार सहित विद्यालय के अधीनस्थ दो शिक्षक व प्रबंध समिति से मनोज कुमार सिंह और कुंदन कुमार सिंह को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। वही गत बैठक में रात्री प्रहरी के आवश्यकता को लेकर आवेदन आमंत्रित किया गया था। जंहा एक ही आवेदन प्राप्त होने पर आवेदक को 11माह के लिए 5 हजार की मानदेय पर नियोजीत किया गया। वहीं छात्रा की साइकिल स्टैंड सेड पूरी तरह जर्जर हो जाने के स्थिती में सेड को नए सिरे से निर्माण करवाने के निर्णाय लिया गया।जिसका निगरानी कार्य समिति ही करेंगे।वही शिक्षक व रख रखाब के अभाव में खराब हो रहे कम्प्यूटर सिस्टम को देखते हुए प्रबंध समिति के दानदाता सदस्य के परिवार के इंजीनियर अनुवेद कुमार के द्वारा निशुल्क बच्चों को विद्यालय में सेवा देने की अनुरोध पर प्रबंध समिति ने एक मत में सहमति जताया।इस मौके पर प्रभारी एचएम अबरार अहमद ,विजय कुमार सिंह मनोज कुमार सिंह,कुंदन कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें : जिलाधीकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। समहारणालय मे स्थगित जनता दरबार के बावजूद आज आए आए कई अपीलार्थियों को खड़े देख जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने आये हुए लोगो की समस्याओं को बारीकी से सुना और करवाई के आदेश दिए।।गया समाहरणालय में आये लगभग 100 आवेदकों से उनकी मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच जल्द से जल्द कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

आज के जनता दरबार में आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी , उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है।प्रधानमंत्री आवास , मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने वरीय उप समाहर्ता अमृता ओशो को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया गया है। कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हू। सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी और थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए गए हैं।आज शुक्रवार के जनता दरबार में जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया कि वे पुरी गम्भीर लेते हुए आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आवेशित करें।

इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी या पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे। शुक्रवार आज कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए खिजरसराय, नगर, बोधगया, फतेहपुर, बथानी सहित अन्य अंचल के व्यक्ति ने परिमार्जन के संबंध में आवेदन देने पर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें। आज सुनवाई में आपदा विभाग के अंदर में जो भी विभिन्न लंबित आवेदन के विरुद्ध जांच करते हुए जिला आपदा पदाधिकारी उसे तेजी से अनुपालन करवाये।

शुक्रवार के जनता दरबार में बिजली विभाग के बिजली बिल ज्यादा आने, घर का बिजली कनेक्शन जोड़ने बहुत से मामले पर जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता बिजली पदाधिकारी को प्राप्त आवेदनों को जांच करते हुए तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिए गए हैं। आगे कहा कि बिजली बिल ज्यादा आना और एवरेज बिल आना इत्यादि के मामले ज्यादा आ रहे हैं। जिला पदाधिकारी ने कहा कि उस एरिया के संबंधित जे०ई० से जांच करवाएं और खराब बिजली मीटर को बदलवाने का कार्य करे। जहां भी ज्यादा बिल आने की शिकायत है उसे जांच करवाकर मीटर बदले।

जगदेव प्रसाद शोषित वंचितों के मसिहा थे : जिलाअध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

गया।गया में नगमतिया रोड स्थित जदयू कार्यालय गया में जिला अध्यक्ष अभय कुशवाहा की अध्यक्षता में बिहार लेकिन की उपाधि से सम्मानित शहीद जगदेव प्रसाद की 100वीं जयंती धूम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अभय कुशवाहा सभी को संबोधित करते हुए कहा की जगदेव प्रसाद शोषित वंचितों के मसीहा थे,जगदेव प्रसाद व्यक्ति नहीं विचारधारा थे।उन्होंने नारा दिया था की सौ में नब्बे शोषित है नब्बे भाग हमारा है। अभय कुशवाहा ने कहा कि जगदेव बाबू किसी समाज के खिलाफ नहीं थे, दस प्रतिशत सामंतवादी विचारधारा वाले लोग के खिलाफ थे। जगदेव बाबू का जो सपना था शोषित बांचितों को अधिकार देना सत्ता में भागीदारी देना, आज पार्टी के सर्वमान्य नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बिहार उनके पद चिन्हों पर चलते हुए हैं। सभी समाज के कमजोर वर्गो को आगे बढ़ाकर मुख्य धारा में लाने का काम किया है।

विधानपार्षद, संजीव श्याम सिंह, मनोरमा देवी ने भी कहा कि जगदेव बाबू सपना को एकमात्र नेता नीतीश कुमार पूरा कर रहे हैं। इस पर पूर्व अध्यक्ष अलेक्जेंडर खान, शौकत अली, प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल,आसिफ जफर, रौशन मांझी,पुष्पेंदु पुष्प, अरुण राव,राजेश प्रसाद,कैलाश पासवान, अजीत शर्मा,बबन चंद्रवंशी, मोहन खान, मितंबरा लोहड़े, पूनम कुशवाहा,सोनम दास, जितेंद्र दास,वीणा देवी, रेशमा खातून, मालती देवी, धनंजय दांगी, सुरेश राव,प्रकाश पटवा,दिवाकर जी, अरबिंद चरण प्रियदर्शी, अरबिंद वर्मा, रामबली बिंद, मो0 समीम, उपेन्द्र दांगी,एवं पार्टी के सैकड़ों साथी उपस्थित थे।

ड्रीम 11 में टीम लगाकर साहरघाट का शानू बना करोड़पति परिवार में हर्ष का माहौल

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/मधवापुर। मधवापुर प्रखंड क्षेत्र के साहरघाट निवासी ग्यारहवीं का छात्र शानू कुमार मेहता ने ड्रीम इलेवन गेम खेलकर एक करोड़ रुपया जीत लिया है। जिसके बाद से लगातार शानू को फोन पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। जानकारी दे कि शानू का पिता राजेश मेहता साहरघाट में व्यवसाय करते है।

शानू अभी ग्यारहवीं की पढ़ाई कर रहा है। गुरुवार की शाम एक करोड़ जितने के बाद परिवार वालों को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस जीत पर माता रंजना देवी, बहन शालू, दादी समेत लोगों ने मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। पत्रकारों से बात करते हुए शानू ने कहा कि हम दो से तीन महीना में सात बार इस गेम में टीम बनकर खेला था। गुरुवार को हमने कैप्टन मिचर नसीर समेत एक बेहतर टीम का निर्माण कर खेल की शुरूआत किया और शाम करीब साढ़े छह बजे एक करोड़ जीत लिया। शानू ने कहा कि हमे एक करोड़ में करीब 70 लाख रुपया मिला है। पैसे खाता में ट्रांसफर के लिए साहरघाट के स्टेट बैंक के प्रबंधक से मिलकर आधार और पेन कार्ड का सत्यापन करवा लिया है। रात अथवा कल तक पैसा हमारे खाता में आ जायेगा। जिस पैसा से हम दिल्ली में कोंच के माध्यम से क्रिकेट खेलने की तैयारी और पढ़ाई पर खर्च करेंगे। हमारा क्रिकेटर बनने का सपना है। शानू के पिता राजेश मेहता ने भगवान को ध्यानवाद देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया है।

जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिये

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम के तहत जिले भर से आए परिवादियों से मिलकर उनसे प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया ।बताते चलें कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं।

इस परिप्रेक्ष्य में आज कुल 133 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए थे।हमेशा की तरह सबसे अधिक शिकायतें भूमि विवाद से संबंधित रहीं। वहीं कई लोग अपनी निजी समस्यायों के निराकरण हेतु भी आए थे। हरलाखी प्रखंड के कंहरपट्टी निवासी मो मुर्तजा ने आरोप लगाया कि उनके गांव के विरोधियों द्वारा उनके आवास के रास्ते का अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे उनके आने जाने का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। वहीं अरेर थाना के ढंगा पश्चिम गांव के 77 वर्षीय भोगेंद्र झा ने गुहार लगाई कि उनके पुत्र व पुत्रवधू द्वारा उनकी संपत्ति को अपने निजी स्वार्थ के कारण बेचा जा रहा है। जबकि उनके पौत्र और पौत्री पर उनका कोई ध्यान नहीं है।

उन्होंने मांग की है कि उनके पौत्र और पौत्री के हित में पर्याप्त कदम उठाया जाए। खुटौना प्रखंड के नहरी की रहने वाली इंदू देवी ने दबंगों द्वारा सरकारी रास्ते को अतिक्रमित कर लेने की शिकायत की। अंधराठाढी प्रखंड के मदना के रहने वाले अमरनाथ कुमार साहू ने साधू चौक मदना स्थित कबीर मठ को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने की मांग की।

राजनगर प्रखंड के राघोपुर बलाट निवासी महंथ ललन कुमार दास ने बताया कि वे रामपट्टी स्थित महंथ देव नारायण दास जनता बालिका उच्च विद्यालय के भूमि दाता के उत्तराधिकारी भी हैं। उन्होंने उक्त विद्यालय के भूमि के अतिक्रमण की शिकायत करते हुए उसे अतिक्रमण मुक्त कराए जाने की मांग की।

मधवापुर प्रखंड के साहरघाट के नायक टोला सोनार टोला और मुस्लिम टोला के रहने वाले बासिंदों द्वारा सामूहिक रूप से आवेदन देते हुए बताया कि उनके रास्ते को अतिक्रमित कर लिया गया है जिससे वे लोग कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने इस संबंध में पर्याप्त कदम उठाए जाने की मांग की। स्टेशन चौक मधुबनी के रहने वाले मनोज कुमार वास्तव ने आपबीती का जिक्र करते हुए उनके घर के सामने सब्जी बेचने से होने वाली परेशानी से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने अपने आवेदन के माध्यम से बताया कि सब्जी बेचने वालों द्वारा उनके घर का मार्ग अवरुद्ध कर दिया जाता है। इतना ही नहीं सड़ी गली सब्जी को यत्र यत्र फेंक देने से वहां के लोगों को अत्यंत दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी बारी जानकारी ली गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित पदाधिकारियो को कई आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को लेकर हुई बैठक

मुंगेर। व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत आगामी 11 फरवरी को होना है। इसकी सफलता को लेकर बुधवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दीपंकर पांडे ने बीमा कंपनी के अधिकारियों और पैनल के अधिवक्ताओं के साथ बैठक की।

इस दौरान जिलाध्यक्ष ने बीमा कंपनी के अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिया की राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक सुलहनीय वादों का निष्पादन कराएं। इस मौके पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुंजन पांडे अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त पांडे अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम बिपिन बिहारी राय प्राधिकार के सचिव राजीव नयन सहित विधिक सेवा प्राधिकार से संबंधित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

यूथ टेलेंट तलाशेगा खेलो इंडिया

शरीर को निरोग रखने के लिए योग और सूर्य नमस्कार किया जाता है। तन और मन खेल से प्रसन्न रहते हैं। निरोगी काया के लिए खेल से बड़ा कोई नुस्खा नहीं। आज के भौतिकवादी युग में खेल का हर दृष्टि से महत्व है। इससे एक और जहाँ प्रशंसा मिलती है वहीं युवाओं के भविष्य निर्धारण में भी मदद मिलती है। सरकार भी चाहती है कि मध्यप्रदेश खेल गतिविधियों के लिए देश भर में पहचाना जाये। खेलो इंडिया जैसे आयोजन इसी बात के सूचक हैं। एक दौर वह था जब क्रिकेट हाकी खेलों तक ही लोगों की दिलचस्पी सीमित थी लेकिन अब बॉक्सिंग शूटिंग घुड़सवारी और बालिकाओं के आत्मरक्षार्थ जूडो कराटे जैसे खेलो में सभी की रोचकता बढ़ रही है। इन खेलो में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल भी जीते हैं। याद दिलाना जरूरी है कि एक समय था जब बालिकाओं का खेल में भाग लेना असामान्य सा लगता था लेकिन लगातार मिले प्रोत्साहन के कारण आज ऐसा कोई खेल नहीं है जिसमें बालिकायें हिस्सा न लेती हों। बल्कि कई बार तो वे लड़कों से बेहतर प्रदर्शन भी करती हैं। मध्यप्रदेश में बेटियों की शिक्षा और खेल को प्रोत्साहन तथा आवश्यक सहयोग कर मध्यप्रदेश सरकार ने एक पुनीत और पावन कार्य किया है। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान स्वयं खेल प्रेमी हैं। उनकी खेलो के प्रति रूचि और लगाव अक्सर उनके शब्दों में स्पष्ट व्यक्त होते हैं। वे चाहतें हैं कि प्रदेश के युवा विश्व स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धियां हासिल करें जिससे दुनिया में मध्यप्रदेश का नाम रोशन हो। वे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों का आव्हान करते हैं कि आप तो खेल की चिंता करें आपके भविष्य की चिंता मध्यप्रदेश सरकार करेगी। प्रसंगवश बता दें कि खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर सरकार उन्हें आर्थिक मदद के साथ शासकीय नौकरी भी दे रही है। कई दिव्यांग युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत कर शासकीय सेवाओं में पद दिया गया है। प्रदेश के खेलो के बजट में इजाफा कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये कई शहरों और तहसीलों में स्टेडियम बनाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में खेलो इंडिया के आयोजन से मध्यप्रदेश में खेलों की दिशा में नयी क्रांति आयेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस संकल्प के साथ मध्यप्रदेश को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की जिम्मेदारी सौंपी है उसे मध्यप्रदेश पूरे उत्साह के साथ निभायेगा। हमारा प्रयास है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी विश्व में बेहतर प्रदर्शन के लिए पहचाने जायें। देश के दिल मध्यप्रदेश में सम्पन्न हो रहे खेलो इंडिया आयोजन पर पूरे देश की नजर है। यह आयोजन नयी पीढ़ी के खिलाड़ियों की महत्वकांक्षा बढ़ायेगा उनमें उत्साह का संचार करेगा इसमें कोई संदेह नहीं। स्मरण रहे कि हरियाणा के कुरु क्षेत्र में पिछली बार जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हुआ था उसमें मध्यप्रदेश ने 12 स्वर्ण 11 रजत और 15 कांस्य पदकों के साथ कुल 38 पदक हासिल कर आठवां स्थान प्राप्त किया था। हरियाणा से पहले खेलो इंडिया यूथ गेम्स दिल्ली पुणे गुवाहाटी और पंचकुला में सम्पन्न हो चुके हैं। मध्यप्रदेश के लोगों का सौभाग्य है कि इस बार यहाँ आठ शहरों भोपाल इंदौर ग्वालियर जबलपुर उज्जैन मण्डला बालाघाट महेश्वर सहित दिल्ली में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के अंतर्गत 27 खेल हो रहे हैं। खेल के इस महाकुंभ में आठ हजार से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या हमारे प्रदेश की बेटियों की भी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पहली बार तलवारबाजी कायाकिंग कैनोइंग कैनो स्लैलम रोइंग खेलों को शामिल किया गया है। मलखंभ खेल का प्रदर्शन भी पहली बार होगा। मलखंभ मध्यप्रदेश का पारम्परिक तथा राज्य खेल है। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम के डी.एस.वाई. डब्ल्यू हाल में 3 से 5 फरवरी तक एथलेटिक्स के 26 खिलाड़ी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदकों के लिए मुकाबला कर रहे हैं। इसी हाल में 7 से 11 फरवरी तक कुश्ती के मुकाबलों में 21 खिलाड़ी भाग लेंगें। 1 से 4 फरवरी तक बॉक्सिंग और शूटिंग अकादमी में 1 से 6 फरवरी तक होने वाले मुकाबलों में मध्यप्रदेश के 7 खिलाड़ी निशाना साधेंगें। 6 से 10 फरवरी तक वेटलिफिटंग के मुकाबले भी होंगें। भोपाल के तरुण पुष्कर में 7 से 11 फरवरी तक तैराकी के 38 इवेंट में 544 प्रतिभागी हिस्सा लेंगें।

खेलो के क्षेत्र में राज्य और केन्द्र सरकार कई योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहीं हैं। मध्यप्रदेश ने हाकी शूटिंग सॉफ्ट टेनिस कराटे क्रिकेट तैराकी घुड़सवारी टेबल टेनिस सेलिंग शतरंज जैसे अन्य खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिये हैं। सरकार खिलाड़ियों को एकलव्य पुरस्कार विक्रम अवार्ड विश्वमित्र अवार्ड लाइफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड जैसे पुरस्कार से सम्मानित कर और शासकीय सेवाओं में पद देकर उनका हौसला बढ़ा रही है। ओलंपिक पैरा ओलंपिक में भी मध्यप्रदेश के खिलाड़ी शामिल होकर स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने में योगदान दे रहे हैं। बेहतर कोच आवश्यक संसाधनों और अच्छी सुविधाओं ने राज्य के खिलाड़ियों को ऐसा वातावरण दिया है जिससे वे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के लिए गौरव हासिल कर रहे हैं। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान वाला एकमात्र प्रदेश है।

बजट विशेष : रणनीतिक बजट और विकास को तरजीह

कुमार कृष्णन

मोदी सरकार की दूसरी पारी के अंतिम बजट को लेकर कयास लगाये जा रहे थे कि आम चुनाव से पहले इसका स्वरूप लोक लुभावना ही होगा। लेकिन सरसरी तौर पर नजर डालें तो यह रणनीतिक बजट ही है जिसमें अर्थव्यवस्था व विकास को तरजीह देते हुए लक्षित वर्ग को राहत देने का प्रयास हुआ है। यह नहीं कहा जा सकता कि सारी योजनाएं महज वोट बटोरने वाली हैं। वैसे तो पहले ही घोषणा की जा चुकी थी कि कोरोना महामारी के घातक प्रभावों से उपजे रोजगार संकट से उबारने वाली मुफ्त चावल-गेहूं योजना 2024 तक जारी रहने वाली है। अब सरकार ने बजट में घोषणा की है कि अस्सी करोड़ लोगों को लाभ देने वाली योजना के लिये सरकार अगले वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ खर्च करेगी। लेकिन इस योजना का जारी रखना यह सवाल भी पैदा करता है कि जब अर्थव्यवस्था की बेहतरी के दावे किये जा रहे हैं तो अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की जरूरत क्यों है? सवाल यह भी कि क्या यह सरकार की लोकलुभावन पहल है? यह भी कि ये लोककल्याणकारी कदम है या रेवड़ियां बांटने की श्रेणी में है। निस्संदेह सरकार की नजर इस साल नौ राज्यों के चुनावों तथा 2024 में होने वाले आम चुनाव पर है। इन राज्यों में त्रिपुरानगालैंड मेघालय कर्नाटक राजस्थान व छत्तीसगढ़ आदि राज्य शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार का दावा है कि अमृत काल के इस पहले बजट का लक्ष्य समावेशी विकास है। दावा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित विश्व आपूर्ति श्रृंखला के चलते जब तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंथर गति से आगे बढ़ रही हैं भारत की विकास दर दुनिया में सबसे तेज 6.8 रहेगी। यह भी कि मंदी के अंधियारे में भारत की अर्थव्यवस्था दमकती रहेगी। इसके पक्ष में आईएमएफ व दूसरी वैश्विक एजेंसियों के दावों को दोहराया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि सरकार मान रही है कि अर्थव्यवस्था महामारी के संकट से उबर कर पटरी पर आ चुकी है। अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश नरेंद्र मोदी सरकार के अंतिम पूर्ण बजट में सभी तबकों को साधने का प्रयास किया।बजट में अर्थव्यवस्था तथा चुनावी राजनीति दोनों को साधने का काम वित्त मंत्री ने किया है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह मौजूदा उन्होंने जहां एक तरफ मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को आयकर मोर्चे पर राहत देने की घोषणा की वहीं लघु बचत योजनाओं के तहत निवेश सीमा बढ़ाकर बुजुर्गों और नई बचत योजना के जरिये महिलाओं को सौगात दी है। इसके साथ ही बुनियादी ढांचे पर खर्च में 33 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि की करने का भी प्रस्ताव किया है। नई कर व्यवस्था के तहत एक अप्रैल से व्यक्तिगत आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर सात लाख रुपये कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति की आय सात लाख रुपये है उसे कोई कर नहीं देना होगा। अबतक यह सीमा पांच लाख रुपये है। साथ ही कर स्लैब को सात से घटाकर पांच किया गया है। साथ ही अधिकतम अधिभार की दर 37 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत करने के बाद कर की दर 42.7 प्रतिशत से घटकर लगभग 39 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को भी राहत दी। इसके तहत वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत जमा सीमा 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी गयी है। वहीं मासिक आय योजना के तहत जमा सीमा बढ़ाकर नौ लाख रुपये की गयी है। महिलाओं के लिये अलग से नई बचत योजना महिला सम्मान बचत पत्र की घोषणा की गयी।

राहुल की पदयात्रा से मजबूत होगी कांग्रेस?

7 सितंबर को कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई भारत जोड़ो पदयात्रा 12 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी है। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी करीबन 3970 किलोमीटर पैदल चले हैं। अब तक देश की राजनीति में एक असफल नेता के रूप में जाने जाने वाले राहुल गांधी अपनी इस पदयात्रा के बाद एक नए अवतार में परिपक्व राजनेता के रूप में नजर आने लगे हैं। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। यात्रा के दौरान राहुल गांधी का पूरा प्रयास था कि वह पूरी तरह वीआईपी कल्चर से दूर रहे। इस पदयात्रा में राहुल गांधी का एक अलग ही रूप देखने को मिला जो लोगों को आकर्षित व प्रभावित करने में सफल रहा है। कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी मौजूदा दौर में बहुत कमजोर स्थिति से गुजर रही है। 2014 के बाद तो लोकसभा में कांग्रेस को विपक्ष के नेता के का पद भी नहीं मिल पाया है। देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो चुकी है। लगातार चुनाव हारने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि भी बहुत कमजोर हो गई थी।

योगेश कुमार गोयल
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 145 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा का श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा झंडा फहराने के साथ ही समापन हो गया है। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई भारत जोड़ो पदयात्रा 12 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी है। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी करीबन 3970 किलोमीटर पैदल चले हैं। अब तक देश की राजनीति में एक असफल नेता के रूप में जाने जाने वाले राहुल गांधी अपनी इस पदयात्रा के बाद एक नए अवतार में परिपक्व राजनेता के रूप में नजर आने लगे हैं। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। यात्रा के दौरान राहुल गांधी का पूरा प्रयास था कि वह पूरी तरह वीआईपी कल्चर से दूर रहे। इस पदयात्रा में राहुल गांधी का एक अलग ही रूप देखने को मिला जो लोगों को आकर्षित व प्रभावित करने में सफल रहा है।

कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी मौजूदा दौर में बहुत कमजोर स्थिति से गुजर रही है। 2014 के बाद तो लोकसभा में कांग्रेस को विपक्ष के नेता के का पद भी नहीं मिल पाया है। देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो चुकी है। लगातार चुनाव हारने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि भी बहुत कमजोर हो गई थी। उन्हें जनाधार विहीन नेता के तौर पर माना जाने लगा था। राजनीतिक पर्यवेक्षक भी मानने लगे थे कि राहुल गांधी में चुनाव जिताने की क्षमता नहीं है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस शायद ही फिर से देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी बन सके। इन्हीं सब आशंकाओं के मध्य राहुल गांधी ने कुछ ऐसे फैसले किए जिनसे उनकी छवि एक दृढ़ निश्चयी मजबूत नेता के रूप में उभरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उस समय सभी ने उनसे इस्तीफा वापस लेने के लिए बहुत दबाव भी डाला था। मगर वह अपने फैसले पर अटल रहे। अंततः सोनिया गांधी को कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनना पड़ा था। करीब तीन साल बाद कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव करवाए गए। इस दौरान भी कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने की अपील की थी। जिसे उन्होने सिरे से खारिज कर दिया था।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले ही राहुल गांधी ने पदयात्रा करने की घोषणा कर दी थी। जिसे राहुल गांधी ने पूरी कर दिखाया है। कन्याकुमारी से अपने भारत जोड़ो पदयात्रा की शुरूआत करने वाले राहुल गांधी बिना थके बिना रुके लगातार चलकर 4000 किलोमीटर की अपनी पदयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर देश की जनता को यह संदेश दिया है कि उनमें नेतृत्व करने की क्षमता आज भी बरकरार है। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर से मजबूत होकर उभरेगी।

राहुल गांधी ने अपनी पदयात्रा के दौरान सभी विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रित कर विपक्ष को एकजुट करने का भी सार्थक प्रयास किया था। बहुत से विपक्षी दलों के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल भी हुए। जिससे देश की जनता को एक संदेश गया कि कांग्रेस के बिना विपक्ष की राजनीति हमेशा ही अधूरी रहेगी। जब तक कांग्रेस केंद्र में नहीं रहेगी तब तक विपक्षी एकजुटता नहीं हो पाएगी। कांग्रेस के बिना भाजपा को हराना संभव नहीं है। पूरे देश में आज भी कांग्रेस का जनाधार बरकरार है। हाल ही में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा को करारी शिकस्त देकर अपनी सरकार बनाई है। जिससे साबित होता है कि कांग्रेस में आज भी भाजपा से दो-दो हाथ करने का दमखम बाकी है।

राहुल गांधी द्वारा अपनी पदयात्रा में विपक्षी नेताओं को आमंत्रित करना इस बात का द्योतक है कि राहुल गांधी बड़े मन से राजनीति करना चाहते हैं। उनका इरादा सभी विपक्षी दलों को साथ लेने का है। राहुल गांधी की पदयात्रा में डीएमके वामपंथी दल राष्ट्रीय जनता दल महाराष्ट्र की उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस पीडीपी जैसी बहुत सी विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने शामिल होकर विपक्षी एकता मजबूत करने की बात कही है। इस पदयात्रा में शामिल होने वाले विपक्षी दलों के सभी नेताओं ने राहुल गांधी की सराहना करते हुए उनके साथ मिलकर विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। इससे लगता है कि आने वाले समय में कांग्रेस एक मजबूत गठबंधन बनाकर भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रयास करेगी। राहुल गांधी ने इस यात्रा के जरिए उन सभी सवालों को खारिज कर दिया है जो उन पर उठते रहे थे। पहले कहा जाता था कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद नहीं छोड़ेंगे उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ा। फिर कहा गया कि वो खुद अध्यक्ष बन जाएंगे लेकिन वो नहीं बने। इसके बाद कहा गया कि अध्यक्ष के चुनाव को टाल दिया जाएगा लेकिन वो भी नहीं टाला गया। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी ने एक मजबूत और गंभीर नेता की छवि बनाई है। इस यात्रा के जरिये राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के सामने एक ताकतवर विकल्प के रूप में खड़े होने की कोशिश की है। अब लोग राहुल गांधी को गंभीरता से ले रहे हैं। इसके अलावा राहुल गांधी विपक्ष के नेताओं में भी आगे निकल गए हैं। अब तक ममता बनर्जी अरविंद केजरीवाल मायावती अखिलेश यादव सभी राहुल गांधी की गंभीरता पर सवाल उठाते रहे थे। आज उन सभी को लगने लगा है कि उनके बिना विपक्ष की एकता मुमकिन नहीं है।

हर यात्रा का कोई राजनीतिक उद्देश्य होता है। राहुल की यात्रा भी इससे अछूती नहीं है। खासतौर से यह देखते हुए कि अगले साल लोकसभा चुनाव हैं। इस साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि राहुल की भारत जोड़ो यात्रा ने देश में हलचल पैदा की है। जिन-जिन राज्यों से यह पद यात्रा गुजरी है वहां पार्टी और कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। एक तरह से कहा जा सकता है इस यात्रा से कांग्रेस पार्टी को नई जान मिली है।

भारत जोड़ो के नारे में राहुल गांधी कितने कामयाब हुए हैं इसका पता तो बाद में चलेगा। लेकिन इस दौरान राहुल गांधी जिस तरह लगातार प्रधानमंत्री को घेरते रहे उससे उन्हें फायदा हुआ है। सबसे पहले तो वो कांग्रेस के निर्विवादित नेता बन गए हैं। कांग्रेस में सभी ने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया है।

राहुल गांधी की पद यात्रा के नतीजे इसी साल से दिखने शुरू हो जाएगें। इस वर्ष राजस्थान मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ कर्नाटक तेलंगाना त्रिपुरा मेघालय नागालैंड और मिजोरम सहित नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें राजस्थान और छत्तीसढ़ में कांग्रेस के सामने सरकार बचाने की चुनौती होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। यह तभी होगा जब कांग्रेस नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करे।

कश्मीरी देसी मुसलमानों की घेराबंदी

नई शब्दावली का सृजन किया था। त्रिक दर्शन की व्याख्या के लिए नए मुहावरों की तलाश कर ली थी। कश्मीरी व्यक्ति मुसलमान तो बन गया था लेकिन उसका मानस कश्मीरी ही रहा। वह रहस्यवादी चेतना को अभिव्यक्त करने के लिए नए संकेतों का प्रयोग करने लगा था। अरबी-मध्य एशियाई कबीलों ने उनको भौतिक रूप से तो पराजित कर दिया था, लेकिन वे उनके मन की थाह पाने में कामयाब नहीं हो रहे थे। दर्शन शास्त्र में कश्मीरी उन्हीं के प्रतीकों से उनको उत्तर दे रहे थे। वे अभी भी कश्यप को अपना पूर्वज मान रहे थे। कश्मीरी मूल्यों को वे त्याग नहीं रहे थे। यानी मानसिक रूप से वे अपने आपको एटीएम की संस्कृति और तथाकथित ज्ञान से बेहतर मान रहे थे। वे शारदा पुत्र तो थे ही। ज्ञान की देवी शारदा का तो निवास स्थान ही कश्मीर को माना ही जाता था। वे सरस्वती यानी ज्ञान के उपासक थे। वे तर्क करते थे। प्रश्न पूछते थे।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

मतांतरित होने के बावजूद मतान्तरित कश्मीरी अपनी विरासत को नहीं भूल रहे थे। वे भी भीतरी मन से अपनी पुरखों की परम्पराओं और आस्थाओं को नहीं छोड़ रहे थे। भूलने की बात तो दूर, वे बहुत सीमा तक अभी भी उसी से जुड़े हुए थे। उनमें से कश्मीरियत नहीं जा रही थी। वे इधर उधर घूम फिर कर फिर अपने जड़ों के आसपास सिमट जाते थे। नए हालात के अनुसार उन्होंने नए प्रतीक गढ़ लिए थे। नई शब्दावली का सृजन किया था। त्रिक दर्शन की व्याख्या के लिए नए मुहावरों की तलाश कर ली थी। कश्मीरी व्यक्ति मुसलमान तो बन गया था लेकिन उसका मानस कश्मीरी ही रहा। वह रहस्यवादी चेतना को अभिव्यक्त करने के लिए नए संकेतों का प्रयोग करने लगा था। अरबी-मध्य एशियाई कबीलों ने उनको भौतिक रूप से तो पराजित कर दिया था, लेकिन वे उनके मन की थाह पाने में कामयाब नहीं हो रहे थे। दर्शन शास्त्र में कश्मीरी उन्हीं के प्रतीकों से उनको उत्तर दे रहे थे। वे अभी भी कश्यप को अपना पूर्वज मान रहे थे। कश्मीरी मूल्यों को वे त्याग नहीं रहे थे। यानी मानसिक रूप से वे अपने आपको एटीएम की संस्कृति और तथाकथित ज्ञान से बेहतर मान रहे थे। वे शारदा पुत्र तो थे ही। ज्ञान की देवी शारदा का तो निवास स्थान ही कश्मीर को माना ही जाता था। वे सरस्वती यानी ज्ञान के उपासक थे। वे तर्क करते थे। प्रश्न पूछते थे। सैयदों के पास कश्मीरियों के इन प्रश्नों का कोई जवाब नहीं था। वे उस अरब भूमि से व मध्य एशिया से आए थे जहां प्रश्न पूछने की मनाही थी, आंखें बन्द करके केवल पीछे चलने का अधिकार था। कश्मीर में वे अपने इसी अधिकार की रक्षा शासक की तलवार से कर रहे थे। लेकिन कश्मीर, जिसके ज्ञान के पीछे मध्य एशिया चलता था, वे आंखें बन्द करके उन्हीं सैयदों व मध्य एशिया के तुर्कों के पीछे कैसे चल सकता था? उन्होंने ईश्वर का नाम अल्लाह को तो मान लिया था लेकिन वे शिव की उपासिका लल्ला को कैसे छोड़ सकते थे। कश्मीर की एक और परम्परा है। किसी भी गुणी और साधक का वे सम्मान करते हैं। वह साधु साधक या पीर किसी भी पूजा पद्धति को मानने वाला क्यों न हो। वे धरती को मां मानते हैं। मध्य एशिया या अरब से आए सैयदों से चाहे उनके लाख भेद रहे हों लेकिन जब ऐसे किसी साधक पीर की मृत्यु होती थी तो कश्मीर के लोग उसका सम्मान करते हुए और उसके प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए स्मारक बना देते थे। वैसे भी कश्मीर में माना जाता है कि मरने के बाद आदमी के सारे सांसारिक मतभेद समाप्त हो जाते हैं। एटीएम इस प्रकार के स्मारकों को अपनी भाषा में दरगाह कहता है और वह दरगाह में जाना और वहां जाकर मृतक साधक की स्मृति में कश्मीरी मुसलमानों द्वारा सिजदा करने को इस्लाम की तौहीन मानता है। सैयदों को लगता था कश्मीर में कश्मीरी इस्लाम को समझने की बजाय उसका कश्मीरीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन सबसे हैरानी की बात यह थी कि इन दरगाहों एवं कब्रों पर भी संगठनात्मक रूप से कब्जा सैयदों का ही रहा। इन दरगाहों के पुजारी भी सैयद, मुफ्ती, मुल्ला और पीरजादेह ही थे। ऐसा कैसे सम्भव हुआ? इसे समझने के लिए कश्मीरी देसी मुसलमानों की ऋषि परम्परा को गहराई से समझना होगा। शुरूआती दौर में जब सूफी सैयदों ने स्थानीय शासकों के साथ मिल कर कश्मीर का इस्लामीकरण शुरू किया था तो कश्मीरियों ने उसका मुकाबला करने के लिए अपनी ऋषि परम्परा शुरू कर दी थी। शाहमीरी वंश के बुतशिकन के राज्यकाल तक सैयदों व कश्मीरियों में सांस्कृतिक वर्चस्व का संघर्ष भी तेज हो गया था। इसको ललेश्वेरी व नुन्द ऋषि के प्रकरण से अच्छी तरह समझा जा सकता है। जोनराज की राजतरंगिनी में इस बात का जिक्र है कि नुन्द ऋषि को सुल्तान अली शाह के राज्यकाल में बन्दी बनाया गया था। (2) लल्लेश्वरी (1320-1392) और नुन्द ऋषि (1377-1438) और इरान से आए बाप-बेटा सैयद अली हमदानी (1341-1385) व सैयद महमूद हमदानी (1372-1450) समकालीन थे। लल्लेश्वरी का अन्तकाल और बुतशिकन (1389.-1413) का राज्यकाल एक साथ शुरू होते हैं। नुन्द ऋषि का कार्यकाल बुतशिकन और बडशाह (1420-1470) दोनों के राज्यकाल के भीतर सिमटा हुआ है। नुन्द ऋषि का नाम सहजानन्द भी था (3), लेकिन ललेश्वेरी का कार्यकाल शाहमीरी वंश के पहले छह शासकों के राज्यकाल तक फैला हुआ है। सैयद मोहम्मद हमदानी कश्मीर में 1393 में आए थे और बारह साल कश्मीर में रहे। कुछ लोग कहते हैं कि बाईस साल रहे। यदि बारह साल रहे तो उनके कश्मीर से जाने की तारीख 1405 है और यदि बाईस साल रहे तो जाने की तारीख 1415 है। ऋषि परम्परा की शुरूआत शिव की उपासिका लल्लेश्वरी (1320-1392) ने की थी। आज भी कश्मीर का देसी मुसलमान गाता है झ ऊपर अल्लाह नीचे लल्ला (4), उस कालखंड में एटीएम के लिए ऋषि परम्परा से लोहा लेना लाभकारी नहीं था। मोहिबुल हसन ठीक कहते हैं कि ऋषि परम्परा कश्मीर में ज्यादा प्रभावी थी। लेकिन उसका चलते रहना ही कश्मीरियों के इस्लामीकरण में बाधक था। कुछ सैयदों ने ऋषियों की ही भाषा बोलनी शुरू कर दी और धीरे धीरे इस परम्परा के डेरों पर भी नियंत्रण कर लिया। उस परम्परा का नामकरण तो ऋषि ही रहने दिया, लेकिन यथार्थ में वे सैयदों के डेरे ही बन गए। इस प्रकार कश्मीर घाटी की तीनों संस्थाओं प्रथम मस्जिदों, द्वितीय दरगाहों और तीसरे ऋषि आश्रमों या डेरों पर एटीएम का ही कब्जा हो गया। दरगाहें और ऋषियों के डेरे बाद में एकरूप हो गए। इन तीनों संस्थाओं और उसके तन्त्र के नियंत्रण में से कश्मीरी मुसलमान और गुज्जर सिरे से गायब थे। यह देसी मुस्लिम समाज पर दोहरा शिकंजा था। सैयद दोनों दिशाओं से कश्मीरी मुसलमान, गुज्जर और पहाड़ी राजपूत मुसलमानों को घेरे हुए थे। वह मस्जिद में जाता है तब भी वहां सैयद ही बैठा है और वहां से भाग कर अपनी दरगाह में पहुंचता है, वहां भी कब्जा सैयद का ही है। इसलिए एटीएम ने योजना का दूसरा चरण शुरू किया। पहला चरण था, कश्मीरियत से इस्लामीकरण और दूसरा चरण था इस्लामीकरण से अरबीकरण। एटीएम इस कार्य को बहुत जल्दी करना चाहता था। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एटीएम ने कश्मीर में अलग अलग संगठन स्थापित किए। इनमें से चार का उल्लेख किया जा सकता है। इन चार संस्थाओं के समन्वित अध्ययन से कश्मीर घाटी में एटीएम की कार्यप्रणाली को बखूबी समझा जा सकता है।

बंधुतत्व के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में उभरे राहुल गांधी

जावेद अनीस

दिल्ली की गद्दी पर जमने से पहले नरेंद्र मोदी राहुल गांधी को शहजादे का खिताब देते रहे हैं, अपने एक भाषण में जब राहुल गांधी लाल किले के सामने चांदनी चौक की ओर इशारा करते हुये कहते हैं कि यहां मंदिर है, मस्जिद है और गुरुद्वारा भी है यही हिंदुस्तान है. तो मुगलकाल के एक असली शहजादे दारा शिकोह की याद आ जाता हैं जिन्हें सदियों पहले अपने विजेता भाई औरंगजेब द्वारा इन्हीं गलियों में जंजीरों से बाँधकर जुलूस निकाला गया था. भला इतिहास के दो छोर पर खड़े दो शख्सियतों के बीच क्या समानता हो सकती है? मोटे तौर पर देखा जाये तो कुछ खास नहीं लेकिन कभी-कभी वे अपनी अपनी बुनावट और भूमिकाओं के चलते एक दूसरे के करीब लगने लगते हैं. वैसे तो राहुल गांधी और शहजादा दारा शिकोह में सीधे तौर पर कोई भी समानता नहीं है, दोनों का समय, काल परिस्थियाँ बिलकुल अलग है, लेकिन दोनों के अनोखेपन और कुछ समान मूल्यों के माध्यम से इस लेख को आगे बढाया जा सकता है.दारा शिकोह मुगल बादशाह शाहजहाँ के सबसे बड़े बेटे और उत्तराधिकारी थे. वे शायद अपने समय के सबसे उदार और सहिष्णु लोगों में से एक थे, उनमें एक दार्शनिक शासक बनने की पूरी सम्भावना थी. वे सभी धर्मों को समानता की नजर से देखते थे, उनकी बहुचर्चित किताब मजमा-उल-बहरेन (दो महासागरों का मिलन) इस बात की तस्दीक है कि वे हिंदू और इस्लाम धर्म के लोगों के बीच शांति और बंधुत्व चाहते थे.

इस किताब में वे इन दोनों धर्मों के बुनियादी मूल्यों में समानताओं की तलाश करते हैं. वे अपने परदादा सम्राट अकबर के नवीन संस्करण की तरह थे लेकिन उनमें अकबर की तरह राजनीतिक सूझ-बूझ नहीं थी, वे एक उदासीन प्रशासक थे साथ ही युद्ध के मैदान में भी अप्रभावी थे. राहुल गांधी के परदादा जवाहरलाल नेहरु को आधुनिक भारत का निमार्ता माना जाता है. आज उन्हीं के द्वारा रचे गये आधुनिक भारत के विचार को रौंदा जा रहा है. राहुल के विचार भी अपने परदादा से मिलते-जुलते हैं लेकिन दारा की तरह उनमें भी अपने परदादा के मुकाबले राजनीतिक सूझ-बूझ की कमी देखने को मिलती है, दिन-प्रतिदिन के चुनावी राजनीति को लेकर वे उदासीन नजर आते हैं, बहुत पहले ही वे सत्ता को जहर बता चुके हैं. दोनों को अपनेझअपने जमाने का पप्पू कहा जाता है, लेकिन यह भी माना जाता है कि अगर औरंगजेब की जगह दारा शिकोह हिन्दुस्तान का बादशाह बनने में कामयाब हो पाते तो इस उपमहादीप का वर्तमान कुछ और होता. इसी प्रकार से अगर 2014 या 2019 में राहुल प्रधानमंत्री बन पाने में कामयाब होते तो यकीनन इस देश की दिशा और दशा कुछ और ही होती, कम से कम हम इतने नफरती माहौल में जीने को मजबूर नहीं होते और शायद देश की तरक्की के मामले में हम चीन की तरह छलांगें लगा रहे होते. दारा शिकोह तत्कालीन रूढ़िवादी भारत में उम्मीद की एक हलकी सी रोशनी की तरह थे, पिछले कुछ महीनों से राहुल भी कुछ इसी दिशा में बढ़ते नजर आ रहे हैं. राहुल गांधी अपनी बहुचर्चित भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से पहली बार खुद को इतने प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने में कामयाब हुये हैं. आज भारत को सबसे ज्यादा जरूरत बन्धुतत्व यानी सभी नागरिकों के बीच एकता व भाईचारे की है और राहुल गांधी इसके सबसे बड़े ब

संक्षिप्त खबरें

हत्यारोपित समेत 53 गिरफ्तार, भेजे गये जेल

गोपालगंज। गोपालगंज पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर हत्या के चार आरोपित समेत 53 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में हत्या के प्रयास के दो, शराब कांड के मामले में 38 तथा 9 वारंटी शामिल है। इसके साथ ही पुलिस ने एक बाइक व 167 लीटर देशी व 3465 लीटर विदेशी शराब को जप्त किया है। इस दौरान पुलिस के द्वारा 71 वारंट के मामलो का निष्पादन भी किया गया है। वही वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 11 हजार रुपएं जुमार्ने के रूप में वसूल किया है। इसकी जानकारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होने बताया कि पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ट्रेन से 131 बोतल देशी शराब बरामद

गोपालगंज। पूर्वोत्तर रेलवे के थावे जंक्शन पर बोगी तालाशी के दौरान जीआरपी पुलिस के द्वारा 131 बोतल देशी शराब को जप्त कर लिया गया। इसकी जानकारी देते हुए जीआरपी प्रभारी जयविष्णु राम ने बताया कि जीआरपी पुलिस के द्वारा थावे जंक्शन पर सवारी गाडी संख्या 15113 गोमती नगर छपरा एक्सप्रेस की बोगी तालासी ली जा रही थी। इसी दौरान शौचालय में छिपाकर रखे गये लावारिस हालत में पडे एक थैले की जांच की गयी। जांच के दौरान थैले से 131 बोतल देशी शराब बरामद की गयी। इस मामले को लेकर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। जांच के दौरान मुख्य रूप से कौशल राजत, राजू कुमार मंडल, पप्पू मांझी सहित अन्य जीआरपी जवान शामिल थे।

मारपीट में तीन लोग जख्मी ग्यारह लोगों पर दर्ज हुई प्राथमिकी

गोपालगंज। जिले के बरौली थाना क्षेत्र के रतनसराय जाफर टोला गांव में पूर्व विवाद को लेकर कुछ लोगो ने बाइक से बरौली आ रहे चाचा भतीजे को घेरकर मारपीट कर जख्मी कर दिया। वही बचाने आई महिला सीतापति देवी को भी मारपीट कर जख्मी कर दिया। इस दौरान आरोपितों ने फरसा से हमला कर रामेस्वर यादव व संतोष यादव को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। इस मामले में पीड़ित ने गांव के ही राकेश कुमार सहित पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है पुलिस मामले की जांच कर रही है

थावे पुलिस ने नशे में चार आरोपित को किया गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के थावे थाने की पुलिस ने नशे में हंगामा कर रहे चार लोगो को बिहार सिनेमा हॉल के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान विदेशीटोला गांव के मुकेन्द्र प्रसाद, यूपी के महराजगंज जिला के निचलौल थाना के पिपरा काजी गांव के अच्छेलाल, राम प्रसाद और रविन्द्र चैधरी के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि चिकित्सीय जांच के बाद चारो आरोपित को शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया।

कागज का बंडल थमा महिला से 30 हजार उडाये प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज। जिले के बरौली थाना क्षेत्र के सेंट्रल बैंक से पैसे की निकासी कर घर जा रही महिला को रुमाल में लपेट कर कागज का बंडल थमा दो युवक ने महिला से रुपए उडा लिए। उच्चकों ने महिला को रूमाल में 50 हजार रुपए का झांसा देकर तीस हजार रुपया ले लिए। जैसे ही महिला बबिता देवी अपने घर पहुची व रुमाल को खोलकर देखी तो उसके होश उड़ गये। महिला रोती हुई थाने पहुची व दो अज्ञात युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा विधान पार्षद ने कथा वाचक पर दर्ज करायी ठगी की प्राथमिकी

गोपालगंज 9 भाजपा विधान पार्षद राजीव कुमार उर्फ गप्पू सिंह से जमीन देने के नाम पर 65 लाख रुपए की ठगी कर लिए जाने का मामला सामने आया है। चेक बाउंस होने के बाद एमएलसी ने पश्चिम चंपारण जिले के निवासी एवं प्रख्यात कथा वाचक स्वामी उपेन्द्र परासर पर नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन करने में जुट गयी है। नगर इंस्पेक्टर ललन कुमार ने बताया कि भाजपा एमएलसी राजीव कुमार उर्फ गप्पू सिंह से बेतिया में जमीन दिलाने के नाम पर पश्चिम चंपारण जिले के इनरवा मैनाटाड़ थाना क्षेत्र के नगरदेही स्थित वार्ड संख्या दो के निवासी व प्रख्यात कथा वाचक स्वामी उपेन्द्र पराशर ने दो वर्ष के अंदर दो बार नगद व बैंक खाते में 65 लाख रुपए लिए थे। बाद में कथावाचक के द्वारा जमीन की रजिस्ट्री करने से इंकार कर दिया गया। जिसके बाद एमएलसी के द्वारा पैसे वापस मांगने पर कथा वाचक के द्वारा एक चेक दिया गया जो बाउंस कर गया। चेक बाउंस होने के बाद भाजपा एमएलसी ने थाने में आवेदन देकर कारवाई की मांग की है।

आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले किसानों से वसूल होगी सम्मान निधि की राशि

पिडित किसान ने जिला लोक शिकायत निवारण में दायर किया परिवाद

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि वैसे किसानों को वापस करनी होगी। जिन्होने आयकर रिटर्न दाखिल किया है। इतना ही नही वैसे किसानों का सम्मान निधि से मिलने वाला किस्त भी बंद कर दिया गया है। वही उनसे लिए गए राशि को वसूल करने की कारवाई कृषि विभाग के द्वारा शुरू कर दी गयी है।

इसी क्रम में कुचायकोट प्रखंड के विनोद खरेया गांव के किसान शत्रुधन कुमार प्रसाद ने जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी संजय कुमार के न्यायालय में परिवाद दायर किया है। जिस मामले की सुनवाई के क्रम में लोक प्राधिकार सह जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के वेबसाइट से ऑनलाइन स्थिति देखने पर प्रदशित हो रहा है कि आवेदक आयकर दाता है। जिसके कारण इनके सम्मान निधि भुगतान को रोक दी गयी है। वही पूर्व में भुगतान की गयी राशि की वसूली किया जाना है। जिसे भारत सरकार को वापस किया जाएगा। वही परिवादी ने बताया कि मैं आयकर का भुगतान नही करता हूं, बल्कि आयकर रिटर्न भरता हूं। लोक प्राधिकार ने यह भी बताया कि सॉफ्टवेयर में ऐसा कोई लिमिट विभाग के स्तर से निर्धारित नही है कि कितने लिमिट तक आयकर रिटर्न भरने वाले किसानों को सम्मान निधि की श्रेणी में रखा गया है। दोनो पक्षों को सुनने के बाद जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि आयकर रिटर्न भरने मात्र से ही किसानों को योजना के लाभ वंचित किया जाना उचित प्रतीत नही होता है। आयकर भरना हर नागरिक का कर्तव्य है। ऐसे में सॉफ्टवेयर में संसोधन की आवश्यकता प्रतीत होती है। जिसको लेकर उन्होने जिला कृषि पदाधिकारी भुपेन्द्र मणि त्रिपाठी को विभाग से पत्राचार करते हुए सॉफ्टवेयर में आवश्यक संसोधन करने के लिए आग्रह करने का निर्देश दिया है। ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना नही करना पडे। कृषि विभाग के इस सख्त आदेश से हजारों की संख्या में किसान सासत में पड गए है। देखना तो यह है कि जिला कृषि पदाधिकारी के पहल पर किसानों को किस हद तक राहत मिल पाती है।

बाल विवाह व बाल श्रम रोकथाम को लेकर चलेगा जागरूकता कार्यक्रम

डीएम ने प्रखंडवार किया तिथियों का निर्धारण, बीडीओ को दिया गया सफल आयोजन का निर्देश

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

बाल विवाह व बाल श्रम रोकथाम को लेकर प्रखंड स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना है। इसको लेकर डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी के द्वारा सभी बीडीओं व सभी सीडीपीओं को सफल आयोजन को लेकर निर्देशित किया गया है।

उन्होने कहा है कि सामेकित बाल संरक्षण योजना के तहत प्रखंड स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें बाल संरक्षण, परवरिस योजना के प्रति लोगो को जागरूक किया जाना है। राज्य बाल संरक्षण समिति एवं संचालित योजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

जिसके तहत प्रखंड मुख्यालय मांझा में चार फरवरी, कुचायकोट में आठ फरवरी, बरौली में 11 फरवरी, हथुआ में 14 फरवरी, सिधवलिया में 17 फरवरी, उचकागांव में 20 फरवरी, फुलवरिया में 24 फरवरी, भोरे में 27 फरवरी, पंचदेवरी में तीन मार्च, विजयीपुर में 11 मार्च बैकुंठपुर में 14 मार्च और कटेया में 18 मार्च को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का तिथि निर्धारित किया गया है। डीएम ने सभी बीडीओ को निर्देश देते हुए कहा है कि निर्धारित तिथि को होने वाले जागरूकता कार्यक्रम को लेकर प्रखंड के सभाकक्ष को आरक्षित रखेंगे। साथ ही साथ अपने स्तर से प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को अपने स्तर से कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर निर्देशित करेंगे। इतना ही नही जागरूकता कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने का निर्देश दिया गया है ताकि कार्यक्रम का आयोजन बेहतर ढंग से कराया जा सके।

सीएम के आगमन को लेकर डीएम ने परसौनी खास में चल रहे तैयारी का लिया जायजा

एडीएम सहित कई विभागों के पहुंचे अधिकारी, तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समाधान यात्रा के तहत गोपालगंज जिले में कार्यक्रम निर्धारित होने के बाद जिला प्रशासन प्रखंड के परसौनी खास पंचायत में पिपराही टोला के समीप तालाब के अधूरे पड़े सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर सक्रिय है। इसी क्रम में डीएम डॉ नवल किशोर चैधरी ने आला अधिकारियों के साथ प्रखंड के परसौनी खास तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। वहीं कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसी क्रम में शुक्रवार के दिन परसौनी खास तालाब पर पहुंचकर डीएम डॉ नवल किशोर चैधरी ने आला अधिकारियों के साथ तालाब के चारों तरफ चल रहे फेवर ब्लॉक पथ के निर्माण का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य पथ के सामानांतर तालाब के निमार्णाधीन चारदीवारी निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को फेवर ब्लॉक पथ और चारदीवारी के अलावा तालाब के चारों तरफ होने वाले पौधारोपण व सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसी क्रम मे डीएम ने पंचायत के पिपराही टोला में चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया।बताया जा रहा है कि 15 फरवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समाधान यात्रा के तहत गोपालगंज जिले के दो गांवों का भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित है। जिसके तहत मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी को लेकर उचकागांव प्रखंड के परसौनी खास गांव के समीप मुख्य पथ पर स्थित तालाब का लघु जल संसाधन विभाग के माध्यम से साढे 37 लाख रुपए की लागत से कराए गए जीर्णोद्धार कार्य को पूर्ण कराने के बाद तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से चल रहा है। मौके पर एडीएम सुनील कुमार, हथुआ एसडीएम राकेश कुमार, लघु जल संसाधन विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर आलोक सिंह, जिला परिषद के इंजीनियर अमरेंद्र कुमार सिंह, जिला मत्स्य विभाग, सिंचाई विभाग, पथ निर्माण विभाग, बिजली विभाग तथा परिवहन विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित थे। सीएम के आगमन को देखते हुए जिले के वरीय अधिकारियों के देखरेख में इस तालाब के सौंदर्यीकरण योजना को धरातल पर उतरने में अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधि लग गए हैं।

सार्वजनिक स्थलों से बच्चा गोद लेने पर एक लाख जुर्माना

जांच में गैर कानूनी पाये जाने पर होगी तीन साल की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। सार्वजनिक स्थलों से बच्चा गोद लेने पर एक लाख रुपए का जुमार्ना लग सकता है। वही जांच में गैर कानूनी ढंग से बच्चा गोद लिये जाने पर तीन साल की सजा का भी प्रावधान है। ऐसे में निःसंतान दंपति को अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बाजार, मेला, हाट व सडक किनारे से बच्चों को गोद लेना कानूनन अपराध है। ऐसी स्थिति में बच्चे को जिला बाल सरंक्षण इकाई व विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान से ही कानूनी रूप से गोद ले।

जिला बाल सरंक्षण पदाधिकारी सुधीर कुमार गोंड ने बताया कि अनाथ बच्चों को जहां तहां नही छोडे या सडक किनारें नही फेंके। अनाथ बच्चों को विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान को सौंप दें, जहां उनकी बेहतर ढंग से पालन पोषण हो सके। इतना ही नही उन्होने आम लोगो से अपील करते हुए कहा कि भूला-भटका, अनाथ व बेसहारा बच्चों को विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान को सौंप दें। विशिष्टि दत्तक ग्रहण संस्थान जिला मुख्यालय के हजियापुर चैक स्थित दुर्गा मंदिर के समीप है। जहां पर अनाथ बच्चों के लिए संस्थान में पालना लगे हुए है, जिस पलने में नवजात बच्चे को छोडा जा सकता है। उन्होने बताया कि नवजात बच्चे को पालना घर (विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान) में छोडने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

अनाथ व बेसहारा बच्चों को सही ढंग से पालन पोषण की व्यवस्था संस्थान के द्वारा किया जाता है। अनाथ बच्चों को सहारा देना पूण्य का कार्य होता है। इस पूण्य के कार्य में आम लोगो को बढ-चढ कर हिस्सा लेना चाहिए।

कानूनी रूप से बच्चा गोद देने की है व्यवस्थाः जिला बाल सरंक्षण इकाई व विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान के माध्यम से कानूनी रूप से बच्चा को गोद लिया जा सकता है। संस्थान में उपलब्ध बच्चों को इच्छुक दंपित कानूनी प्रकिया पूर्ण करते हुए बच्चा गोद ले सकते है। यह व्यवस्था सरकार की ओर से अनाथ व बेसहारा बच्चों के उचित देखभाल के लिए किया गया है। वही इस व्यवस्था से निःसंतान दंपति भी संतान सुख हासिल कर सकते है।

शिक्षकों के विलंब से आने पर स्कूली छात्रों ने किया हंगामा

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। सदर प्रखंड के एकडेरवां पंचायत के प्राथमिक मध्य विद्यालय मैनपुर में शुक्रवार को शिक्षकों के लेट से पहुंचने पर छात्रों व ग्रामीणें ने जमकर हंगामा किया। 10 बजे गए थे और कोई भी शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे थे, जिसके कारण बच्चे हंगामा करने लगे। हंगामा सुनकर ग्रामीण भी विद्यालय पहुंच गए। इस पर छात्रों का कहना था कि हमलोगों को शिक्षक 9 बजे विद्यालय आने कहते हैं और खुद वे लोग 10 बजे के बाद विद्यालय पहुंचते हैं। छात्रों ने शिक्षकों पर कई गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय की स्थिति काफी खराब है। शिक्षक सही समय पर नहीं पहुंचते हैं और ना ही बच्चों को पढ़ाने में ध्यान देते हैं। वही जब 10 बजे विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवध बिहारी सिंह पंहुचे तो ग्रामीणें पर ही रोब झाडने लगें। उनके रोब झाडने व दंबगई का विडियों भी सोशल मिडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसमें वे कहते हुए दिख रहे है कि अगर वे चाहे तो 20 लाख रुपए देकर आजीवन इसी विद्यालय में रह सकते है। इस संबध में जब जिला शिक्षा पदाधिकारी राज कुमार शर्मा से पूछा गया उनका कहना था कि मामले की जांच कराकर दोषी शिक्षक पर कारवाई की अनुशंसा की जाएगी। अब देखना यह है कि दंबग प्रधानाध्यापक पर कारवाई होती है या उनके बीस लाख रुपए खर्च की बात सही साबित होती है।

दूसरी बार शराब पीने पर युवक को एक साल के लिए भेजा गया जेल

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के भोरे थाने की पुलिस ने दूसरी बार शराब पीकर हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। जिसे नए संशोधित शराबबंदी कानून के तहत एक साल के लिए जेल भेज दिया गया। बता दें कि नए कानून में पहली बार शराब पीने पर 2000 से 5000 तक का जुमार्ना लगाए जाने का प्रावधान किया गया है। अगर वही व्यक्ति दूसरी बार शराब पीकर हंगामा करता है, तो उसे एक साल के लिए जेल जाना होगा। बताया जाता है कि भोरे चारमुहानी पर एक युवक शराब पीकर हंगामा कर रहा था। जिसकी सूचना एसआई संपूणार्नंद को मिली थी। संपूणार्नंद ने मौके पर से युवक को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान भोरे वायरलेस मोड़ के गोपाल कुमार के रूप में की गई। पुलिस ने ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच कराई, तो शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे एक साल के लिए जेल भेज दिया गया। बता दें कि 15 अक्टूबर को भी गोपाल को उत्पाद विभाग गोपालगंज की टीम द्वारा शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया था। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि शराब के नशे में हंगामा करते एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। जिसे एक साल के लिए जेल भेज दिया गया है।

थावे पुलिस ने शराब के साथ तीन महिला सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के थावे थाने की पुलिस ने संध्यागस्ती में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शराब के विशेष छापेमारी अभियान के तहत छापेमारी कर शराब के साथ तीन महिला सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित नगर थाना के सेमरा पूरब टोला के लालमुनि देवी के पास से 33 टेट्रा पैक और संजू देवी के पास से 42 टेट्रा पैक ,उचकागांव थाना के पिपराही गांव के सुनैना देवी के पास से 37 टेट्रा पैक, यादोपुर थाना के निरंजना गांव के जितेन्द्र यादव के पास से 60 टेट्रा पैक, विदेशीटोला गांव के ईश्वर यादव के पास से 40 टेट्रा पैक और मिथलेश कुमार साह उर्फ करीमन के पास से 38 टेट्रा पैक कुल 250 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार छह आरोपितों से पूछताछ के बाद उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मजदूरी का पैसा मांगने पर ठेकेदार ने मजदूर को पीट-पट कर मार डाला

परिजनों ने ठेकेदार के दरवाजे पर शव रख कर लगायी न्याय की गुहार

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के थावे थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के एक मजदुर की हैदराबाद में मजदुरी मांगने पर ठेकेदार के द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। मजदुर की हत्या के बाद शुक्रवार को परिजनों ने मजदूर के शव को ठेकेदार के दरवाजे पर रखकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। बताया जाता है कि नरायणपुर गांव के शिव प्रसाद साह के चार पुत्र जिसमे तीन पुत्रों की पहले ही मौत हों चुकी है। परिवार का मात्र कमाउ सदस्य जो मजदुरी कर पुरे परिवार का पालन पोषण करता था। मजदुर गांव के ही ठेकेदार संजीत मिश्रा और रंजीत सिंह यहां हैदराबाद में मजदुरी करता था। स्वजनों का आरोप है कि मृतक जादो लाल के द्वारा एक फरवरी को दो माह के बकाये मजदुरी की मांग की गयी। जिससे नराज दोनों ठेकेदारो ने मजदुर की बेहरमी से लाठी डंडे से पीटायी कर दी। स्थानीय लोगों ने हैदराबाद शहर के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के क्रम मजदूर की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर स्वजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी लालमुनी देवी ने बताया की दो लड़के आकाश कुमार और पवन कुमार, तथा दो पुत्री ज्योति कुमारी और मधु कुमारी है। वहा हैदराबाद पुलिस द्वारा पोस्टमॉर्टम कराने के तीन दिन बाद शव शुक्रवार को नारायणपुर गांव पहुंचा। शव पहुचते ही उग्र ग्रामीणों ने शव को ठेकेदार संजीत मिश्रा के दरवाजे पर रखकर न्याय की गुहार लगाने लगे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थावे पुलिस ने न्याय दिलाने का आश्वासन देते हुए मामले को शांत कराया। पुलिस के देख रेख में मजदुर के शव का दाह संस्कार कराया गया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया की मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्रों को अज्ञात वाहन ने कुचला, एक की मौत

गोपालगंज। जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के बोकवा पुल के समीप इंटर की परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्रों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि दुसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगो की मदद से घायल छात्र को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जंहा चिकित्सकों ने स्थिति को नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मृतक की पहचान प्रभु गोंड के 22 वर्षीय पुत्र आशु कुमार के रूप में की गयी है। वहीं घायल हरे राम पांडे का पुत्र गोलू पांडे बताया गया है। बताया जाता है कि गोपालपुर थाना क्षेत्र के मदारचक गांव के आशु कुमार और गोलू पांडे बाइक पर सवार होकर हथुआ स्थित परीक्षा केंद्र से इंटर के परीक्षा देकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गोपालपुर थाना क्षेत्र के बोकवापुल के समीप अनियंत्रित वाहन ने कुचल दिया। स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल इलाज के लिए दोनों युवकों को कुचायकोट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां दोनों को स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल पहुंचते की आशू कुमार की मौत हो गयी। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को सौंप दिया। जबकि गोलू की स्थिति गंभीर होते देख डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया।

फाइलेरिया से बचाव को लेकर बीडीओ ने किया बैठक

गोपालगंज । जिले के मांझागढ़ प्रखंड कार्यालय के सभागार में फाइलेरिया से बचाव हेतु कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बीडीओ ने बैठक आयोजित किया। विदित हो कि फाइलेरिया से बचाव को लेकर आगामी 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर शुक्रवार को मांझागढ़ प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी बिडडू कुमार राम के नेतृत्व में प्रखंडस्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गयी।

जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने आये हुए लोगो की समस्याओं को बारीकी से सुना

प्रात : किरण संवाददाता

गया। इंटरमीडिएट परीक्षा के कारण स्थगित जनता दरबार के बावजूद समाहरणालय में आए कई अपीलार्थियों को खड़े देख जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने आये हुए लोगो की समस्याओं को बारीकी से सुना।समाहरणालय में आये लगभग 100 आवेदकों से उनकी मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है।जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास / मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने वरीय उप समाहर्ता अमृता ओशो को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री/ मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए। उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी तथा थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए। जनता दरबार में जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम 7 दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी/ पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे। जनता दरबार में कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए खिजरसराय, नगर, बोधगया, फतेहपुर, बथानी सहित अन्य अंचल के व्यक्ति ने परिमार्जन के संबंध में आवेदन देने पर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें। जनता दरबार के सुनवाई में आपदा विभाग के तहत विभिन्न लंबित आवेदन के विरुद्ध जांच करते हुए जिला आपदा पदाधिकारी उसे तेजी से अनुपालन करवाये। जनता दरबार में बिजली विभाग के बिजली बिल ज्यादा आने, घर का बिजली कनेक्शन जोड़ने सहित अन्य मामले पर जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता बिजली पदाधिकारी को प्राप्त आवेदनों को जांच करते हुए अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली बिल ज्यादा आना तथा एवरेज बिल आना इत्यादि के मामले ज्यादा आ रहे हैं, जिला पदाधिकारी ने कहा कि उस एरिया के संबंधित जे०ई० से जांच करवाएं तथा खराब बिजली मीटर को बदलवाने का कार्य करे। जहां भी ज्यादा बिल आने की शिकायत है उसे जांच करवाकर मीटर बदले।

संक्षिप्त खबरें

एसएच 73 मुख्य सड़क पर छात्र को यात्री बस ने कुचला, मौके पर मौत

तरैया। थाना क्षेत्र के नंदनपुर एसएच 73 मुख्य सड़क पर कोचिंग से लौट रहे एक छात्र को यात्री बस कुचल कर फरार हो गया।जिससे घटनास्थल पर ही छात्र की मौत हो गई।मृतक समीर कुमार महतो का 10 वर्षीय पुत्र मंटू कुमार उर्फ हरमन था। जो नंदनपुर बाजार से कोचिंग पढ़ कर अपने घर लौट रहा था कि मढ़ौरा की ओर से आ रही एक यात्री बस ने छात्र को कुचल कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि धनवीर कुमार सिंह बिक्कु,सरेया रत्नाकर मुखिया तारकेश्वर सिंह,उपप्रमुख प्रतिनिधि पिंटू कुमार के साथ थानाध्यक्ष मो शोएब आलम अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर मौजूद थे।थानाध्यक्ष ने परिजनों को कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिए।मृतक तीन भाई बहनों में दूसरा था। इस घटना से पिता व मां सोना देवी,भाई आर्यन व दादा लगन महतो का रो रो कर बुरा हाल है।वही इस घटना से पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है।

बाइक चोर गिरोह का मसौढ़ी पुलिस ने किया खुलासा

मसौढ़ी। पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली बाइक चोर गैंग का पदार्फाश कर लिया है। इस गैंग के सरगना सहित आठ लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस दौरान मसौढ़ी पुलिस ने चोरी की चौदह गाड़ियों को बरामद किया है। वही इस ऑपरेशन में गुप्तचर एवं तकनीकी अनुसंधान के मदद से यह कामयाबी मिली मसौढ़ी थाना अंतर्गत बदरोई गांव से बारह गाड़ी मिली वही कुशवन थाना धनरूआ से दो मोटरसाइकिल बरामद किया है गिरफ्तार लुटेरों में सतीश कुमार सूरज कुमार राजेश कुमार सतीश कुमार रामास्वारथ यादव अभिमन्यु कुमार अविनाश कुमार अतुल शाह है ऐ सब बाइक लुटेरे पहले चेन्नई जाकर बाइक लूटा करते थे बिहार आकर विभिन्न जिलों में बाइक लूट कर बेच दिया करते थे।

एशियाई जलीय पक्षी गणना का कार्य शुरू

भागलपुर। नवगछिया अनुमंडल सहित आस पास के क्षेत्रों में एशियाई जलीय पक्षी गणना की शुरूआत की गयी। गणना का नेतृत्व वन संरक्षक एस सुधाकर कर रहे थे, जबकि मौके पर डीएफओ भरत चिन्तापल्ली, पशु चिकित्सा पदाधिकारी संजीत कुमार, ज्ञानचंद्र ज्ञानी, डॉ प्रो सुनील चौधरी, वन क्षेत्र पदाधिकारी पृथ्वीनाथ सिंह, अमन कुमार, पूनम कुमारी मौजूद थे। वही पदाधिकारी द्वारा पक्षी जनगणना को लेकर जानकारी दी गयी है कि वन विभाग टीम ने गोपालपुर के डिमहा, नवगछिया के कटिया धार, गोपालपुर के गंगा प्रसाद झील, खगड़िया के पसराहा के इलाके में पक्षियों के गणना कार्य किया गया है। वही जगतपुर में भी गणना किया जाएगा। आगामी 10 फरवरी तक इस कार्य को समाप्त कर लेना है। पदाधिकारियों ने बताया कि उक्त गणना से पक्षियों की सही संख्या में बारे में पता चलेगा। जानकारी दी गयी है कि इस कार्य के बाद जलीय जीव डोल्फिल की भी गणना की जाएगी।

ट्रक और टेम्पु के सीधी टक्कर में एक की मौत , सात लोग गंभीर रूप से घायल

गंगटा मोड़ (मुंगेर)। गंगटा थाना क्षेत्र के रंगनाथ उच्च विद्यालय के समीप मंगलवार देर शाम ट्रक और टेंपो में टक्कर हो गई .इस घटना में मधैयाचक चक गांव निवासी पप्पू सिंह की मौके पर मौत हो गई है . वही टैंपू में सवार अन्य लोगों को हॉस्पिटल भेजा गया है . घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जमुई दिशा से आ रही है ट्रक और खड़गपुर दिशा से जा रहे हैं टेंपो में सीधी टक्कर हो गई. जिसमें यात्री निरंजन कुमार गंगटा, बहादुर पंडित घोघलाडीह, स्नेह लता देवी गंगटा, संजू देवी सरकटिया, शकुंतला देवी सरकटिया , ऑटो ड्राइवर छोटू यादव भैया राम टोला खड़गपुर तथा एक अन्य व्यक्ति इस दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हो गए . सभी घायलों का प्राथमिक उपचार हवेली खड़गपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया तथा घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु भागलपुर रेफर कर दिया गया। घंटा थाना अध्यक्ष सुनील साहनी ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा ट्रक चालक और उप चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है।

भाकपा कार्यकर्ताओं ने किया पुतला दहन

केंद्रीय बजट 2023 के विरुद्ध भाकपा का प्रति रोध मार्च एवं पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी छपरा नगर परिषद की ओर से केंद्र सरकार के वित्त मंत्री द्वारा संसद में पेश मजदूर विरोधी ,किसान विरोधी,एवं मध्य वर्गी विरोधी बजट के खिलाफ भगवान बाजार में प्रतिरोध मार्च भाकपा जिला कार्यवाहक रामबाबू सिंह एवं नगर सचिव सुरेश वर्मा के नेतृत्व में प्रतिरोध मार्च निकाला गया और जनविरोधी बजट वापस लो, महंगाई पर रोक लगाओ,बेरोजगारी दूर करो आदि गगन भेदी नारे लगाए गए।मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी पुतला फूका गया। आयोजित सभा को सम्बोधित

करते हुए भाकपा नेता रामबाबू सिंह ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन द्वारा पेश किया गया केंद्रीय बजट में बेरोजगारी एवम एवम महंगाई मिटाने के लिए कोई चर्चा नहीं है मनरेगा की राशि पिछले वर्ष की तुलना में घटा दी गई खाद बीज एवम कीटनाशक दवाओं में सब्सिडी कम कर दिया गया है एमएसपी को कानूनी दर्जा नही दिया गया। अतः यह बजट जनवीरोधी है सरकार इसे तुरंत वापस करे अन्यथा आंदोलन को तीव्र किया जाएगा। उक्त मौके पर रामबाबू सिंह,नगर सचिव सुरेश वर्मा, चूल्हान प्रसाद सिंह,रमेश ठाकुर,जवाहर लाल मिश्रा, भदई राम युवा नेता दिलीप वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एक नवविवाहिता को ससुराल वालो ने ही हत्या की वारदात को अंजाम दे दिया खुदकुशी करने की वारदात को अंजाम

बाथ थाना पुलिस दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुचकर, मृतिका के शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। सुलतानगंज के बाथ थाना क्षेत्र के खानपुर पंचायत के वार्ड 2 में एक नवविवाहिता को घरेलू विवाद के कारण उनके ही घर के लोगों ने गले में फंदा डाल कर हत्या कर दिये जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर फुफेरा भाई अंकित कुमार ने बताया कि हमारी बहन मोनिका कुमारी करसौप गाँव के रहनेवाली है, विगत छः माह पुर्व खानपुर पंचायत के रहनेवाले परसुराम मंडल के पुत्र नीतीश कुमार से शादी हुई

थी, जो घरेलू विवाद होने पर मोनिका कुमारी को गुरुवार के दिन देररात घर पर उनके परिवार के लोगों ने गले में फंदा डाल कर फांसी की वारदात को अंजाम दिया है। वही उन्होंने बताया कि बहन मोनिका की शादी के बाद पुर्व में ससुराल पक्ष के लोगों ने पांच लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर मेरी बहन मोनिका कुमारी के साथ उसके पति नीतीश कुमार द्वारा दारू पिकर मारपीट करते थे। वही जब पांच लाख रुपये दहेज की रकम मांग पूरी नहीं करने पर नीतीश कुमार एंव उनके घर के ही लोगों ने मेरी बहन मोनिका कुमारी को गला में फांसी लगाकर हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए खुदकुशी की वारदात जैसी घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। इस घटना कि जानकारी परिजनों के द्वारा पुलिस को देने पर घटना स्थल पर पुलिस पहुचकर कर शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए मायागंज अस्पताल भेज दिया है। वही पुलिस घटना कि छानबीन में जुट गई है। इस मामले बाथ थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार ने बताया कि परिजनों के द्वारा अबतक कोई आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन देने पर कानूनी कार्रवाई की बात कही गई।

अंचलाधिकारी के विरुद्ध कार्यवाई को लेकर विभाग को भेजा रिपोर्ट

सीओ को कार्यशैली पर सुधार लाने के साथ जल्द से जल्द लंबित मामलों को निपटाने के दिये थे निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता।

नाथनगर (भागलपुर)। सीओ के खिलाफ प्रशासन के द्वारा रिपोर्ट भेजें जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नाथनगर की सीओ स्मिता झा के खिलाफ गठित आरोप पत्र पर उनके जवाब पर जिला प्रशासन की ओर से मंतव्य रिपोर्ट भूमि सुधार व राजस्व विभाग को भेजी गई। इसमें मुख्य रूप से सीओ पर 4 आरोप लगे हैं, जिसका उन्होंने जवाब दिया था। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विगत 27 अप्रैल 2022 को डीडीसी के निरीक्षण के दौरान दाखिल खारिज के मामले का निपटारा पहले आओ और पहले निपटा दो कि दर्ज पर नहीं किया गया है, साथ ही अंचल में सरकारी भूमि के अच्छा

मामला लंबित प्रकरणों में लटका हुआ है, उक्त मामले को लेकर उन्होंने कहा था कि में यहां पर हूं लेकिन मैं सिर्फ एक ही मामला का निपटारा किया गया था। वही भूमि मापी के तहत 10 आवेदन पेंडिंग पाए गए थे। उक्त मामले पर जल्द कार्रवाई करने हेतू जमीन मापी के लिए लंबा आवेदन को निपटाने के लिए बहुत कम समय दिया था, इसके बाद भी मामले का निपटारा नहीं होने से भूमि विवाद की समस्या उत्पन्न हो गई थी। वही जांच अधिकारियों द्वारा कहा गया था कि लोगों की शिकायत रहती है कि आप समय पर कार्यालय नहीं आती है और ना ही वहां पर मिलती है। इन सारे आरोप पर सीओ ने अपना जवाब दिया था। उनके स्पष्टीकरण पर एडीएम ने मंतव्य देते हुए संबंधित जारी रिपोर्ट विभाग को भेज दिया है।

टीएमबीयू के केमिस्ट्री विभाग में इंडियन केमिकल सोसायटी भागलपुर के द्वारा दो दिवसीय सेमिनार आयोजित

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में इंडियन केमिकल सोसायटी भागलपुर केमेस्ट्री विभाग के द्वारा केमिकल व केमिस्ट्री से संबंधित दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम के पहले दिन विशेष लेक्चर के साथ प्रारंभ हुआ, सेमिनार में विशेष लेक्चर के लिए डॉ. डीसी मुखर्जी और सुदीप दास उपस्थित हुए हैं। वही चेकोस्लोवाकिया के गौरव कुमार भी छात्रों को संबोधित करेंगे। वही इस कार्यक्रम के माध्यम से जर्मनी और जापान के प्रोफेसर अतुक शु का ऑनलाइन वर्चुअल लेक्चरर भी होना है, साथ ही पटना से सुजय कुमार सावंत शांतिनिकेतन के प्रोफेसरों ने चौधरी पुणे के समर राय के अलावे कई विशेष प्रवक्ता भागलपुर केमिस्ट्री विभाग के इस सेमिनार में पहुंच कर अपने ज्ञान की साझेदारी करेंगे। गौरतलब हो कि केमिस्ट्री विभाग के केमिकल सोसायटी का यह शताब्दी समारोह है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केमिस्ट्री से छात्रों का लगाओ कैसे बड़े एवं दुनिया में नई चीजों का क्या आविष्कार हुआ है, वह जानकरी मिल सके।

आभूषण दुकान का ताला काट 50 हजार नगदी व जेवरात उड़ा ले गए चोर

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। नाथनगर थाना क्षेत्र के दुकान में चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि बीती देर रात कलबलिया पुल के समीप मथुरापुर रोड स्थित एक आभूषण दुकान में अज्ञात चोरों ने बंद शटर का ताला काट करीब 50 हजार नगदी व सोने चांदी के बने कई आभूषणों की चोरी की वारदात को अंजाम दे ले उड़ा है। इस बाबत आभूषण दुकानदार मिरजान हाट निवासी सूरज कुमार ने नाथनगर थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी देते हुए मामला दर्ज कराया है। वही पीड़ित सूरज ने दिए आवेदन में लिखा है की बीते बुधवार की रात करीब साढ़े आठ बजे हम अपना दुकान बंद कर अपना घर मिरजान चले गए थे। वही जब गुरुवार की अहले सुबह मामले को

लेकर मकान मालिक ने फोन करके सूचना दी की, तुम्हारे दुकान में चोरी हुई है, चोर ने शटर में लगे ताला को काट कर घटना को अंजाम दिया है। सूचना मिलते ही मैं आनन फानन में दुकान पर पहुंचा तो देखा कि शटर में लगे चारो ताला को चोर ने काट दिया है, और काउंटर में रखे 50 हजार नगदी व सोने चांदी के बने निर्मित व अर्धनिर्मित कई जेवरात गायब हैं।

घटना को अंजाम देकर भागते चोर की तस्वीर सीसीटीवी में हुई कैद: घटना के बाद दुकान पर पहुंचे दुकानदार ने जब सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो उसमे दो चोर घटना को अंजाम देकर भागते हुए दिख रहे हैं। वही पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए घटना की जांच में जुट गयी है, साथ ही प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संबंधित चोर की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी की कार्रवाई करने में लग गयी है।

मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रख कर बनाए गए बूथ: डीएम

स्नातक हेतु कुल 31 और शिक्षक हेतु कुल 20 बूथ बनाए गए हैं

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदाताओं की संख्या और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए बूथ बनाए गए हैं। उक्त बातें डीईओ सह डीएम राजेश मीणा ने राजनीतिक दलों के साथ बूथ अनुमोदन हेतु आयोजित बैठक में कहीं। उन्होंने समाहरणालय सभागार में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि चुनाव आयोग के निदेशानुसार 800 से 1400 मतदाताओं की संख्या पर बूथों का निर्धारण करना था।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए सारण जिला में कुल मतदाताओं की संख्या 30 हजार 387 है। इसके अनुसार 20 मूल एवं 11 सहायक मतदान केन्द्र सहित कुल 31 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। छपरा शहर के अनुमंडल कार्यालय में दो एवं नगर निगम छपरा में दो मतदान केन्द्र की स्थापना की गयी है। जबकि एकमा,

मांझी, बनियापुर, गरखा, मढौरा, सोनपुर, दिघवारा और दरियापुर में बीडीओ चेंबर के अलावा एक-एक सहायक बूथ बनाए गए हैं।

सहायक बूथ को भी प्रखंड कार्यालय कैम्पस में ही रखा गया है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 3306 औपबंधिक मतदाताओं के लिए कुल 20 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। छपरा सदर के लिए डीसीएलआर और प्रखंडों के लिए सीओ चेंबर को बूथ बनाया गया है। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पर सहमति जतायी। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल, कांग्रेस के डॉ कामेश्वर सिंह, भाजपा के रामदयाल शर्मा, जदयू के मो फिरोज, लोजपा के दीपक कुमार सिंह, राजद के उपेंद्र कुमार, बसपा के चंद्रप्रकाश राम, सीपीएम के बटेश्वर महतो सहित निर्वाचन कार्यालय के कर्मी आदि उपस्थित थे।

शव पहुंचते ही मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

माँझी। माँझी के मुबारकपुर में मृतक अमितेश कुमार सिंह का शव पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों के रुदन कुंदन से मामला गमगीन हो गया। शव पहुंचते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए तथा पुलिस को वापस लौटने की मांग करने लगे। हालाँकि सदर एसडीपीओ एमपी सिंह के नेतृत्व में पांच घण्टे तक पुलिस मृतक के दरवाजे पर जमी रही। परिजन आरोपी मुखिया प्रतिनिधि विजय यादव को गिरफ्तार करने तथा एसपी को बुलाने की मांग कर रहे थे। हालाँकि सदर एसडीओ अरुण कुमार के मौके पर पहुँचकर समझाने बुझाने के बाद परिजन शांत हो गए। परिजनों ने वरीय पदाधिकारियों से मामले का अनुसंधान सदर एसडीपीओ से कराने माँझी थाना परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने तथा दर्ज प्राथमिकी में मुखिया आरती देवी का नाम शामिल किये जाने की मांग कर रहे थे। मृतक के पिता जयप्रकाश सिंह ने आरोप लगाया कि मुखिया प्रतिनिधि तथा समर्थक कमरे में बन्द कर मारते पीटते रहे और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। बताते चलें कि गुरुवार की शाम स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि विजय यादव के मुगार्फार्म पर कथित रूप से फायरिंग करने तथा बाद में मुखिया समर्थकों द्वारा कमरे में बन्द कर

पिटाई किये जाने के कारण मुबारक पुर निवासी अमितेश कुमार सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके अलावे बुरी तरह जख्मी राहुल कुमार सिंह तथा विक्की कुमार सिंह अभी भी पटना में जीवन और मौत से जूझ रहे हैं। इधर मृतक के पिता के बयान पर माँझी थाने में दर्ज कर ली गई हैं। दर्ज प्राथमिकी में पांच नामजद तथा 50 अज्ञात को आरोपित किया गया है। दर्ज प्राथमिकी में यह कहा गया है कि मुखिया पति विजय यादव द्वारा एक साजिश के तहत सिधरिया टोला स्थित अपने मुगार्फार्म पर बुलाकर तीनो युवकों की बेरहमी से पिटाई कराई गई जिसमें अमितेश कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा एक पुत्री भी है। उधर पदाधिकारियों ने घटना स्थल पर भी पहुंचकर लोगों से पूछताछ की। मृतक के दरवाजे पर गांव के लोगों के अलावा पूर्व उप प्रमुख रामकृष्ण सिंह पूर्व मुखिया विजय सिंह सुरेन्द्र कुमार सिंह तथा जदयू नेता निरंजन सिंह आदि भी समझाने बुझाने में जुटे रहे।

सफाई में लापरवाही बरतने वालें को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : इंदु देवी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। महापौर इंदु देवी व नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत ने तीसरे दिन नगर निगम सभागार में वार्ड जमादारों व सुपरवाइजर का बैठक किया। बैठक में शहर के सफाई व्यवस्था पर चर्चा की साथ ही साथ महापौर इंदु देवी ने एक एक कर वार्ड जमदार व सुपरवाइजर से सफाई व कचरा डंप में आने वाले समस्याओं पर बात की। सभी जमादारों ने संसाधन अभाव व कचरा डंपिंग की समस्या से अवगत कराया। बैठक के दौरान महापौर इंदु देवी ने कहा की शहर के स्वच्छता व सौंदर्यकरण पर मैं काम करूगीं। उन्होंने कहा की जनता के सपने साकार करना प्राथमिकता है जिसमें शहर का सफाई, नाली उड़ाही, जल जमाव, अतिक्रमण जैसा गंभीर मुद्दे पर प्राथमिकता के साथ काम होगा। और सफाई में किसी प्रकार का लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।वहीं बैठक में

नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत ने कहा की नगर निगम तीन गाड़ियों का क्रय किया हैं जो शहर के सब्जी गोला बजार समिति जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर गाड़ी रखी जाएगी जिसमें दुकानदार गीला कचरा डाल सकते हैं। और उस कचड़े से कंपोस्ट बनाया जाएगा जिससे सफाई को भी बल मिलेगा। वहीं उन्होंने कहा की अनुपस्थिति कर्मी का वेतन कटा जाएगा। साथ ही स्वच्छता के स्वच्छता के प्रति जागरूकता हेतु जगह जगह बैनर लगाया जाएगा। बैठक लगातार तीन दिन चला जिसमें सफाई निरिक्षक रजनीश कुमार चौधरी, मो तंमजीद, राकेश कुमार सभी वार्ड जमदार व सुपरवाइजर उपस्थित थें।

अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय स्थापना को लेकर अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। खड़गपुर अनुमंडलीय स्तरीय व्यवहार न्यायालय की स्थापना को लेकर खड़गपुर विधिक संघ के महासचिव गणेश तांत अध्यक्ष सकलदेव कुमार कोषा अध्यक्ष जयप्रकाश साह एवं करीब दो दर्जन अधिवक्ताओं ने अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य कुमार झा के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है।

अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी के कक्ष में अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य कुमार झा को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि खड़गपुर अनुमंडल की स्थापना के 32 वर्ष से अधिक समय बीत गए हैं आज तक खड़गपुर अनुमंडल स्तरीय व्यवहार न्यायालय की स्थापना नहीं किया जा सका है जबकि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बावजूद अनुमंडल स्तरीय व्यवहार न्यायालय की स्थापना नहीं हो सका है इसके कारण अनुमंडल क्षेत्र की जनता को त्वरित न्याय नहीं मिल पाता है वही अत्यधिक परेशानी एवं खर्च का यहां के लोगों को सामना करना पड़ रहा है खड़गपुर विधिक संघ के महासचिव श्री तांती ने कहा कि खड़गपुर अनुमंडलीय स्तरीय व्यवहार न्यायालय के लिए स्थान और संबंधित अन्य सुविधा उपलब्ध रहने के बावजूद स्थापना में उपेक्षा के कारण अनावश्यक विलंब जानबूझकर किया जा रहा है महासचिव ने कहा कि खड़गपुर क्षेत्र की जनता को उपेक्षा के कारण हो रही परेशानी से उनके बीच आक्रोश व्याप्त है श्री तांती ने कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी खड़गपुर विधिक संघ की ओर से कई बार स्मार पत्र दिया जा चुका है। अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य कुमार झा ने बताया कि विधिक संघ खड़गपुर के अधिवक्ताओं द्वारा एक ज्ञापन सौंपा गया है मैं इसे माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि अनुमंडल प्रशासन की ओर से अनुमंडलीय स्तरीय व्यवहार न्यायालय स्थापना के संम्वंध में रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी सहित जिला दंडाधिकारी को पूर्व में ही सौंपा जा चुका है।

गेहूं - मकई पटवन के लिए नहर में नहीं छोड़ा गया है पानी , तारापुर की दोनों नहरें पानी बिना सूखा

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। नहींतारापुर असरगंज एवं संग्रामपुर प्रखंड में इन दिनों किसानों को गेहूं, मकई, चना ,मसूर , सहित बड़े हिस्सों में लगाए गए गरमा सब्जी की खेती को लेकर नहर में पानी नहीं रहने के कारण सिंचाई के लिए किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।

किसानों के अनुसार अनुमंडल क्षेत्र में लगभग 12 हजार हेक्टेयर ,से अधिक कृषि योग्य भूमि में किसानों ने बड़े ही मेहनत के साथ इस वर्ष गेहूं ,मकई , चना, मसूर ,दलहन, सहित गरमा सब्जी की खेती किया है । बताते चलें कि पिछले 10 वर्षों के बाद क्षेत्र में गेहूं मकई चना मसूर एवं दलहन की फसल काफी बेहतर होने की चर्चा छोटे- बड़े किसानों के बीच हो रही है । पैक्स अध्यक्ष रवि रंजन कुमार, किसान प्रकाश यादव जलधर यादव ,इत्यादि ने बताया कि गेहूं की सिंचाई अब तक मात्र एक बार ही किसानों ने किया है। आगे बताया कि गेहूं पकने के पूर्व तक किसानों को दो बार मुख्य रूप से गेहूं का पटवन करना है । जबकि सिंचाई प्रमंडल तारापुर ने बदुआ जलाशय के माध्यम से नहर में अब तक पानी नहीं छोड़ा है । जिसकी चिंता अभी से ही किसानों को सताने लगी है। इधर क्षेत्र के कई बड़े किसानों में गीता प्रसाद सिंह पूर्व मुखिया प्रतिनिधि समीर मधुकर नीतीश कुमार निराला इत्यादि ने बताया कि बदुआ जलाशय से सिंचाई के लिए समय से नहर में पानी नहीं छोड़ा गया तो इसका गहरा असर फसल पर पड़ना तय है। किसानों के बीच यह भी चिंता है कि समय से सिंचाई नहीं हुई ,तो फसल पर विभिन्न तरह की बीमारी का प्रभाव भी पड़ सकता है ।

कहते हैं कार्यपालक अभियंता: अजय कुमार सिंचाई प्रमंडल तारापुर बताते हैं कि रब्बी फसल सिंचाई के लिए जलाशय में पर्याप्त पानी है । जहां बारी - बारी से दोनों ही नहरों में पानी पटवन के लिए छोड़ा जाएगा ।

पीरौटा से नागपुर सड़क को 3 फीट ऊंचा कर बनाने हेतु जाँच का आदेश

आरा सिन्हा मुख्य मार्ग पीरौटा मोड़ से नागपुर तक करीब ढाई किलोमीटर लम्बे सड़क को 3 फीट ऊंचा तथा चौड़ा कर बनाने की मांग सरपंच संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश बाबा ने की है। तथा इसके लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला पदाधिकारी को एक ज्ञापन दिया गया था जिसमें जिला पदाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि अविलंब सड़क का निर्माण करवाएंगे। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी की तरफ से कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग 1 को निर्देशित किया गया था। जिसको कार्यपालक अभियंता ने सहायक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग अवर प्रमंडल आरा को आदेश दिया है कि पिरौटा से नागोपुर सड़क का विधिवत जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करें। अखिलेश बाबा ने बताया कि थोड़ा सा भी बाढ़ का पानी आ जाता है तो पूरा सड़क पानी में डूब जाता है तथा हजारों की संख्या में लोगों का यातायात बाधित हो जाता है। जिसके चलते काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरे बाढ़ तक पीरौटा तथा नागोपुर दोनों गांव का नजारा टापू जैसा बन जाता है। उन्होंने कार्यपालक अभियंता से मिलकर सड़क को 3 फीट ऊंचा कराने का भी आग्रह किया जिस पर कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया कि रोड को जांच करने का जिम्मा सौंप दिया गया है। तथा इसे जल्द से जल्द प्रक्रिया में लाया जाएगा। इसके साथ ही पीरौटा ब्रम्ह बाबा से छठ घाट तथा पंचायत भवन तक एवं बिलर यादव के बगीचा से लेकर ठाकुरबारी तक सड़क बनाने का जीमा जिला पदाधिकारी ने डीडीसी को सौंपा है।

शूटिंग शुरू होते ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई थलापति 67

हाल ही में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही फिल्म वरिसु देने वाले अभिनेता थलापति विजय की अगली फिल्म, जो अभी थलापति 67 के नाम से, चर्चाओं में है के बारे में कहा जा रहा है कि इस फिल्म ने अपनी शूटिंग शुरू होते ही कमाई के रिकॉर्ड स्थापित करना शुरू कर दिए हैं। अभी इस फिल्म की कश्मीर में शूटिंग चल रही है। प्रोडक्शन हाउस सोशल मीडिया पर अपडेट जारी कर रहा है और अब सबसे गर्म खबर यह है कि थलापति 67 के अधिकार – ओटीटी और सैटेलाइट – रिकॉर्ड कीमत पर बेचे गए हैं।

बताया जा रहा है कि थलापति 67 के ओटीटी अधिकारों को नेटफ्लिक्स ने 120 करोड़ रुपये में खरीदा है और उपग्रह अधिकारों को सन टीवी ने 80 करोड़ रुपये में खरीदा है। इससे पूर्व बीती 1 फरवरी को सोनी ने 16 करोड़ रुपये में ऑडियो अधिकार खरीदे हैं। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि विदेशी अधिकारों को अब तक नहीं बेचा गया है। इसका मतलब है कि थलापति 67 ने फिल्म के प्रदर्शन से पूर्व ही 216 करोड़ की रिकॉर्ड कमाई अपने नाम कर ली है। यह स्पष्ट रूप से किसी फिल्म के लिए भुगतान की जाने वाली उच्चतम राशियों में से एक है। हालांकि इन आंकड़ों के बारे में निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। यह नंबर फिल्म निर्माताओं द्वारा कभी जारी नहीं किए जाते हैं, इसलिए निर्माता से इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। थलापति 67, सेवन स्क्रीन स्टूडियोज के निर्माताओं में से एक ने ट्वीट किया कि नेटफ्लिक्स इंडिया फिल्म के लिए ओटीटी पार्टनर है। उन्होंने यह खबर भी ट्वीट की कि सन टीवी सैटेलाइट पार्टनर है। सूत्रों ने कहा कि थलापति 67 का शीर्षक 3 फरवरी को सामने आ सकता है। यह उन प्रशंसकों के लिए बहुत खुशी लेकर आएगा जो फिल्म के टीजर प्रोमो को देखने की उम्मीद कर रहे हैं। टीजर प्रोमो में थलापति 67 का टाइटल शामिल होगा या नहीं यह कोई नहीं जानता लेकिन अभी काफी उम्मीदें हैं। सोशल मीडिया पर निर्माताओं के हैंडल – सेवन स्क्रीन स्टूडियो और जगदीश पलानीसामी पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

साइबर-थ्रिलर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे एक साइबर–थ्रिलर फिल्म के लिए तैयार हैं। शीर्षक वाली फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें लुटेरा, उड़ान, भावेश जोशी सुपरहीरो और एके बनाम एके जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए अनन्या ने कहा, जब विक्रमादित्य मोटवानी ने इस कहानी के साथ मुझसे संपर्क किया, तो मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। एक फिल्म निर्माता के रूप में, जब तक मुझे याद है और मुझे लगता है, वह मेरी इच्छा सूची में रहे हैं। अपने करियर की शुरूआत में उनके साथ काम करने का मौका पाकर वाकई खुशकिस्मत हूं। विक्रमादित्य इस फिल्म के प्रमुख हैं, उन्होंने कहा, यह आधुनिक समय की अपील के साथ एक थ्रिलर है और हमारे समय के लिए बहुत प्रासंगिक है। अनन्या पांडे को इस भूमिका में देखना दिलचस्प होने वाला है। हाल ही में फ्लोर पर आई इस फिल्म का निर्माण वीरे दी वेडिंग फेम निखिल द्विवेदी कर रहे हैं, जो वेब सीरीज स्कैम 1992– द हर्षद मेहता स्टोरी में भी नजर आए थे। निखिल ने कहा, जब विक्रम ने निर्माण करने के लिए मेरे साथ स्क्रिप्ट साझा की, तो यह सबसे दिलचस्प कंटेंट में से एक थी, जिन पर मैंने हाल के दिनों में काम किया था और मैंने कुछ ही घंटों में इसमें भाग लेने का फैसला किया। अनन्या एक प्रशंसनीय कलाकार हैं।

2 पार्ट्स में बनेगी दीपिका प्रभास की प्रोजेक्ट के!

बाहुबली स्टार प्रभास और दीपिका पादुकोण जल्द ही एक तेलुगू साइंस फिक्शन फिल्म प्रोजेक्ट के में नजर आने वाले हैं। फिल्म में इन दोनों के साथ अमिताभ बच्चन भी लीड रोल निभाएंगे। इस बीच मेकर्स का कहना है कि बाहुबली की तरह 'प्रोजेक्ट के' भी दो पार्ट्स में रिलीज होगी, जिसका पहला पार्ट अगले साल अप्रैल में आ सकता है। मेकर्स का कहना है कि पहले पार्ट के इन्ट्रोडक्शन की शूटिंग खत्म हो चुकी है और वो फिल्म के रिलीज को लेकर काफी उत्सुक हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'प्रोजेक्ट के 'बाहुबली की तरह दो पार्ट में रिलीज होने वाली है। जहां पहला पार्ट सस्पेंस बनाएगा, तो दूसरा पार्ट कहानी का अहम हिस्सा होगा। मेकर्स के अनुसार ये एक बड़ी फिल्म साबित होने वाली है। बता दें कि ये फिल्म वैजयंती मूवी प्रोडक्शन के 50 साल पूरे होने के सेलिब्रेशन में बनाई जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर नाग अश्विन का कहना है कि फिल्म की पहली पार्ट की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि इस सीन में प्रभास कूल अवतार में नजर आएंगे। सावित्री बायोपिक और फिल्म महानती जैसी फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके नाग अश्विन और प्रभास के बीच ये पहली कोलैबोरेशन फिल्म है। साथ ही इस फिल्म में दीपिका भी प्रभास के साथ पहली बार नजर आएंगी। बिग बी की बात करें तो प्रभास के साथ ये उनकी दूसरी फिल्म है। प्रभास ने बिग बी के साथ आदि पुरुष में भी काम किया है।

सिद्धार्थ सागर ने छोड़ा द कपिल शर्मा शो

टीवी का पॉपुलर कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो पिछले कई सालों से दर्शकों को हंसाता आ रहा है। लेकिन कुछ सालों में शो के कई कॉमेडियन्स ने शो को अलविदा कहा है। इस सीजन में कृष्णा अभिषेक शो में नजर नहीं आएं, वहीं अब खबर है कि इस बार एक और कॉमेडियन ने शो को लात मार दी है।

सिद्धार्थ सागर ने शो को कहा अलविदा

जी हां, कृष्णा अभिषेक, चंदन प्रभाकर के बाद अब कॉमेडियन सिद्धार्थ सागर कपिल शर्मा का शो छोड़ने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धार्थ ने द कपिल शर्मा शो के अलविदा कह दिया है। इसके पीछे की वजह भी सामने आई हैं। सिद्धार्थ अपनी फीस बढ़वाना चाहते थे, लेकिन शो के प्रोड्यूसर्स के साथ पैसों की तंगी बताई जा रही हैं। इसलिए मेकर्स उनकी सैलरी बढ़ाने को तैयार नहीं हुए। इस कारण सिद्धार्थ ने शो छोड़ने का फैसला लिया और वह वापस अपने घर दिल्ली लौट गए हैं। उनका शो में वापस आना अब मुश्किल ही लग रहा है।

इन किरदारों में नजर आएं थे सिद्धार्थ

गौरतलब, है कि शो में सिद्धार्थ ने कई किरदार अदा किए हैं। जिसमें उन्होंने सेल्फी मौसी, उस्ताद घरछोड़दास, फनवीर सिंह और सागर पगलेतू बन दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। सिद्धार्थ बेहद अच्छे कॉमेडियन हैं, दर्शकों भी उन्हें काफी पसंद करते हैं। ऐसे में उनका शो को अचानक छोड़ना फैंस के लिए बेहद निराशाजनक हैं।

सिद्धार्थ से पहले ये कलाकार भी छोड़ चुके हैं शो

बता दें कि, द कपिल शर्मा शो के 7 सीजनों में से कई कलाकारों ने शो को अलविदा कहा है। जिसमें, सुनील ग्रोवर, अली असगर, उपासना सिंह और चंदन प्रभाकर शामिल हैं।

सामंथा व वरुण धवन सिटाडेल फ्रेंचायजी के भीतर करेंगे अभिनय

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु वरुण धवन के साथ सिटाडेल ब्रह्मांड की भारतीय किस्त, प्राइम वीडियो और रूसो ब्रदर्स की एजीबीओ की वैश्विक–इवेंट श्रृंखला में अभिनय करेंगे। यह सामंथा के लिए घर वापसी है। सामंथा ने कहा, जब प्राइम वीडियो और राज एंड डीके ने इस परियोजना के साथ मुझसे संपर्क किया, तो मैंने इसे दिल की धड़कन लेने का फैसला किया! द फैमिली मैन पर इस टीम के साथ काम करने के बाद, यह मेरे लिए घर वापसी जैसा है। उन्होंने कहा, सिटाडेल ब्रह्मांड, दुनिया भर में प्रस्तुतियों के बीच परस्पर जुड़ी हुई कहानी, और सबसे महत्वपूर्ण, भारतीय किस्त की पटकथा ने मुझे वास्तव में उत्साहित किया। मैं रूसो ब्रदर्स के एजीबीओ द्वारा परिकल्पित इस शानदार ब्रह्मांड का हिस्सा बनने के लिए रोमांचित हूं। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस परियोजना पर पहली बार वरुण धवन के साथ काम करने की भी इच्छुक हैं। भारत से बाहर आधारित इस शीर्षकहीन सिटाडेल सीरीज को प्रसिद्ध निर्माता जोड़ी राज और डीके द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो शो रनर और निर्देशक हैं। स्थानीय किस्त को सीता आर. मेनन ने राज और डीके के साथ मिलकर लिखा है। स्ट्रीमिंग सेवा ने यह भी पुष्टि की कि उत्पादन वर्तमान में मुंबई में चल रहा है। इसके बाद, यूनिट उत्तर भारत और फिर सर्बिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर जाएगी।

बॉलीवुड में 4 दशक तक काम करने के बाद अनिल कपूर ने साझा किए खास पल

बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर ने हिंदी सिनेमा में अपने 40 से अधिक वर्षों के सफर को संक्षेप में प्रस्तुत किया है, जहां उन्हें कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। अनिल ने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड में अपने चार दशकों के सफर की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दिखाया गया है कि अनिल शोबिज उद्योग में अपने काम के दौरान कई पुरस्कार जीत चुके हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, 4 दशकों में जब मैं आसपास रहा हूं, समय बदल गया है, प्रतिभा बदल गई है, पसंद बदल गई है और दर्शक निश्चित रूप से बदल गए हैं .. एक चीज जो नहीं बदली है वह है कड़ी मेहनत का गुण, दृढ़ता और दृढ़ विश्वास, और वे पर्याप्त पुरस्कार हैं.. लेकिन कुछ पुरस्कार चोट नहीं पहुंचाते हैं। अपने करियर में 100 से अधिक फिल्मों में अभिनय कर चुके 66 वर्षीय अभिनेता ने मेरी जंग में अपनी भूमिकाओं के साथ खुद को एक प्रमुख स्टार के रूप में स्थापित किया। बाद में उन्होंने कर्मा, मि. इंडिया, परिंदा, तेजाब, 1942– ए लव स्टोरी, ताल, नायक, वेलकम, रेस, दिल धड़कने दो, मलंग और जुगजग जीयो जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने डैनी बॉयल की अकादमी पुरस्कार विजेता फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर के साथ अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में अपनी शुरूआत की। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अनिल अगली बार आगामी एक्शन–थ्रिलर श्रृंखला द नाइट मैनेजर में दिखाई देंगे, जिसमें आदित्य रॉय कपूर भी हैं। वह ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म फाइटर में भी नजर आएंगे।

अपनी शॉर्ट फिल्म पिल है कि मानता नहीं के लिए डायरेक्टर बने आर्य बब्बर

अभिनेता आर्य बब्बर अपनी नई शॉर्ट फिल्म पिल है कि मानता नहीं से बतौर निर्देशक डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में शारिब हाशमी, गोपी भल्ला, चेष्टा भगत, नैन्सी ठक्कर, रशिका प्रधान और आर्या बब्बर शामिल हैं। यह बब्बर हाउस और परमार प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर, आर्य ने कहा, यह मेरे लिए एक बेहद रोमांचक प्रोजेक्ट था जहां मैं चाहता था कि दर्शकों को 30 मिनट की फिल्म में दो घंटे की फिल्म का मनोरंजन मिले। उन्होंने कहा, हम एक टीम के रूप में उत्साहित हैं कि हमने एक ऐसी फिल्म बनाई है जो सिर्फ ऐसी–वैसी कॉमेडी नहीं है बल्कि ऐसी है जो आज के ओटीटी दर्शकों से जुड़ती है और फिल्म का संदेश उनके साथ प्रतिध्वनित होता है शॉर्ट फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएंगी।

संक्षिप्त खबरें

एयर इंडिया ने नई दिल्ली-मिलान के बीच सीधी उड़ान फिर शुरू की

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा मंच केफिन टेक्नोलॉजीज ने बृहस्पतिवार को गुजरात के गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में अपनी परिचालन शुरू करने की घोषणा की। कंपनी की विभिन्न वैश्विक ग्राहकों को सेवा देने के लिए 600 से अधिक कर्मचारियों को शामिल करने की योजना है। केफिन टेक्नोलॉजीज ने बयान में कहा कि कंपनी ने गिफ्ट सिटी में औपचारिक रूप से चार गिफ्ट सिटी कोषों और दो वैश्विक कोष के साथ करार किया है। वहीं कुछ अन्य परिसंपत्ति प्रबंधकों के साथ चर्चा जारी है। इसके अलावा कंपनी विभिन्न वैश्विक ग्राहकों की सेवा के लिए 600 से अधिक कर्मचारियों को काम पर रखेगी।

बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाने से लॉजिस्टिक संपर्क को बढ़ावा मिलेगा: आईआरएफ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय सड़क संघ (आईआरएफ) ने बृहस्पतिवार को आम बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 10 लाख करोड़ रुपये के बढ़े हुए आवंटन का स्वागत करते हुए कहा कि इससे देश भर में लॉजिस्टिक और संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। आईआरएफ ने बजट में पीएम गतिशक्ति के सात वृद्धि वाहकों पर जोर देने का स्वागत किया। इन सात वृद्धि वाहकों में सड़क, रेलवे, हवाईअड्डे, बंदरगाह, सार्वजनिक परिवहन, जलमार्ग और लॉजिस्टिक शामिल हैं। संघ ने एक बयान में कहा कि बढ़े हुए आवंटन से विश्वस्तरीय परिवहन बुनियादी ढांचे का समय से निर्माण सुनिश्चित होगा और देश भर में लॉजिस्टिक और संपर्क में सुधार होगा। आईआरएफ इंडिया चैप्टर के अध्यक्ष सतीश पारख ने कहा कि पूंजीगत व्यय को बढ़ाने से बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे आर्थिक वृद्धि को भी समर्थन मिलेगा।

रेनो ने अपने सभी मॉडल बीएस-6 दूसरे चरण के अनुरूप ढाले

नई दिल्ली। फ्रांसीसी वाहन कंपनी रेनो ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने भारत में अपने सभी वाहनों को प्रदूषण उत्सर्जन के आगामी सख्त मानकों के अनुरूप उन्नत कर दिया है। रेनो इंडिया ने बयान में कहा कि अब भारत में उपलब्ध उसके सभी मॉडल बीएस-6 (भारत चरण-6) उत्सर्जन मानकों के दूसरे चरण के हिसाब से उन्नत कर दिए गए हैं। प्रदूषण मानकों का दूसरा चरण एक अप्रैल, 2023 से लागू होने वाला है। दूसरे चरण के बीएस-6 मानकों के तहत वाहनों में वास्तविक समय में उत्सर्जन स्तर को दिखाना जरूरी होगा। इसके लिए वाहनों में कैटेलिटिक कन्वर्टर और ऑक्सीजन सेंसर लगाने होंगे। रेनो इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वेंकटराम मम्मिलापल्ले ने कहा, सभी मॉडलों में बीएस-6 मानक के दूसरे चरण के अनुकूल पेट्रोल इंजन होने से उत्सर्जन में खासी कमी होगी। इससे सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण में कंपनी योगदान दे पाएगी। इसके साथ ही कंपनी ने क्विड, काइगर और ट्राइबर मॉडलों में कुछ नई सुरक्षा खूबियां भी जोड़ी हैं। अब कंपनी के सभी मॉडल इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), हिल स्टार्ट असिस्ट (एचएसए), ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम (टीसीएस) और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) से लैस होंगे।

लोहा कबाड़ पर छूट स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के लिए राहत: जिंदल स्टेनलेस

नई दिल्ली। कच्चे माल की किल्लत का सामना कर रहे स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिये बजट में लोहा और स्टेनलेस स्टील कबाड़ पर छूट बड़ी राहत है। जिंदल स्टेनलेस लि. (जेएसएल) के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने बृहस्पतिवार को यह कहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को वर्ष 2023-24 का आम बजट लोकसभा में पेश किया था। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील, इस्पात कबाड़ और निकल कैथोड के विनिर्माण के लिए कच्चे माल पर बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) से छूट जारी रखने का प्रस्ताव रखा, जिससे इस क्षेत्र को कच्चा माल उपलब्ध होता रहे। जिंदल ने कहा, लोहा और स्टेनलेस स्टील के कबाड़ पर छूट जारी रखने के लिए वित्त मंत्री के हम आभारी हैं। हमारे क्षेत्र के लिए यह तोहफा है। कच्चा माल अपने देश में उपलब्ध नहीं है या पर्याप्त नहीं है और इस क्षेत्र को अभी भी बाजार में पूरी तरह से तैयार आयात शुल्क मुक्त सामान से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स 420 अंक से ज्यादा उछला

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है। अडाणी ग्रुप के शेयरों में आज एक बार फिर दबाव की स्थिति बनी हुई है। इस ग्रुप के सभी शेयर गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अच्छी बढ़त बनाकर कारोबार कर रहे हैं। शुरूआती 1 घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ और निफ्टी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

पहले 1 घंटे के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईटीसी, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान युनिलीवर और इंफोसिस के शेयर 4.76 प्रतिशत से लेकर 2.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। दूसरी ओर अडाणी इंटरप्राइजेज 26.70 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स, यूपीएल, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और डिवीज लेबोरेट्रीज के शेयर 6.60 प्रतिशत से लेकर 2.68 प्रतिशत तक की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,936 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 634 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,302 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में और 8 शेयर बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिख रहे थे।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज मजबूत ग्लोबल संकेतों के सपोर्ट से अच्छी बढ़त के साथ कारोबार की शुरूआत की। ये सूचकांक आज 417.77 अंक की उछाल के साथ 60,350.01 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच जोरदार खींचतान शुरू हो गई, जिसमें पहले बिकवाली का दबाव ज्यादा बढ़ता नजर आया। जिसके कारण सेंसेक्स गिरकर 60,143.91 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

शुरूआती आधे घंटे के कारोबार के बाद बाजार में लिवाली का जोर बढ़ गया, जिसके कारण सेंसेक्स ने तेजी का रास्ता पकड़ लिया। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक उछलकर 7,414.18 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद हुई बिकवाली के कारण इसमें मामूली गिरावट भी नजर आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 420.35 अंक की मजबूती के साथ 60,352.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज बढ़त के साथ कारोबार की शुरूआत की। ये सूचकांक 111.35 अंक की मजबूती के साथ 17,721.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही अडाणी ग्रुप के शेयरों की बिकवाली के दबाव की वजह से निफ्टी में गिरावट आनी शुरू हो गई। हालांकि बीच-बीच में खरीदार बाजार को सहारा देने की कोशिश भी करते रहे। इसके बावजूद शुरूआती आधे घंटे के कारोबार में ही निफ्टी लुढ़क कर 17,642.75 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

इसके बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर लगाकर इसे 17,728.45 अंक के स्तर तक पहुंचा दिया। लेकिन उसके बाद फिर बिकवाली के दबाव में इस सूचकांक में गिरावट की स्थिति बनती नजर आने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 75.70 अंक की तेजी के साथ 17,686.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मजबूत ग्लोबल संकेतों के बीच आज प्री ओपनिंग सेशन में भी घरेलू शेयर बाजार ने भी मजबूत शुरूआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 282.38 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,214.62 अंक के स्तर पर था। वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 207.90 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,818.30 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था।

शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे चढ़कर 82.08 पर आया

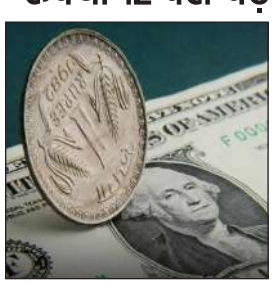

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दामों में नरमी आने से शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 82.08 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी की बड़े पैमाने पर निकासी और आयातकों के बीच डॉलर की मांग बढ़ने का असर रुपये पर पड़ सकता है और उसकी बढ़त सीमित हो सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.15 पर खुला, फिर कुछ और चढ़कर 82.08 पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की बढ़त को दशार्ता है। शुरूआती सौदों में घरेलू मुद्रा ने 82.22 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छुआ। बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 40 पैसे की गिरावट के साथ 82 प्रति डॉलर से नीचे बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत चढ़कर 101.84 पर आ गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 82.09 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

जनवरी में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां धीमी रही

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में जनवरी माह के दौरान नरमी रही जिससे क्षेत्र की वृद्धि दर कम हुई है। शुक्रवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण से यह कहा गया है।

पिछले महीने उत्पादन और बिक्री धीमी गति से बढ़े और भविष्य के परिदृश्य को लेकर सेवा प्रदाताओं के बीच विश्वास के कमजोर स्तर ने रोजगार सृजन को बाधित किया है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जनवरी माह में घटकर 57.2 रह गया। दिसंबर में यह 58.5 पर था। दिसंबर के मुकाबले ताजा आंकड़ा कम होने के बावजूद, अपने लंबे समय के औसत 53.5 से ऊपर रहा और यह वृद्धि मांग की अनुकूल परिस्थितियों तथा नए कार्य में वृद्धि जारी रहने से हुई। सेवा पीएमआई लगातार 18वें महीने 50 अंक से अधिक है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक गतिविधियों में विस्तार को दशार्ता है, जबकि 50 से कम अंक का अर्थ संकुचन है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि इस साल की शुरूआत में सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर थोड़ी घटी है। सर्वेक्षण में आगे कहा गया है कि पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में कमी आई जिससे कुल नए कारोबार में वृद्धि घरेलू बाजार पर केंद्रित रही। लीमा ने कहा, हालिया परिणाम बताते हैं कि सेवा प्रदाताओं ने सतर्क रूख अपना रखा है। यह इस बात से पता चलता है कि बड़ी संख्या में कंपनियों का मानना है कि उत्पादन मौजूदा स्तर पर ही रहेगा।

बजट में अमीरों को कर रियायत देने से राजकोषीय घाटा बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सीपीआई (एम) ने बजट के लेकर केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा है कि यह अमीरों को और कर रियायत देते हुए राजकोषीय घाटे को और बढ़ा रहा है।

सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचूरी ने आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अमीरों को और कर रियायत देते हुए राजकोषीय घाटे को बढ़ाता है जिसे कम करने के लिए सरकार अपने खचरें को कम करने पर जोर देगी।

उन्होंने कहा कि अब जब बेरोजगारी दर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर है तो बजट में मनरेगा के आवंटन में 33 प्रतिशत की कमी कर दी गई है। खाद्य सब्सिडी में 90,000 करोड़ रुपये की कटौती की गई है। वहीं उर्वरक सब्सिडी में 50,000 करोड़ रुपये और पेट्रोलियम सब्सिडी में 6,900 करोड़ रुपये की कटौती की गई है। सीपीआई (एम) ने दावा किया कि महामारी से हुई तबाही के बावजूद स्वास्थ्य के लिए पिछले वर्ष के आवंटन में से 9255 करोड़ अव्ययित रहे। इसी तरह शिक्षा बजट में 4297 करोड़ खर्च नहीं हो पाए। आईसीडीएस योजना के कर्मचारियों के लिए पारिश्रमिक में कोई वृद्धि नहीं दिख रही है।

जेंडर बजट कुल व्यय का केवल 5 प्रतिशत है। अनुसूचित जाति का बजट 16 प्रतिशत की आबादी के मुकाबले केवल 3.5 प्रतिशत है और एसटी का बजट 8.6 प्रतिशत की आबादी के मुकाबले केवल 2.7 प्रतिशत है।

किसानों की आय दोगुनी करने के दावों के बाबजूद केंद्र ने पीएम किसान फंड आवंटन को घटाकर 500 रुपये से कम कर दिया। अब ये 68,000 करोड़ की बजाए 60,000 करोड़ रूपए कर दिया गया है। पूंजीगत व्यय में पर्याप्त वृद्धि कर सरकार ने दावा किया था कि इससे रोजगार सृजन होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

ग्लोबल बाजार से मजबूत संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से आज आम तौर पर मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले कारोबारी सत्र में डाऊ जोंस को छोड़ कर वॉल स्ट्रीट में खासी मजबूती बनी रही। हालांकि एप्पल और गूगल के कमजोर नतीजों के बाद डाऊ फ्यूचर्स में दबाव नजर आ रहा है।

इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले कारोबारी सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज हैंग सेंग और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स के अलावा शेष सभी बाजारों में तेजी का रुख बना हुआ है।

पिछले कारोबारी सत्र के दौरान नैस्डेक 384.50 अंक की यानी 3.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 12,200.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। नैस्डेक में लगातार तीसरे कारोबारी दिन तेजी का माहौल बना रहा है।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,179.76 अंक के स्तर पर पिछले कारोबारी सत्र का अंत किया। दूसरी ओर डाऊ जोंस 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 34,053.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। हालांकि अभी तक के कारोबार में हैंगसेंग और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं। आज के कारोबार में एसजीएक्स निफ्टी फिलहाल 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,702.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 92.40 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,494.45 अंक के स्तर पर नजर आ रहा है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 0.35 प्रतिशत की छलांग लगाकर 3,375.29 अंक के स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 15,600.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,482.69 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,687.02 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,938.98 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

दूसरी ओर हैंग सेंग इंडेक्स आज बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। ये सूचकांक अभी तक के कारोबार में 400.14 अंक यानी 1.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,558.22 अंक के स्तर तक गिर चुका है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी आज 1.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,240.64 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

डाऊ जोंस का अडाणी समूह को तगड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के शेयर मार्केट से अडाणी समूह के शेयरों का तगड़ा झटका लगा है। स्टाक डाऊ जोंस सस्टेनबिलिटी इंडेक्स ने समूह के तीन शेयरों को अपने स्थिरता सूचकांक से हटाने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह विवादों में है। डाऊ जोंस ने यह फैसला अडाणी समूह के तीन शेयरों अडाणी एंटरप्राइजेस, अडाणी पोर्ट्स, स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट को भारत में अतिरिक्त निगरानी उपायों की सूची में शामिल करने पर किया है। स्टाक डाऊ जोंस सस्टेनबिलिटी इंडेक्स ने घोषणी की है कि सात फरवरी से अडाणी कंपनी के शेयर स्थिरता सूचकांक से हटा दिए जाएंगे। इंडेक्स ने कहा है कि अडाणी समूह के स्टाक्स में गड़बड़ी की खबरों के बाद यह फैसला लिया गया है। इस बीच भारत में अडाणी समूह ने अपने एफपीओ को वापस लेने का फैसला किया है। इस घटनाक्रम के बाद अडाणी एंटरप्राइजेस के जो शेयर 3442 रुपये प्रति शेयर के भाव पर करोबार कर रहे थे, वह 1565 रुपये प्रति शेयर के भाव तक लुढ़क गए हैं। कंपनी के शेयरों में 55 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई है।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन में 600 ड्रोन द्वारा एक विशेष शो का किया जाएगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 10 से 12 फरवरी के बीच होने जा रहे उप्र वैश्विक निवेशक सम्मेलन को भव्य बनाने के लिए आयोजन स्थल पर मेहमानों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक भव्य ड्रोन शो भी शामिल है। इस आयोजन में 600 ड्रोन के मदद से विशेष लाइटिंग शो से पूरा आयोजन स्थल वृन्दावन क्षेत्र जगमगा उठेगा। इस ड्रोन शो का मेहमान दर्शक दीर्घा में बैठकर दीदार कर सकेंगे।

एक सरकारी बयान के मुताबिक इसमें 600 ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा, जो आयोजन स्थल के आकाश में रंग-बिरंगी रोशनी में सराबोर होकर एक अलग ही आभा प्रस्तुत करेंगे। उत्तर प्रदेश में दो अवसरों पर पहले भी ड्रोन शो का आयोजन हो चुका है। हाल ही में काकोरी बलिदान दिवस की याद में गोरखपुर में 750 ड्रोन के जरिए एक शो का आयोजन किया गया था। लखनऊ में भी वर्ष 2021 के दौरान रेजिडेंसी में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के दौरान 500 ड्रोन का उपयोग हुआ था।

इन्हीं सफलताओं से उत्साहित होकर प्रदेश सरकार वैश्विक निवेशक सम्मेलन में भी ड्रोन शो का आयोजन कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी पांच वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1,000 अरब डॉलर की बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस क्रम में देश और दुनिया भर के निवेशकों को निवेशक सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है।

सरकारी बयान के मुताबिक मुख्य आयोजन से पूर्व ही उप्र सरकार को 20 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। यूपीजीआईएस 2023 दुनिया भर के व्यापारिक नेताओं, राजनीतिक व आर्थिक गणमान्य व्यक्तियों, उद्यमियों तथा उद्योग सहयोगियों को एक साथ लाकर व्यापार नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने एवं रणनीतिक साझेदारी हेतु एक अद्वितीय मंच के रूप में काम करेगा। आयोजन स्थल पर आवागमन हेतु जैविक ऊर्जा से चलने वाले वाहनों के बजाए शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है।

ऑनलाइन गेमिंग नियम के मसौदे के कुछ प्रावधानों पर गौर करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर आईटी नियमों के मसौदे का मकसद सही है, लेकिन इसके कुछ पहलुओं पर फिर से गौर किये जाने की जरूरत है। उद्योग संगठन ने कहा कि प्रस्तावित नियम उद्योग के व्यवस्थित और तेजी से विकास को लेकर एक कानूनी ढांचा बनाने समेत तीन कारणों से ऑनलाइन गेमिंग उद्योग परिवेश के लिये काफी सकारात्मक हैं। लेकिन इसके कुछ पहलुओं पर फिर से गौर करने की जरूरत है। इसमें गेमिंग की परिभाषा शामिल है। आईएएमएआई ने कहा, वास्तव में, ऑनलाइन गेमिंग की परिभाषा बहुत व्यापक और अस्पष्ट है। इससे वैसी कंपनियां भी इसके दायरे में आ जाएंगी, जिन्हें नियमों के दायरे में लाने की जरूरत नहीं है या फिर हल्के कायदे-कानून की आवश्यकता है। इससे उनपर अनुपालन बोझ भी पड़ेगा। संगठन ने कहा कि नियमों के मसौदा के अनुसार ऐसा लगता है कि कुछ प्रावधान उन सेवाप्रदाताओं या भागीदारों पर लागू होगा, जो ऑनलाइन गेम का विज्ञापन, प्रकाशन या होस्ट करते हैं। उन्हें प्रत्येक खेल को स्व-नियामक निकाय (एसआरबी) के साथ निरंतर आधार पर सत्यापित करके नियमों का पालन करना होगा, जो व्यावहारिक नहीं है। आईएएमएआई ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण यह है कि एसआरबी का दायरा पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं है। उद्योग ने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के लिये कहा है क्योंकि अंततः स्व-नियामक निकाय की भूमिका निर्णय देने की होगी। उद्योग ने स्व-नियामक निकाय के संचालन को लेकर साझा सिद्धांत का आग्रह किया है। हालांकि, उद्योग संगठन यह भी कहा कि नियमों का मसौदा उपभाक्ताओं को मजबूत सुरक्षा उपलब्ध कराता है और सबसे महत्वपूर्ण उद्योग को स्व-नियमन की अनुमति देता है। आईएएमएआई ने कहा, इन उपायों से उद्योग को मान्यता मिलेगी और नियामकीय निश्चितता आएगी। इससे उद्योग में नवोन्मेष और निवेश बढ़ेगा।

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 20 फीसदी टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को लगातार सातवें दिन गिरावट हुई। इस दौरान अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 20 प्रतिशत टूट गया। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 20 प्रतिशत टूटकर 1,173.55 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया जो बीएसई पर इसका एक साल का निचला स्तर है।

अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 10 फीसदी की गिरावट आई, अडाणी ट्रांसमिशन में 10 फीसदी, अडाणी ग्रीन एनर्जी में 10 फीसदी, अडाणी पॉवर में पांच फीसदी, अडाणी टोटल गैस में पांच फीसदी, अडाणी विल्मर में 4.99 फीसदी, एनडीटीवी में 4.98 फीसदी, एसीसी में 4.24 फीसदी और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर में तीन फीसदी की गिरावट आई।

अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह पर खुले तौर पर शेयरों में गड़बड़ी और लेखा धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। कंपनी के इस आरोप के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिराावट आ रही है।

टाइटन का मुनाफा दिसंबर तिमाही में घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा समूह की कंपनी टाइटन कंपनी लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 9.78 प्रतिशत घटकर 913 करोड़ रुपये पर आ गया। खर्च बढ़ने से कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। टाइटन ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को भेजी एक सूचना में यह जानकारी दी।

इसने पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की इसी तिमाही में कंपनी ने 1,012 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, कंपनी की कुल एकीकृत परिचालन आय आलोच्य अवधि में 10,094 करोड़ रुपये से बढ़कर 11,698 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान उसका कुल खर्च बढ़कर 10,454 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 8,750 करोड़ रुपये रहा था।

केरल बजट: महंगाई से निपटने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केरल का बजट वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने शुक्रवार को पेश किया जिसमें मूल्य वृद्धि से निपटने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करने के साथ ही बुनियादी ढांचे और उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए कई पहलों की घोषणा की गई है।

राज्य के वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया, कुल 2,000 करोड़ रुपये राज्य में मूल्य वृद्धि से निपटने के लिए रखे गए हैं।

बजट में 80 करोड़ रुपये का प्रावधान राज्य में गरीबी उन्मूलन के लिए किया गया है, वहीं 600 करोड़ रुपये रबड़ सब्सिडी के लिए रखे गए हैं। बालगोपाल ने कहा कि अनुसंधान एवं विकास पर और जोर देने के लिए अनुसंधान एवं विकास बजट अलग से लाया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के घरेलू उत्पादन, रोजगार और निवेश अवसरों को बढ़ाने के लिए केरल में निर्मित परियोजना पर और ध्यान दिया जाएगा।

दीपक चाहर की वाइफ जया के साथ 10 लाख की धोखाधड़ी

हैदराबाद क्रिकेट से जुड़ा है तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज दीपक चाहर की वाइफ जया के साथ 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके साथ यह धोखाधड़ी हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अधिकारी ने की है। दीपक चाहर के पिता ने पूर्व अधिकारी पर मामला भी दर्ज कराया है। ये पैसे एक डील के लिए दिए गए थे, लेकिन जब पैसे वापस मांगे गए तो क्रिकेट संघ के पूर्व अधिकारी ने गाली गलौच की और जान से मारने की धमकी भी दी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपक चाहर के पिता लोकेंद्र चाहर ने उत्तर प्रदेश में आगरा के हरीपर्वत थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। एफआईआर के अनुसार, यह मामला हैदराबाद के पारिख स्पोर्ट्स दर्ज कराया गया है। एक डील के लिए पारिख स्पोर्ट्स ने जया से 10 लाख रुपये लिए थे, जिसे उसने वापस नहीं किए। इस फर्म के मालिक ध्रुव पारिख और कमलेश पारिख के नाम एफआईआर में हैं।

दीपक चाहर का परिवार आगरा के शाहगंज की मान सरोबर कालोनी में रहता है। हैदराबाद क्रिकेट असोसिएशन में अधिकारी रहे ध्रुव पारिख और कमलेश पारिख ने दीपक चाहर की वाइफ जया के साथ एक डील की थी। डील के अनुसार, 7 अक्टूबर 2022 को जया से 10 लाख रुपये लिए गए, लेकिन अभी वापस नहीं किए। यही नहीं, रिपोर्ट्स के अनुसार, पैसे मांगने पर न केवल गाली-गलोच की गई, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है।

भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत ने बेंगलुरू एफसी से 5 साल का अनुबंध बढ़ाया

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने शुक्रवार को बेंगलुरू एफसी के साथ पांच साल और रहने का फैसला किया तथा क्लब के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ा लिया। राष्ट्रीय टीम के नंबर एक गोलकीपर संधू 2017 में क्लब से जुड़े थे। तब वह यूएफा यूरोपा लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे।

वह पिछले पांच साल से बेंगलुरू एफसी की शुरूआती एकादश का हिस्सा रहे हैं। संधू ने 31वें जन्मदिन पर क्लब से करार बढ़ाने पर हस्ताक्षर किये। उन्होंने कहा, ''मैं बेंगलुरू एफसी के साथ अपना करार बढ़ाकर खुश हूं जिसने हमेशा मेरी काबिलियत पर भरोसा किया है। वर्ष 2011 से वह भारत के लिये 50 से ज्यादा मैच खेल चुके हैं

गावस्कर-बार्डर ट्राफी: तैयारी में जुटा भारत

जडेजा और कोहली ने जमकर बहाया पसीना

नईदिल्ली (एजेंसी)। साल 2023 में सीमित ओवर क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम अब रेड बॉल क्रिकेट में भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। भारतीय टीम 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के साथ घर में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। यह सीरीज भारत के लिए जीतना काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी जगह पक्की करने के लिए यह सीरीज जीतना काफी जरूरी है। चार टेस्ट मैचों की इस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम को टेस्ट की नंबर-1 टीम ऑस्ट्रेलिया के सामने काफी सतर्क रहना होगा। हालांकि, क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय टीम का घर में होने वाली इस सीरीज में पलड़ा भारी होगा, लेकिन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा फॉर्म भारत के आगे काफी चुनौतियां खड़ी कर सकती है।

वहीं, भारतीय टीम भी ऑस्ट्रेलिया को बिल्कुल भी हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी। इस सीरीज की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम के खिलाड़ी नेट्स में खूब पसीना बहा रहे हैं। बीसीसीआई ने शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों की इस सीरीज के लिए तैयारियों की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें विराट कोहली, रविंद्र जडेजा और चेतेश्वर पुजारा जैसे खिलाड़ियों को नेट्स में पसीना बहाते हुए देखा जा सकता है। गौर हो कि भारत इस साल कोई भी सीरीज हारा नहीं है। भारत ने पहले श्रीलंका को वनडे और टी20 सीरीज में मात दी थी और इसके बाद न्यूजीलैंड को भी वनडे और टी20 सीरीज में भी मात दी थी।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट मैच- 09 फरवरी, नागपुर
दूसरा टेस्ट मैच-17 फरवरी, दिल्ली
तीसरा टेस्ट मैच- 01 मार्च, धर्मशाला
चौथा टेस्ट मैच - 09 मार्च, अहमदाबाद

टेस्ट सीरीज के लिए दोनों टीमें :

भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएस भरत, इशान किशन, आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव

ऑस्ट्रेलियाई टीम- पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मारनस लाबुस्चगने, नाथन लियोन, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मिचेल स्वेपसन, डेविड वॉर्नर

भारतीय तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा ने संन्यास की घोषणा की

2007 टी20 विश्व कप में निभाई थी अहम भूमिका

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2007 में दक्षिण अफ्रीका में उद्घाटन टी20 विश्व कप जीतने के लिए पाकिस्तान को पांच रनों से हराने वाली टीम के सदस्य रहे भारतीय तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा ने शुक्रवार को संन्यास की घोषणा कर दी है। शर्मा को जोहान्सबर्ग में अंतिम ओवर में पिच पर पाकिस्तान की आखिरी जोड़ी मिस्बाह-उल-हक और मोहम्मद आसिफ के खिलाफ 13 रनों का बचाव करने में टीम की मदद की थी। मिस्बाह ने स्कूप शॉट मिस्टिमिंग करने से पहले चार गेंदों पर आवश्यक 6 रन के समीकरण को नीचे लाया और एस. श्रीसंत ने शॉर्ट फाइन-लेग पर आसान कैच लिया।

यह 39 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर वर्तमान में हरियाणा पुलिस में उपाधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। शर्मा ने संन्यास की घोषणा करते हुए एक तस्वीर ट्वीट की जिसमें उन्होंने लिखा, आज, अत्यधिक आभार और विनम्रता के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। उन्होंने लिखा, 2002-2017 की मेरी यात्रा मेरे जीवन का सबसे शानदार वर्ष रहे हैं क्योंकि यह खेल के उच्चतम स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान था।

उन्होंने कहा, मैं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, चेन्नई सुपर किंग्स और हरियाणा सरकार द्वारा मुझे दिए गए अवसरों के लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा, च्मैं यह घोषणा करने के लिए उत्साहित हूं कि मैं क्रिकेट की दुनिया और इसके व्यावसायिक पक्ष में नए अवसरों की तलाश करूंगा, जहां मैं उस खेल में भी भाग लेना जारी रखूंगा जिसे मैं प्यार करता हूं और नए और अलग वातावरण में खुद को चुनौती देता हूं। मेरा मानना है कि एक क्रिकेटर के रूप में यह मेरी यात्रा का अगला कदम है और मैं अपने जीवन के इस नए अध्याय की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

रोहतक के रहने वाले और हरियाणा के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शर्मा ने 2004 में चटग्राम में वनडे मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 4 वनडे और 4 टी20आई मैच खेले जिसमें पांच विकेट लिए। 2007 का टी20 विश्व कप फाइनल राष्ट्रीय टीम के लिए उनका आखिरी मैच था।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया को मिला 'डुप्लीकेट अश्विन'

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला की तैयारी की कवायद में स्पिनरों की मददगार पिच पर बल्लेबाजी अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम 21 वर्ष के स्पिनर महीश पिथिया की सेवाएं ले रही है जिनका एक्शन रविचंद्रन अश्विन से मिलता है। ऑफ स्पिनर अश्विन को लेकर ऑस्ट्रेलियाई खेमा काफी चिंतित है।, ऑस्ट्रेलिया ने 2004 के बाद से भारत में टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है। चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 फरवरी से नागपुर में शुरू होगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 'ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टेस्ट दौरे के पहले अभ्यास सत्र में डुप्लीकेट रविचंद्रन अश्विन की गेंदों का सामना किया है। इसमें कहा गया, 'स्पिन का सामना करने पर फोकस रहा और स्थानीय नेट गेंदबाजों में पिथिया अलग थे। उन्होंने कोई ब्रेक लिए बिना लगातार गेंदबाजी की और स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जेसे बल्लेबाजों को परेशान किया।

गुजरात के जूनागढ के रहने वाले पिथिया ने 11 वर्ष की उम्र से पहले अश्विन को गेंदबाजी करते नहीं देखा था क्योंकि उनके पास टीवी नहीं था। उन्होंने पहली बार 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अश्विन की गेंदबाजी देखी और तभी से उन्हें आदर्श मानते हैं। दिसंबर में बड़ौदा के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले पिथिया को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सोशल मीडिया पर उनके फुटेज देखने के बाद यहां बुलवाया। रिपोर्ट में कहा गया, 'अश्विन से मिलने वाली चुनौती का मुकाबला दुनिया का कोई स्पिनर नहीं कर सकता लेकिन पिथिया आस्ट्रेलियाई टीम की मदद कर रहे हैं ताकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को मदद मिल सके।

बुमराह को तय करना होगा कि वह क्या खेलना चाहते हैं : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के धुरंधर गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पिछले लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू होने वाली टेस्ट टीम का हिस्स होंगे, लेकिन जब टीम ने पहले दो टेस्ट मैचों के लिए टीम का ऐलान किया तो बुमराह को एक बार फिर फिटनेस के चलते टीम में शामिल नहीं किया गया। हालांकि, बुमराह ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैचों में उन्हें टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं, यह सवाल अभी भी बना हुआ है।

बुमराह 2013 में अपना पहला आईपीएल मैच खेलते हुए उभरे और उन्होंने तेजी से तीनों प्रारूपों में एक घातक तेज गेंदबाज के रूप में खुद को स्थापित किया। हालांकि, इतने सालों में बुमराह की फॉर्म में कोई फर्क नहीं आया, लेकिन चोट की समस्या ने उन्हें हमेशा परेशान किया। बुमराह की चोटों को लेकर जहां क्रिकेट विशेषज्ञ उनके कार्यभार प्रबंधन को लेकर अलग-अलग चर्चा कर रहे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेफ थॉमसन ने कहा है कि बुमराह को उनके कार्यभार को देखते हुए खेल के फॉर्मेट को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी।

थॉमसन ने कहा, जसप्रीत बुमराह को तय करना होगा कि वह क्या खेलना चाहता है, छोटे प्रारूप या टेस्ट मैच या दोनों। अगर मैं सोचता हूं कि अगर मैं अभी खेल रहा होता तो मेरे लिए टेस्ट मैच खेलना बहुत मुश्किल होता। विशेष रूप से, जब आपको खेल के छोटे संस्करण में इतना पैसा मिलता है, जो आपकी दीर्घायु को बेहतर बनाता है। हमें अपने दिनों में पैसे के बारे में नहीं सोचना पड़ता था, क्योंकि पैसा नहीं था। अब यह एक बहुत बड़ा व्यवसाय है। थॉमसन ने वर्तमान पीढ़ी के क्रिकेटरों के सामने आने वाले परिदृश्य के बारें में बात करते हुए बताया कि पैसा खेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने खिलाड़ियों को कार्यभार के संबंध में चालाक होने की सलाह दी है। उन्होंने कहा,केवल जो आपकी देखभाल करने वाला है, वह आप स्वयं हैं। इसलिए, आपको तय करना होगा कि मैं कितने समय तक खेलूंगा और मैं इसे कैसे प्रबंधित करने जा रहा हूं, क्योंकि इसको कोई और प्रबंधित करने नहीं जा रहा है। मुझे लगता है कि काम के बोझ के मामले में इन दिनों आपको अधिक चालाक होना होगा और देखना होगा कि आपको क्या खेलना है। यदि आप काफी अच्छे हैं, तो वे आपको किसी भी तरह से टीम में चुनने जा रहे हैं, इसलिए आपको खुद फैसला लेने में सक्षम होना चाहिए।

बजट में खेल मंत्रालय पर विशेष ध्यान दिया गया है : अनुराग ठाकुर

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को यहां कहा कि केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय पर विशेष ध्यान दिया गया है। भाजपा की यहां जारी विज्ञप्ति में ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और बुधवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के बजट आवंटन में पिछले बजट की तुलना में करीब 335 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

ब्तपबाम विश्व कप जीतना मेरा अंतिम सपना : देविका वैद्य

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला लेग स्पिन ऑलराउंडर देविका वैद्य ने कहा है कि टीम के लिए विश्व कप जीतना उनका सबसे बड़ा सपना है। देविका ने घरेलू सर्किट में लगातार प्रदर्शन के दम पर दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान टी20 क्रिकेट में वापसी की। वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका में टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में खेल रही देविका 10-26 फरवरी तक होने वाले आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में भी हैं।

आईएसएल-ओडिशा एफसी और चेन्नइयन एफसी का मैच 2-2 से ड्रॉ रहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा एफसी और चेन्नइयन एफसी ने गुरुवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल प्रतियोगिता का मैच 2-2 से ड्रा खेलकर अंक बांटे। चेन्नइयन ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी की। ओडिशा की तरफ से डियगो मॉरिसिया (24वें मिनट) और इसाक वनलालरूटफेला (47वें) ने गोल किए। चेन्नई के लिए अनिरूद्ध थापा (25वें) और अब्देनासेर एल खयाति (57वें) ने गोल दागे। चेन्नइयन एफसी के अब 16 मैचों में चार जीत, छह ड्रा और छह हार से 18 अंक हो गए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड के धुरंधर काइल जैमीसन करेंगे वापसी

बोले - मुझे सिर्फ लय में आने की जरूरत है

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन उम्मीद लगाए हैं कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए चोट के बाद टीम में वापसी में वह अपनी पुरानी लय हासिल कर लेंगे। पिछले साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान इस तेज गेंदबाज को पीठ दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा और तब से वह अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। जैमीसन को न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है, जो 16 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला में खेलेगी। घरेलू क्रिकेट में सफल वापसी करने वाले जैमीसन अब अपने रिहैबिलिटेशन के बाद अंतिम एकादश में शामिल होने का लक्ष्य बनाए हैं।

उन्होंने 'सेन रेडियो से कहा, ''टीम में शामिल किया जाना अच्छा है और टीम में काफी समय बाद शामिल हुआ हूं। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैं टीम में वापसी के लिए उत्साहित हूं। मैं अभ्यास के दौरान काफी ओवर फेंक रहा हूं और फिर से खेलने की लय में आने की जरूरत है। मैं लंबे समय से खाली नेट में अभ्यास कर रहा हूं, इसलिए क्रीज पर बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी करना थोड़ा बदलाव भरा होगा।

रणजी ट्रॉफी

बंगाल ने झारखंड को 9 विकेट से हराया, लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचा

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल ने शुक्रवार को यहां झारखंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बंगाल 2019-20 में फाइनल में पहुंचा था। कोविड के कारण रणजी ट्रॉफी का एक सत्र नहीं होने के बाद वह पिछले सत्र में सेमीफाइनल में पहुंचा था जहां उसे बाद में चैंपियन बने मध्य प्रदेश ने हराया था। इस बार भी सेमीफाइनल में बंगाल का मुकाबला मध्य प्रदेश से ही होगा। झारखंड ने सुबह अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 162 रन से आगे बढ़ाई। सुप्रियो चक्रवर्ती (41) की अगुवाई में उसके निचले क्रम के बल्लेबाजों ने 15 ओवर खेलकर बंगाल का इंतजार बढ़ाया। झारखंड की टीम आखिर में 221 रन पर आउट हो गई। बंगाल को इस तरह से 67 रन का लक्ष्य मिला जो उसने एक विकेट खोकर हासिल कर दिया। उसकी तरफ से अभिमन्यु ईश्वरन ने नाबाद 28 और सुदीप घरामी ने नाबाद 26 रन बनाए।

पंजाब ने सौराष्ट्र पर पहली पारी में 128 रन की बढ़त हासिल की

नईदिल्ली (एजेंसी)। कप्तान मंदीप सिंह की 91 रन की संयमित पारी की बदौलत पंजाब ने गुरूवार को यहां सौराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्राफी क्वार्टरफाइनल मैच में तीसरे दिन पहली पारी में 128 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। मंदीप ने बीती रात के 39 रन के स्कोर में 52 रन जोड़े जिससे पंजाब की टीम 124.3 ओवर में 431 रन बनाने में सफल रही। सौराष्ट्र ने पहली पारी में 303 रन बनाये थे। मंदीप ने 206 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी के दौरान नौ चौके और एक छक्का जड़ा।

फुटबाल-युवेंटस का सामना सेमीफाइनल में इंटर से

अटलांटा (एजेंसी)। पहले हाफ में ब्रेमर के गोल की मदद से युवेंटस ने लाजियो को 1-0 से हराकर सीरि ए फुटबॉल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना इंटर मिलान से होगा। इससे पहले मैच में युवेंटस को मोंजा ने 2-0 से हराया था। वहीं उसने अटलांटा से ड्रॉ खेला था और नपोली से 1-5 से हार गया था। अब उसने दस ही अंक है लेकिन वह रेलिगेशन जोन (निचले दर्जे में खिसकना) से ऊपर है। दूसरे सेमीफाइनल में फियोरेंटिना का सामना क्रेमोनीस से होगा। दोनों सेमीफाइनल अप्रैल में खेले जाएंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बढ़ाया तेज गेंदबाजी कोच एलन डोनाल्ड का अनुबंध

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाजी कोच एलन डोनाल्ड का अनुबंध इसी साल अक्टूबर-नवंबर में खेले जाने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक के लिये बढ़ा दिया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने क्रिकबज ने कहा, 'डोनाल्ड का अनुबंध एकदिवसीय विश्वकप 2023 तक बढ़ाया गया है।

ऐसा माना जा रहा है कि डोनाल्ड वर्तमान में वर्क परमिट वीजा का इंतजार कर रहे हैं वहीं बीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि वे अपने विदेशी कोचिंग स्टाफ के 22 फरवरी तक ढाका पहुंचने की उम्मीद जता रहे हैं, ताकि टीम इंग्लैंड के आगामी दौरे की तैयारी शुरू कर सके, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल हैं। मैच ढाका और चटगांव में एक मार्च से शुरू होने वाला है।

बीसीबी के नवनियुक्त मुख्य कोच चंडिका हाथुरूसिंघा के दिशा निर्देशन में 23 फरवरी को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए शिविर शुरू करने की उम्मीद जतायी गयी है, जिनके 20 फरवरी तक टीम से जुड़ने की उम्मीद है। बंगलादेशी टीम इंग्लैंड में आयरलैंड सीरीज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट है। बीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि मई में होने वाली अपनी अंतिम सुपर लीग श्रृंखला में आयरलैंड को इंग्लैंड में बंगलादेश की मेजबानी करने की उम्मीद है। आयरलैंड ने हालांकि हमें आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूचित किया है कि वे इंग्लैंड में श्रृंखला की मेजबानी करने का प्रयास में जुटे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

आईफोन का इस्तेमाल करो, उद्धव की शिवसेना नेताओं को सलाह; शिंदे गुट का वड़ा पाव वाला तंज

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना को महाराष्ट्र की सियासत में सड़कों की पार्टी माना जाता रहा है। शिवसैनिकों को स्ट्रीट स्मार्ट कार्यकर्ताओं में शुमार किया जाता है, लेकिन आने वाले दिनों में ये तकनीक से लैस नजर आ सकते हैं। दरअसल शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा है कि वे आईफोन का इस्तेमाल करें। उन्होंने नेताओं से सावधान रहने को कहा है और फोन टैपिंग जैसे मामलों से बचने के लिए आईफोन यूज करने को कहा है। अकसर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट की ओर से फोन टैपिंग के आरोप सरकार पर लगाए जाते रहे हैं। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना सरकार के दौरान आरोप लगे थे कि विपक्षी पार्टियों के नेताओं के फोन टैप किए जाते थे। रश्मि शुक्ला फोन टैपिंग मामले के बाद अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के चीफ उद्धव ठाकरे ने सतर्क रुख अपनाया है। माना जा रहा है कि इसी के चलते उद्धव ठाकरे गुट के नेताओं, सांसदों और विधायकों को सलाह दी गई है कि वे आईफोन का ही इस्तेमाल करें। इससे फोन टैपिंग से बचाव हो सकेगा। हालांकि उद्धव ठाकरे की इस सलाह पर एकनाथ शिंदे गुट ने वड़ा पाव वाला तंज कसा है। शिंदे समूह के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कहा कि आम लोग आईफोन नहीं खरीद सकते, क्योंकि रेंज 60,000 से शुरू होकर 1-2 लाख तक जाती है। नेता भले ही इतने अमीर हो गए हों, लेकिन मैं कार्यकर्ताओं को आज भी वड़ा पाव खाते हुए देखता हूं। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के नेता अंबादास दानवे ने उद्धव ठाकरे की अपील पर सफाई दी है। दानवे ने कहा कि उन्हें अभी तक आईफोन के इस्तेमाल को लेकर कोई निर्देश नहीं मिला है। लेकिन जिस तरह से वीडियो क्लिप और ऑडियो क्लिप वायरल हो रहे हैं, उसे देखते हुए महत्वपूर्ण लोगों को आईफोन का उपयोग करना चाहिए। दरअसल आईफोन में फेसटाइम एक खास फीचर है। फेसटाइम की वजह से सीक्रेट एजेंसियां आईफोन टैप नहीं कर सकतीं।

किरेन रिजिजू बोले- अदालतों में हर वर्ग को मिले जगह, 554 में से 430 जज जनरल कैटिगरी के नियुक्त

नईदिल्ली, एजेंसी। जजों की नियुक्ति के मसले पर बीते कुछ समय से केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के बीच टकराव की स्थिति बनी है। अब सरकार की ओर से इस मसले पर एक बार फिर न्यायपालिका को संदेश दिया गया है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा है कि सरकार उच्च अदालतों में जजों की नियुक्ति में सामाजिक विविधता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से कहा है कि वे जजों के नामों की सिफारिश करते समय अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यक और महिला कैंडिडेट्स को भी प्राथमिकता दें। इससे उच्च अदालतों में सामाजिक विविधता बनी रहेगी। भाजपा के ही सांसद सुशील कुमार मोदी के एक सवाल के लिखित जवाब में किरेन रिजिजू ने यह जानकारी दी। सुशील कुमार मोदी ने पूछा था कि बीते 5 सालों में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट्स में कितने जज एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के नियुक्त हुए हैं। इस पर रिजिजू ने जवाब दिया कि बीते 5 सालों में 25 उच्च न्यायालयों में 554 जजों की नियुक्ति हुई है। इनमें से 430 जज जनरल कैटिगरी के हैं। 19 जज अनुसूचित जाति हैं। 6 जज एसटी वर्ग के हैं और 58 जज ओबीसी समुदायों के हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यक वर्गों के भी 27 जजों को नियुक्ति मिली है। इनमें से कुल 84 जज महिला हैं। कॉलेजियम की सिफारिशों और जजों की नियुक्ति को लेकर कानून मंत्री ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में कुल 34 जजों के पद हैं। इनमें से 27 फिलहाल हैं और 7 पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि इन 7 जजों के पदों पर भी नियुक्ति के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से सिफारिश की गई है। हालांकि हाई कोर्ट्स में अब भी बड़े पैमाने पर रिक्तियां हैं। देश के 25 उच्च न्यायालयों में कुल 1108 जजों के पद हैं। इनमें से 333 अब भी खाली हैं। मंत्री ने कहा कि हाई कोर्ट कॉलेजियम्स की ओर से कुल 142 प्रस्ताव भेजे गए हैं, जिन पर अभी चर्चा हो रही है।

राज्यसभा में पीछे की गई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सीट

नईदिल्ली, एजेंसी। संसद के उच्च सदन राज्यसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बैठने की जगह आगे की पंक्ति की सीट से पीछे की पंक्ति में स्थानांतरित कर दिया गया है। कांग्रेस के सूत्रों ने ईटी को गुरुवार को बताया कि यह कदम उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। 90 वर्षीय मनमोहन सिंह की तबीयत ठीक नहीं है और वह व्हीलचेयर पर ही मूवमेंट करते हैं। इसलिए उनकी मूवमेंट की सहजता को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम और दिग्विजय सिंह अब मनमोहन सिंह की जगह राज्यसभा में अगली पंक्ति की सीटों पर बैठेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि 90 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री सिंह को उनकी सुविधा के लिए आखिरी पंक्ति की सीट आवंटित की गई है क्योंकि अब वह व्हीलचेयर पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सदन के उपसभापति हरिवंश के साथ अपनी अगली पंक्ति की सीट पर बैठे रहेंगे।

महंगाई के बीच बड़ी राहत, सरकार ने सस्ते भाव पर आटा बेचना शुरू किया; ये रही नई कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। आम लोगों को गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए केंद्रीय भंडार ने बृहस्पतिवार से आटा 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचना शुरू कर दिया है, जबकि सहकारी संस्थाएं नेफेड और एनसीसीएफ देशभर में छह फरवरी से समान कीमत पर आटे की बिक्री करेंगी। खाद्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। एक बयान में कहा गया है कि इन संस्थानों ने गेहूं के आटे को भारत आटा या कोई अन्य उपयुक्त नाम के रूप में ब्रांड करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसका अधिकतम खुदरा मूल्य 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम होगा। घरेलू बाजार में मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत बफर स्टॉक से 30 लाख टन गेहूं की बिक्री की प्रगति पर बृहस्पतिवार को खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में यह बात कही गई।

क्या छिन जाएगी आप की सबसे बड़ी ताकत शराब घोटाले में कैसे घिर गए केजरीवाल

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाले की वजह से आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पार्टी के दूसरे सबसे बड़े नेता और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आरोपी बनाए जाने से किरकिरी हुई तो अब आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट में आ गया है। आप के कई नेता और मंत्री भ्रष्टाचार के आरोपों में घिर चुके हैं, लेकिन यह पहला मौका है जब करप्शन के किसी केस में खुद केजरीवाल का नाम सीधे तौर पर लिया गया है। खुद को कट्टर ईमानदार कहने वाली पार्टी के लिए इसे बड़ा संकट माना जा रहा है। राजनीतिक जानकार इसे आप की सबसे बड़ी ताकत पर चोट मान रहे हैं।

दरअसल, शराब घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसी ईडी ने कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। ईडी ने इसमें कई सनसनीखेज दावे किए हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब घोटाले के आरोपियों से मिलीभगत थी। आरोप है कि केजरीवाल ने शराब कंपनी के मालिक और आरोपियों में से एक समीर महेंद्रू से बातचीत की थी और विजय नायर को अपना आदमी बताते हुए उस पर भरोसा करने को कहा था। आप से जुड़े विजय नायर भी घोटाले में आरोपी हैं। ईडी ने आरोपियों से पूछताछ के आधार पर कहा है कि नायर ने फेसटाइम ऐप के जरिए केजरीवाल की बात समीर महेंद्रू से करवाई थी।

ईडी ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विजय नायर ने आप नेताओं की ओर से 100 करोड़ रुपए रिश्वत स्वीकार की। आप पदाधिकारियों, मंत्रियों और उनके सहयोगियों ने इन रुपयों का इस्तेमाल किया। जांच एजेंसी ने दावा किया है कि गोवा विधानसभा चुनाव में भी रकम का इस्तेमाल किया गया। ईडी के मुताबिक, मनीष सिसोदिया के सेक्रेटरी रहे सी अरविंद ने बताया कि निजी कंपनियों को होलसेल कारोबार देने या 12 फीसदी प्रॉफिट मार्जिन को लेकर मंत्रिमंडल बैठक में चर्चा नहीं हुई थी। उन्हें मार्च 2021 में ड्राफ्ट जीओएम रिपोर्ट दी गई जब उन्हें सिसोदिया ने केजरीवाल के आवास पर बुलाया जहां सत्येंद्र जैन भी मौजूद थे। शराब घोटाले को लेकर पहले से ही सवालों का सामना कर रही आप को ईडी की चार्जशीट के बाद नई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। करीब एक दशक पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से पैदा हुई पार्टी ने ईमानदारीकी छवि के सहारे दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाई तो गुजरात से गोवा तक कई राज्यों तक दस्तक दे दी है। राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करने के लिए शर्त पूरी कर चुकी पार्टी देशभर में विस्तार योजना पर काम कर रही है। हालांकि, खुद केजरीवाल का नाम घोटाले में आने के बाद पार्टी की उम्मीदों को झटका लग सकता है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि खुद को कट्टर ईमानदार पार्टी कहने वाली आप की सबसे बड़ी ताकत को चोट पहुंची है। पार्टी ने इसी पूंजी के सहारे सफलता के नए आयाम गढ़े हैं। जनता की नजरों में खुद को बेकसूर साबित करने के लिए पार्टी नेताओं को कड़ी मेहनत करनी होगी, जिसकी शुरुआत खुद अरविंद केजरीवाल ने की और कहा कि ईडी के आरोप काल्पनिक हैं। आने वाले समय में भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां वैकल्पिक राजनीति का दावा करने वाले केजरीवाल पर आक्रामक प्रहार कर सकती हैं।

राजद से क्या हुई डील, सच सामने लाएं नीतीश, उपेन्द्र कुशवाहा बोले बदतर हो रही जेडीयू की स्थिति

पटना, एजेंसी। जदयू के असंतुष्ट नेता उपेंद्र कुशवाहा ने गुरुवार को मांग की कि राजद और जदयू ने पिछले साल गठबंधन करने का जो फैसला किया था, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसके पीछे के कथित डील की अफवाहों के पीछे की सच्चाई सामने लाएं। कुशवाहा ने यहां एक समारोह में यह बयान दिया। नीतीश द्वारा कुमार राजद के तेजस्वी यादव के अलावा उन्हें एक और उपमुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने से खारिज किए जाने के बाद से वह नाराज चल रहे हैं। कुशवाहा ने लालू प्रसाद की पार्टी पर सत्ता के विकेंद्रीकरण के समाजवादी आदर्श से भटकने और एक परिवार के भीतर सभी अधिकार केंद्रित करने का आरोप लगाया। कुशवाहा दो साल से कम समय पहले अपनी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का विलय करके जदयू में लौट आए थे। कुशवाहा ने राजद पर अपना प्रहार जारी रखते हुए कहा कि राजद ने कभी किसी की चिंता नहीं की , उसकी इस प्रवृत्ति के खिलाफ विद्रोह था कि समता पार्टी अस्तित्व में आई जो बाद में जदयू के रूप में जानी गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी भी समाज के सबसे निचले तबके को शक्ति देने में विफल रही है और राजद के साथ एक समझौते की अफवाहें जदयू कार्यकर्ताओं के बीच भारी निराशा का कारण बन रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद नेता खुले तौर पर कह रहे थे कि सौदे के अनुसार तेजस्वी के पद संभालने के लिए मुख्यमंत्री के पद छोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की ओर से चुप्पी केवल मामले को बदतर बना रही है।

चित्तौड़गढ़ में बीजेपी नेता के बेटे को बीच सड़क मारी 8 गोलियां, मौके पर ही मौत

चित्तौड़गढ़, एजेंसी। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में भाजपा के कार्यकर्ता को बीच सड़क 8 गोलियां मारी. आठ उसके शरीर से आर पार हो गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद अब पूरे जिले में दहशत का माहौल है। अनुसार घटना के बाद हत्या करने वाले 5 से 6 हत्यारे अलग-अलग दिशाओं में पैदल ही भाग गए। उनकी तलाश के लिए रात से छापेमारी जारी है। मामला निंबाहेड़ा इलाके का है. पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम बंटी उर्फ विकास आंजना है। वह 28 साल का था. उसके पिता बापूलाल आंजना भाजपा बूथ अध्यक्ष रह चुके हैं और पिता पुत्र वर्तमान में भी भाजपा कार्यकर्ता हैं।

मौके पर ही हो गई मौत : पुलिस ने बताया कि विकास के एक दोस्त ललित की बेटी की मौत हो गई थी। विकास उसका दुख बांटने ही गया था। विकास और उसके दो दोस्त एक ही बाइक पर थे। विकास अपने साथियों के साथ लौट रहा था तो तो निंबाहेड़ा इलाके में उसे घेर लिया गया। विकास के दोनों दोस्त छुप गए, लेकिन वहां घात लगाकर बैठे तीन से चार बदमाशों ने विकास को गोलियों से भून दिया. जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार ने शव लेने से किया इनकार : घटना के बाद से विकास के पिता और परिवार के अन्य लोग सदमे में हैं. विकास की शादी कुछ समय पहले हुई थी। उसे एक साल की एक बेटी भी है। उधर, शव लेने से परिजनों ने इंकार कर दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस घटना को आपसी रंजिश मान रही है।

शिमला-कालका रूट पर दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, 2023 अंत तक होगी शुरुआत, रेल मंत्री का ऐलान

शिमला, एजेंसी। भारतीय रेलवे वंदे भारत ट्रेन की कामयाबी के बाद अब हाइड्रोजन ट्रेन चलाने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारतीय रेलवे हर साल तेजी से बढ़ रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, 1275 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जबकि वंदे भारत ट्रेनों के उत्पादन को नया रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले हर दिन केवल 3 किमी ट्रैक बिछाए जाते थे, चालू वर्ष में यह बढ़कर 12 किमी ट्रैक प्रतिदिन हो गया और अगले वर्ष के लिए लक्ष्य 16 किमी ट्रैक प्रतिदिन है। देश में हाइड्रोजन ट्रेनों की शुरुआत करने के बारे में मंत्री ने कहा कि चूंकि बजट ग्रीन डेवलपमेंट पर केंद्रित है, रेलवे हाइड्रोजन ट्रेन के साथ भी इसमें योगदान देगा, जो दिसंबर 2023 तक आएगी और इसे भारत में डिजाइन और निर्मित किया जाएगा। सबसे पहले, यह कालका-शिमला जैसे हैरिटेज सर्किट पर चलेगी और बाद में इसे अन्य स्थानों पर विस्तारित किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि ट्रेनों के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत दिखाने के पीएम मोदी के दृष्टिकोण को सूची में गुरुकृपा सर्किट जैसे नए सर्किट जोड़कर भी अपडेट किया जाएगा। नए स्टेशनों का विकास और रोजगार का सृजन लक्ष्य उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों के दौरान रेलवे के क्षेत्र में रोजगार सृजन हुआ है। नए स्टेशनों का विकास किया गया है, शौचालयों का निर्माण किया गया है, वेटिंग एरिया का नवीनीकरण किया गया है, वंदे भारत सहित नई ट्रेनें शुरू की गई हैं और यात्रियों की सुविधाओं के साथ उनकी संख्या में भी इजाफा हुआ है। मंत्री ने इस क्षेत्र में रोजगार सृजन को भी चिह्नित किया और कहा कि पिछले 8 वर्षों में रेलवे के तहत 3,64,000 रोजगार सृजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से ही देश के लोगों के लिए 1,45,000 और रोजगार पर काम कर रही है। रेल मंत्री ने देश में वंदे भारत की सुविधा का विस्तार करने के बारे में बोलते हुए कहा कि अब आईसीएफ चेन्नई के अलावा, वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण हरियाणा के सोनीपत और महाराष्ट्र के लातूर में किया जाएगा और यह पीएम मोदी के हर कोने को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ने के सपने को पूरा करेगा।

रायबरेली में भी बनेंगी वंदे भारत ट्रेन

उन्होंने आगे कहा कि वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण उत्तर प्रदेश के रायबरेली में भी किया जाएगा क्योंकि यह क्षेत्र बुलेट ट्रेन पर अच्छी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में पहले सीएम उद्धव ठाकरे ने अनुमति नहीं दी थी, लेकिन अब सभी अनुमतियां हैं और जल्द ही महाराष्ट्र में भी वंदे भारत ट्रेनों का विकास शुरू होगा।

गौरतलब है कि भारतीय रेल से रोजाना करीब ढाई से पौने तीन करोड़ यात्री आवागमन करते हैं। इस प्रकार से सालाना यात्रियों की संख्या 800 करोड़ से अधिक होती है।

एमएलसी चुनाव में बीजेपी का डंका, पांच में चार सीटें जीतीं; खाता न खोल सकी सपा

गोराखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषदकी पांच सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी का डंका बज गया है। पांच में चार सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। जबकि एक सीट पर निर्दलीय का कब्जा हुआ है। तमाम दावों के बावजूद समाजवादी पार्टी के अरमानों पर पानी फिर गया है। सपा इस चुनाव में अपना खाता तक नहीं खोल पाई है।

30 जनवरी को यूपी के 39 जिलों में एमएलसी चुनाव के लिए वोट पड़े थे। 2 फरवरी को मतगणना हुई। इस चुनाव में बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक सीट पर बीजेपी के जयपाल सिंह व्यस्त ने हैट्रिक लगा दी है। वहीं उन्नाव-कानपुर स्नातक एमएलसी सीट पर बीजेपी के अरुण पाठक ने जीत दर्ज कराई है। झांसी-इलाहाबाद शिक्षक एमएलसी सीट पर बीजेपी के बाबूलाल तिवारी जबकि गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक एमएलसी सीट पर बीजेपी के देवेन्द्र प्रताप सिंह विजयी घोषित किए गए हैं। वहीं कानपुर शिक्षक खंड एमएलसी चुनाव में निर्दलीय राज बहादुर सिंह चंदेल ने जीत दर्ज कराई है।

गोराखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक एमएलसी चुनाव में देवेंद्र प्रताप सिंह 17455 मतों से जीत गए हैं। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय परिसर में मतों की गणना की गई। गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक एमएलसी चुनाव में क्षेत्र के 17 जिलों में मतदान के बाद मतपेटियों को यहां सुरक्षा घेरे में स्ट्रांगरूम में रखा गया था। तकरीबन 22 घंटे तक चली मतगणना के बाद शुक्रवार की सुबह 6-30 बजे परिणाम आया। अंतिम गणना के बाद भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र प्रताप सिंह को 51699 मत मिले। दूसरे स्थान पर सपा के करुणा कांत मौर्य रहे जिन्हें 34244 मत मिले।

बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक एमएलसी सीट पर भाजपा के उम्मीदवार जयपाल सिंह व्यस्त ने तीसरी बार जीत हासिल कर हैट्रिक लगाई है। जयपाल सिंह ने सपा के शिव प्रताप सिंह को 51,257 वोटों से हरा दिया है। उन्हें कुल 66,179 मत मिले जबकि सपा के शिव प्रताप सिंह यादव को 14,922 वोट। तड़के 3-40 बजे 7वें राउंड के बाद फाइनल रिजल्ट आया। 30 जनवरी को हुए मतदान में 92,687 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

56.53 प्रतिशत हुई थी वोटिंग : यूपी विधान परिषद में शिक्षक और स्नातक कोटे की पांच सीटों के लिए 30 जनवरी को मतदान हुआ था। इसमें कुल 56.53 प्रतिशत वोट पड़े थे। 39 जिलों के 1064 मतदान स्थलों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ था। सबसे अधिक 75.86 प्रतिशत मतदान इलाहाबाद-झांसी खंड शिक्षक सीट पर हुआ था। वहीं कानपुर खंड स्नातक सीट पर सबसे कम 40.93 प्रतिशत मतदान हुआ था। पांच सीटों पर कुल 63 उम्मीदवार मैदान में थे।

अखिलेश के शूद्र वाले बयान पर मायावती का बड़ा हमला, बोलीं-अपमान न करे सपा, अपने गिरेबां में झांके; गेस्ट हाउस कांड की दिलाई याद

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के शूद्र वाले बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने उनकी घेराबंदी की है। शुक्रवार को उन्होंने एक के बाद एक चार ट्वीट किए। उन्होंने अखिलेश यादव के बयान को एससी, एसटी और ओबीसी का अपमान बताते हुए उन पर बड़ा हमला किया। उन्होंने कहा कि देश में कमजोर और उपेक्षित वर्गों का रामचरितमानस और मनुस्मृति आदि ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय संविधान है जिसमें बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने इनको शूद्रों की नहीं बल्कि एससी, एसटी और ओबीसी की संज्ञा दी है। अतः इन्हें शूद्र कहकर सपा इनका अपमान न करे तथा न ही संविधान की अवहेलना करे।

मायावती ने कांग्रेस और भाजपा को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि इतना ही नहीं, देश के अन्य राज्यों की तरह यूपी में भी दलितों, आदिवासियों और ओबीसी समाज के शोषण, अन्याय, नाइन्साफी और इन वर्गों में जन्मे महान संतों, गुरुओं और महापुरुषों आदि की उपेक्षा और तिरस्कार के मामले में कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी में कोई किसी से कम नहीं है।

अखिलेश को दिलाई गेस्ट हाउस कांड की याद : बसपा सुप्रीमो ने शूद्र वाले बयान पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को लखनऊ गेस्ट हाउस कांड की याद दिलाई और कहा कि सपा प्रमुख को इनकी वकालत करने से पहले लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस के दिनांक 2 जून सन् 1995 की घटना को भी याद कर अपने गिरेबान में जरूर झांककर देखना चाहिए, जब सीएम बनने जा रही एक दलित की बेटी पर सपा सरकार में जानलेवा हमला कराया गया था।

मायावती ने कहा कि वैसे भी यह जगज़ाहिर है कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी, मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों आदि के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान की क़द्र बीएसपी में ही हमेशा से निहित और सुरक्षित है, जबकि बाकी पार्टियां इनके वोटों के स्वार्थ की खातिर किस्म-किस्म की नाटकबाजी ही ज्यादा करती रहती हैं।

अपने ही गढ़ में क्यों हारी बीजेपी, हैट्रिक का सपना कैसे हुआ चकनाचूर, बीजेपी-शिंदे गठजोड़ को क्या संदेश

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र में सियासी उथल-पुथल के बाद पिछले साल जून के आखिरी दिनों में बनी एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना और बीजेपी सरकार अपनी पहली चुनावी परीक्षा में फेल रही है। विधान परिषद की पांच सीटों पर हुए चुनाव में इस गठबंधन को सिर्फ एक सीट पर ही जीत मिल सकी है। बीजेपी को सबसे बड़ा नुकसान उसे अपने गढ़ में ही हुआ है। नागपुर से उसके दो बार के विधायक रहे नागो गरार की करारी हार हुई है।

हैट्रिक का सपना चकनाचूर : नागपुर शिक्षक एमएलसी सीट पर गरार की जीत की हैट्रिक लगाने को लेकर बीजेपी आश्वस्त थी क्योंकि वह सीटिंग विधायक थे लेकिन यहां से महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार सुधाकर अड़बाले ने बाजी मार ली है। नागपुर राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का क्षेत्र है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है।

पांच में से सिर्फ एक पर बीजेपी की जीत : इस चुनाव में महाविकास अघाड़ी को पांच में से तीन सीटों पर जीत मिली है, जबकि सत्ताधारी बीजेपी-शिंदे गुट गठबंधन अभी एक सीट ही जीत मिल सकी है। नासिक से निर्दलीय उम्मीदवार सत्यजीत ताम्बे की जीत हुई है। कांग्रेस के खिलाफ नामांकन करने पर ताम्बा को पार्टी ने निलंबित कर दिया था। उन्होंने अपने अगले कदम का ऐलान नहीं किया है।

बीजेपी की हार के क्या कारण : महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार अड़बाले ने यह कहकर सनसनी फैला दी है कि उसकी जीत के पीछे देवेंद्र फड़णवीस का हाथ है। दरअसल, फडणवीस ने कुछ दिनों पहले ओल्ड पेंशन स्कीम पर विधानसभा में कहा था कि उनकी सरकार का पुराने पेंशन को लागू करने का कोई विचार नहीं है। माना जा रहा है कि उनके इस बयान से सरकारी नौकरीपेशा लोगों में नाराजगी है। चूंकि, इस चुनाव में शिक्षक ही मतदाता थे, इसलिए पुरानी पेंशन को ही बहाल रखने के फडणवीस के ऐलान से शिक्षक जगत नाराज रहा।

इसके अलावा में बीजेपी के भीतर खेमेबाजी को भी इस हार का एक कारण माना जा रहा है। नागपुर में बीजेपी के भीतर एक खेमा नितिन गडकरी का माना जाता है तो दूसरा खेमा देवेंद्र फड़णवीस का माना जाता है। माना जा रहा है कि दोनों गुटों का भीतरी कलह भी इस हार के कारणों में शामिल रहा है। इस इलाके का ओबीसी जातीय समीकरण (तेली, माली और कुनबी) भी इस हार के लिए जिम्मेदार है। तेली बीजेपी के कट्टर समर्थक रहे हैं, जबकि बाकी दोनों जातियां उसकी विरोधी। अड़बाले माली जाति से ताल्लुक रखते हैं।

बीजेपी-शिंदे गठजोड़ को क्या संदेश : विदर्भ क्षेत्र को बीजेपी का गढ़ कहा जाता है। वहां से बीजेपी की हार चिंताजनक है क्योंकि अगले साल राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में यह संदेश जा सकता है कि राज्य में खासकर अपने ही गढ़ में बीजेपी की पकड़ कमजोर हुई है और एकनाथ शिंदे-बीजेपी सरकार को जनता ने नकार दिया है। विदर्भ से लोकसभा की कुल 10 सीटें आती हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555